

जेम्स बॉन्ड के लिए 5 एक्टर्स का स्क्रीन टेस्ट, फैंस ने सुझाया ऋतिक का भी नाम; 007 के लिए कौन होगा फाइनल?

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिक्तम - 29
न्यूनतम - 15

प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक

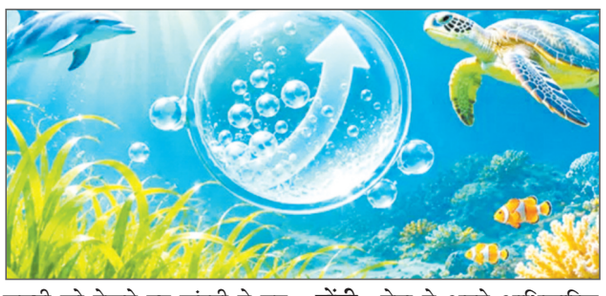
Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 313 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर बुधवार 11 नवम्बर 2026 ● कार्तिक शुक्ल 2 विक्रमी संवत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रूपया

इंस्टाग्राम-फेसबुक अब एआई से यूजर की उम्र पहचानेंगे

● टीनेजर्स के लिए सेफ्टी फीचर जनवरी से अनिवार्य होंगे ● स्क्रीन टाइम लिमिट भी तय होगी

कैलीफोर्निया (एजेंसी)। सोशल मीडिया कंपनी मेटा अब बच्चों और टीनेजर्स की सुरक्षा के लिए एक नया एआई सिस्टम दुनियाभर में लागू करने जा रही है। इस सिस्टम की मदद से इंस्टाग्राम-फेसबुक एप खुद पहचान लेंगे कि यूजर टीनेजर है या नहीं। इसके बाद, उसका अकाउंट अपने आप सख्त सुरक्षा और प्राइवेसी वाले टीन अकाउंट में बदल जाएगा। दुनियाभर की सरकारों की ओर से बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा पर बढ़ाई जा रही सख्ती को देखते हुए कंपनी ने यह कदम उठाया है।



एआई पकड़ेगा फर्जी उम्र, सेफ सेटिंग्स ऑटोमैटिक ऑन होंगी- मेटा ने अपने आधिकारिक ब्लॉग पोस्ट में बताया कि वह अप्रैल 2025 से एक नई एआई तकनीक की टेस्टिंग कर रहा है। अगर किसी टीनेजर ने अकाउंट बनाते समय अपनी उम्र गलत बताई होगी, तो भी एआई उनके इस्तेमाल करने के तरीके से असली उम्र पहचान लेगा। उम्र का पता चलते ही अकाउंट अपने-आप टीन सेटिंग्स में बदल जाएगा, जिससे उनकी स्क्रीन पर खराब या आपत्तिजनक वीडियो/पोस्ट दिखना बंद हो जाएंगे। पेरेंट्स को यह समझाने के लिए कि यह सुरक्षा सिस्टम कैसे काम करता है, मेटा खास जानकारी देने वाले वीडियो भी जारी करेगा।

स्क्रीन-टाइम लिमिट से क्वाइट मोड तक ये नियम बदलेंगे

कानूनी समझौते के बाद मेटा अपने एप में कई नए सुरक्षा फीचर्स ला रहा है। अब टीनेजर्स के लिए रोजाना एप इस्तेमाल करने की टाइम लिमिट तय होगी और रात में नोटिफिकेशन बंद रखने के लिए क्वियूट मोड भी मिलेगा। साथ ही, अनजान लोगों से बातचीत रोकने के लिए सख्त प्राइवेसी नियम लागू किए जाएंगे। मेटा ने टिकटॉक, स्नैपचैट और यूट्यूब से भी इन सेफ्टी नियमों को लागू करने की अपील की है। टीनेजर्स के लिए नियमों को कड़ा करने की यह पहल ऐसे समय में हो रही है जब कई देश सख्त कदम उठा रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है। मेटा के अनुसार, ये सभी नए फीचर्स और वैश्विक एआई एज वेरिफिकेशन प्रक्रिया जनवरी से आधिकारिक रूप से लागू होने शुरू हो जाएंगे।

ममता बनर्जी के कोलकाता वाले घर पहुंची दिल्ली पुलिस

● नोटिस दिया, पूर्व मुख्यमंत्री आरोपी नहीं, पीड़ित हैं ● मामला 13 साल पुराने योजना भवन हंगामे से जुड़ा



कोलकाता (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस का एक कर्मी पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कोलकाता स्थित आवास 30ए, हरीश चटर्जी स्ट्रीट पर पहुंचा। संसद मार्ग थाने के कर्मचारी ने सीआरपीसी की धारा 160 के तहत नोटिस दिया। दरअसल, इस केस में ममता आरोपी नहीं, बल्कि बतौर गवाह/पीड़ित बुलाई गई हैं। सीआरपीसी 160 धारा के तहत पुलिस किसी भी व्यक्ति को- जिसे केस के बारे में जानकारी हो, बयान देने के लिए थाने बुला सकती है। दिल्ली के योजना भवन में प्लानिंग कमीशन का दफ्तर था। ममता यहां बंगाल के सालाना प्लान के लिए मीटिंग करने के लिए वित्त मंत्री अमित मित्रा के साथ गई थीं। 125-150 कार्यकर्ताओं ने उन्हें घेर लिया था।

13 साल बाद पुलिस ममता के घर क्यों गई

दरअसल, 13 साल पुराना केस अभी भी कोर्ट में चल रहा है। पुलिस को केस को आगे बढ़ाने के लिए मुख्य गवाह ममता का बयान चाहिए। इसलिए सीआरपीसी 160 का नोटिस दिया गया है। हालांकि इस नोटिस की टाइमिंग पर सवाल उठ रहे हैं। अभी 3 नवंबर को ही सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली पुलिस ने कहा था कि 10 अक्टूबर को दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान ममता को हिरासत में नहीं लिया गया, सिर्फ हटाया गया था। उस पर हेबियस कॉर्पस याचिका चल रही है। ममता को नोटिस में बताई गई तारीख पर दिल्ली पुलिस के सामने बयान देने जाना होगा या अपने वकील के जरिए जवाब देना होगा। पुलिस दोबारा नोटिस दे सकती है।

संक्षिप्त समाचार

चित्रकूट के गधा मेले में छाया 'चंकी पांडे'

भोपाल (एजेंसी)। मंदाकिनी नदी के किनारे लगने वाले चित्रकूट के सदियों पुराने गधा मेले में सोमवार को गधों की बोली लगी। इस मेले में चंकी पांडे (बॉलीवुड अभिनेता नहीं, बल्कि एक गधा) आकर्षण का केंद्र बन गया। चित्रकूट में दीवाली के दौरान हर साल यह गधा मेला लगता है। इस मेले में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पंजाब और राजस्थान से लगभग 350 गधे और खच्चर लाए गए। चित्रकूट नगर परिषद के मुख्य नगर अधिकारी अंकित सोनी ने बताया कि इस साल करीब 80 जानवरों की खरीद-बिक्री हुई। चित्रकूट में लगने वाले इस गधे मेले का बॉलीवुड से गहरा नाता है। गधों की



तरफ व्यापारियों का ध्यान खींचने के लिए जानवरों का नाम फिल्मी सितारों के नाम पर रखा जाता हैं। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के पड़ोसी जिलों से भी व्यापारी और खरीदार यहां सौदेबाजी के लिए आते हैं। मुख्य नगर अधिकारी अंकित सोनी ने बताया, ये फिल्मी नाम केवल मेले तक ही सीमित रहते हैं। इन जानवरों का उन मशहूर हस्तियों से कोई स्थायी संबंध नहीं होता। गधों का नाम फिल्मी सितारों के नाम पर इसलिए रख देते हैं ताकि मेले का माहौल दिलचस्प हो जाए। इस साल के मेले में अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, मिथुन चक्रवर्ती और चंकी पांडे के नाम के गधे शामिल थे, जिसमें चंकी पांडे नाम के गधे की सबसे ज्यादा बोली लगी। यह गधा 72,000 रुपये में बिका।

छठ पूजा से पहले बिहार के घाटों की किलेबंदी

पटना (एजेंसी)। बिहार के आपदा प्रबंधन विभाग (डीएमडी) ने छठ महापर्व (13 से 16 नवंबर) के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश सभी जिलों को दिए हैं। विभाग ने सभी घाटों और तालाबों के आसपास पटाखों की बिक्री एवं उन्हें फोड़ने पर प्रतिबंध लगाने तथा नहाय-खाय से सुबह के अर्घ्य तक निजी नावों के परिचालन पर रोक लगाने का निर्देश दिया है। विभाग की ओर से सोमवार को जारी एक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के निर्देश पर जिलाधिकारियों (डीएम) को खतरनाक घाटों की पहचान कर वहां बैरिकेडिंग कराने तथा पर्याप्त संख्या में सुरक्षाकर्मियों और स्वयंसेवकों की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा गया है। विभाग ने



13 से 16 नवंबर तक छठ घाटों के आसपास पटाखों की बिक्री और उन्हें फोड़ने पर प्रतिबंध लगाने के साथ ही नहाय-खाय से सुबह के अर्घ्य तक निजी नावों के परिचालन पर रोक लगाने का निर्देश दिया है। बयान में कहा गया है, नदी घाटों पर प्रशिक्षित गोताखोरों, तैराकों, मोटरबोट और जीवनरक्षक उपकरणों की तैनाती अनिवार्य रूप से की जाए। चिकित्सा दल, एंबुलेंस और त्वरित चिकित्सा कार्रवाई दल (क्यूएमआरटी) को भी तैयार रखा जाए।

जनप्रतिनिधि 48+ घंटे अगर हिरासत में तो अपने आप सस्पेंड

● सुप्रीम कोर्ट ने बिहार अस्पताल प्रशासक की जमानत बहाल की ● पटना हाईकोर्ट का फैसला पलटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है- अगर कोई सरकारी अफसर गिरफ्तार होकर 48 घंटे से ज्यादा न्यायिक हिरासत (जेल) में रहता है, तो उसे अपने आप सस्पेंड माना जाएगा। इसके लिए अलग से कोई सस्पेंशन ऑर्डर निकालने की जरूरत नहीं है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने 6 नवंबर के आदेश में ये बात कही। मामला बिहार के समस्तीपुर के अस्पताल प्रशासक के रिश्वत कांड से जुड़ा था। विश्वजीत सिंह पर 36421 रुपए के बकाया वेतन को जारी करने के बदले संविदाकर्मी से 4000 रुपए रिश्वत मांगने का आरोप है। कोर्ट ने पटना हाईकोर्ट का वह आदेश रद्द कर दिया, जिसमें करीब एक साल बाद उनकी जमानत रद्द की गई थी।



पटना हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी

आरोपी प्रशासक सिंह ने पटना हाईकोर्ट के 1 जुलाई के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने शिकायतकर्ता की याचिका मंजूर की थी। हाईकोर्ट ने सेशन कोर्ट से मिली रेगुलर बेल रद्द कर सिंह को हिरासत में लेने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट ने आरोपी के रिहा होने के करीब एक साल बाद जमानत में दखल दिया। उसके आदेश से लगता है कि सेशन कोर्ट की एक टिप्पणी का असर जमानत रद्द करने के फैसले पर पड़ा। सेशन कोर्ट ने रिश्वत की रकम को बहुत कम बताया था। मामले के रिकॉर्ड के मुताबिक इस केस में 2025 में विजिलेंस थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। यह एफआईआर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7(ए) के तहत दर्ज हुई थी।

जमानत रद्द करने पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट इस पर टिप्पणी कर सकता था, लेकिन जमानत रद्द नहीं करनी चाहिए थी। जमानत बहाल करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी की सेवा स्थिति और बाद की तैनाती से जुड़ी एक गंभीर बात भी उठाई। बेंच ने आदेश में कहा, 'एक गंभीर बात है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ऐसा लगता है कि गिरफ्तारी के बाद आरोपी करीब 15 दिन न्यायिक हिरासत में रहा।' जस्टिस पारदीवाला कहा- सरकारी कर्मचारी होने के कारण सिंह को स्वत-निलंबित माना जा सकता है। हैरानी की बात है कि उन्हें दोबारा उसी अस्पताल में उसी पद पर तैनात कर दिया गया।' कोर्ट ने कहा कि राज्य को इस पहलू पर जल्द से जल्द ध्यान देना चाहिए। बेंच ने उम्मीद जताई कि राज्य इस मामले में कानून के मुताबिक जरूरी कार्रवाई करेगा।

बियर से लेकर व्हिस्की तक... हर घूंट में बन रहा रिकॉर्ड

● शराब पीने के मामले में भारतीयों ने दुनिया को पीछे छोड़ा

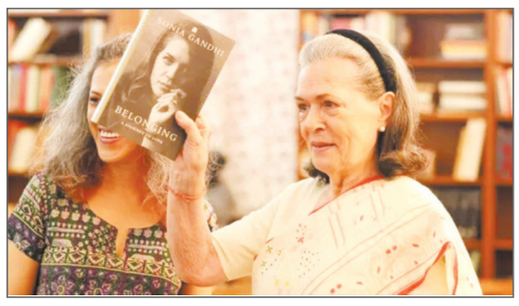
नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के सबसे बड़े शराब बाजारों अमेरिका और चीन में लोग शराब से दूरी बना रहे हैं, लेकिन भारत में इसका बिल्कुल उल्टा नजारा देखने को मिल रहा है। साल 2026 की पहली छमाही यानी जनवरी से जून में भारत में शराब की खपत 10 फीसदी बढ़ गई है। ड्रिंक्स रिसर्च फर्म की एक रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया के 21 बड़े बाजारों में भारत की ग्रोथ सबसे तेज रही। राहत की बात यह है कि दुनिया भर में जहां शराब का बाजार कमजोर पड़ रहा है, वहीं भारत में हर कैटेगरी की बिक्री में जबरदस्त उछाल आया है। गौर करने वाली बात यह है कि आंकड़े बताते हैं कि जिन 21 बड़े बाजारों पर नजर रखी जा रही है जो दुनिया की 76 फीसदी शराब की खपत को कवर करते हैं, वहां कुल खपत में 1 फीसदी की गिरावट आई है। देखा जाए तो अगर अमेरिका और चीन को हटा दें, तो बाकी देशों में कुल मिलाकर सिर्फ 1 फीसदी की ही ग्रोथ हुई है।



सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉन्गिंग' की बिक्री शुरू

● 544 पेज की किताब में 7 चैप्टर, राजीव से प्यार का जिक्र ● इटली का पासपोर्ट छोड़ने और पीएम पद ठुकराने की कहानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉन्गिंग अ जर्नी ऑफ लव' की बिक्री शुरू हो गई है। बिना किसी लॉन्च इवेंट के यह सीधे मार्केट में मिलने लगी है। हार्पर कॉलिन्स इंडिया से प्रकाशित इस किताब में 544 पेज हैं और इसे 7 चैप्टर में बांटा गया है। पहले एडिशन के लिए एक लाख कॉपियां छापी गई हैं। किताब के कवर पर सोनिया का फोटो है, जिसे 1966 में राजीव गांधी ने क्लिक किया था। शुरुआती पेज पर लिखा है- मेरे बेटे राहुल, बेटी प्रियंका और पोते-पोतियों रेहान और मिराया के नाम। इसके बाद एक पेज पर ऋग्वेद की ऋचाएं ली गई हैं। सोनिया ने किताब को निजी मेमॉयर बताया है और कहा है कि यह राजनीतिक किताब नहीं है। इसमें गांधी परिवार के साथ हुई त्रासदियों और 2004 के राजनीतिक घटनाक्रम का जिक्र है। किताब के 7 चैप्टर में राजीव से मुलाकात, प्यार-शादी, भारत आना, राजीव के निधन के बाद कांग्रेस का नेतृत्व करने और पार्टी को बहुमत मिलने के बावजूद प्रधानमंत्री न बनने के फैसले का जिक्र किया गया है।



किताब का नाम बिलॉन्गिंग नहीं, व्हाइटवॉशिंग होना चाहिए था- कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी की नई आत्मकथा बिलॉन्गिंग अ जर्नी ऑफ लव के बाजार में आते ही राजनीतिक घमासान शुरू हो गया है।

बाबरी, 1984 के सिख दंगे और 26/11 पर उठाए सवाल

किताब में बाबरी मस्जिद विध्वंस पर सोनिया गांधी द्वारा आंसू बहाने के जिक्र पर सवाल उठाते हुए भाजपा प्रवक्ता ने पूछा कि क्या उन्होंने 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ितों के लिए कभी एक भी आंसू बहाया। केशवन ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में गुरुद्वारों पर हमले हुए और हजारों बेगुनाह सिखों का कत्लेआम हुआ, लेकिन उस त्रासदी पर गांधी परिवार खामोश रहा। उन्होंने बाटला हाउस मुठभेड़ का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि सोनिया गांधी आरोपियों के लिए भावुक हो गई थीं, लेकिन क्या उन्होंने देश की रक्षा में शहीद होने वाले सीआरपीएफ के वीर जवानों के लिए कभी संवेदना जताई। इसके अलावा केशवन ने 2008 के मुंबई 26/11 आतंकी हमलों का जिक्र करते हुए पूछा कि क्या यह आत्मकथा बताएगी कि बेकसूर लोगों की मौत पर तत्कालीन यूपीए सरकार ने पाकिस्तान पर सख्त जवाबी कार्रवाई क्यों नहीं की। भाजपा प्रवक्ता ने 1975 में इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए इमरजेंसी पर सोनिया गांधी के रुख की भी कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि जिस आपातकाल ने देश के संविधान की हत्या की उसे सही ठहराना गलत है।

दुनिया के 50 सबसे प्रदूषित शहरों में 49 भारत के

● दिल्ली-भोपाल में एक्यूआई 400 पार, तमिलनाडु में बारिश ● यूपी के 4 शहरों की हवा खराब

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के 50 सबसे प्रदूषित शहरों में 49 भारत के हैं। एजेंसी के आंकड़ों के मुताबिक, मंगलवार सुबह 9.54 बजे राजस्थान का श्रीगंगानगर दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर रहा। यहां एक्यूआई 821 दर्ज किया गया। इस सूची में भारत के अलावा सिर्फ पाकिस्तान का लाहौर शामिल था। लाहौर 430 एक्यूआई के साथ 14वें स्थान पर रहा। वहीं, दीवाली के बाद दिल्ली से लेकर मध्य प्रदेश तक प्रदूषण गंभीर बना हुआ है। दिल्ली में मंगलवार सुबह 6 बजे चांदनी चौक का एक्यूआई 400 के पार रहा, जबकि कई इलाकों में यह 300 से ज्यादा दर्ज किया गया। मध्य प्रदेश के भोपाल, उज्जैन और हरियाणा के बहादुरगढ़ में भी एक्यूआई 400 के पार पहुंच गया है। यूपी के नोएडा में एक्यूआई 332, बुलंदशहर में 331, गाजियाबाद में 324 दर्ज किया गया। एमपी में रात का तापमान 11 और यूपी में 15 सेंटीग्रेट तक गिर गया है। एयर क्वालिटी इंडेक्स 201 से 300 तक होने पर हवा खराब मानी जाती है। 301 से 400 तक बहुत खराब मानी जाती है।



सुप्रीम कोर्ट ने 4 राज्यों से गाड़ियों के प्रदूषण पर जवाब मांगा

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-हृष्टक्रमें गाड़ियों से होने वाले प्रदूषण पर चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा कि गाड़ियों से निकलने वाले धुएं में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। इस पर तुरंत कदम उठाने की जरूरत है। कोर्ट ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा सरकारों के साथ एनसीआर और दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा है। कोर्ट ने पूछा है कि तय उम्र पूरी कर चुकी और प्रदूषण मानकों का पालन नहीं करने वाली गाड़ियों की एंट्री और उनके चलने पर रोक लगाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं। साथ ही, ऐसी गाड़ियों की पहचान और जांच की व्यवस्था की जानकारी भी मांगी है। इसमें पीयूसी सर्टिफिकेट की अनिवार्यता लागू कराने के कदम शामिल हैं।

आंध्र के डिप्टी सीएम पवन कल्याण का तीसरी बार तलाक

रूसी मॉडल अन्ना से सन 2013 में शादी की थी

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और अभिनेता पवन कल्याण तथा उनकी पत्नी अन्ना कोनिडेला ने आपसी सहमति से तलाक लिया है। शादी के 13 साल बाद दोनों ने अलग होने का फैसला किया। उपमुख्यमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार, यह फैसला आपसी समझ और सम्मान के साथ लिया गया। दोनों ने कहा कि वे अच्छे दोस्त बने रहेंगे। पवन कल्याण और अन्ना अपने बच्चों के लिए समर्पित माता-पिता की भूमिका निभाते रहेंगे। बच्चों की खुशी और भलाई दोनों की साझा प्राथमिकता रहेगी। पवन कल्याण ने तीन शादियां की हैं और तीनों ही बार उनका तलाक हुआ है। तलाक के फैसले के बाद पवन कल्याण की ओर से जारी बयान में कहा गया- अपनी जिंदगी का एक बड़ा हिस्सा एक साथ बिताने के बाद हमने आपसी समझ और सम्मान के साथ अलग होने का फैसला किया है। भले ही हमारी शादी खत्म हो गई है, लेकिन हम अच्छे दोस्त बने रहेंगे।



अनमोल वचन

जो अवश्यंभावी है उसके डरने का कोई आधार नहीं, कोई कारण नहीं। बच्चा पैदा होता है फिर शनैः शनैः युवा होता है फिर प्रौढ़ावस्था पार कर वृद्धावस्था आती है। वृद्धावस्था आने पर मनुष्य मृत्यु की ओर बढ़ने लगता है और यह मृत्यु का भय उसे कई बार बहुत सताता है। यदि मनुष्य मृत्यु से डरेगा तो क्या मृत्यु नहीं आयेगी। वह तो अनिवार्य है फिर डरना क्यों हो। डरना मानस की दुर्बलता है। मृत्यु वस्तुतः जीवन की एक अतिमहत्वपूर्ण और एक अति आवश्यक क्रान्ति है, जिसके माध्यम से हम थकान, कुरूपता और अक्षमता के जंजाल से छूटकर नई स्फूर्तिवान जिन्दगी के नये चरण में प्रवेश करते हैं। प्रत्येक रात्रि को हम थकान लेते हैं और हर प्रभात में नई स्फूर्ति के साथ जागृत होते हैं। सोने और जागने की भाँति ही मृत्यु और जीवन की श्रृंखला भी है जो दिन रात के एक निश्चित चक्र की भाँति अनादि काल से चली आ रही है और अनन्त काल तक चलती रहेगी। इसमें डरने जैसी कोई बात नहीं वरन् वह तो नया वस्त्र धारण करने और नये देश में सैर सपाटे के लिये जाने की तरह है। इस प्रकार मृत्यु को सुखद ही अनुभव करना चाहिये।

महावीर चौक पर लाखों रुपये खर्च कर कराया गया सौंदर्यीकरण बदहाली में तब्दील

पांच महीने से बंद फव्वारे, शराबियों का अड्डा बना परिसर, गंदगी और अतिक्रमण का साम्राज्य

मुजफ्फरनगर। शहर के प्रमुख महावीर चौक पर लाखों रुपये की लागत से कराया गया सौंदर्यीकरण अब अपनी बदहाली पर आंसू बहाता नजर आ रहा है। जिस स्थान को शहर की सुंदरता बढ़ाने, चौराहे को आकर्षक स्वरूप देने और लोगों को बेहतर सार्वजनिक सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकसित किया गया था, आज वही स्थान अव्यवस्था, गंदगी और विभागीय लापरवाही की तस्वीर बन गया है। यहां स्थापित फव्वारे पिछले करीब पांच महीनों से बंद पड़े हैं। उनके आसपास एक-एक मीटर तक लंबी घास खड़ी हो गई है। परिसर में जगह-जगह गंदगी के ढेर लगे हैं और बड़ी मात्रा में देशी शराब के खाली रैपर बिखरे पड़े हैं। हालात ऐसे हैं कि यह सार्वजनिक परिसर शराब का सेवन करने वाले लोगों के जमावड़े का स्थान बनता नजर आ रहा है। दूसरी ओर अतिक्रमण और जगह-जगह लगे होर्डिंग का जाल भी महावीर चौक की सुंदरता को ग्रहण लगा रहा है। लाखों रुपये खर्च करके तैयार कराई गई व्यवस्था का कुछ ही महीनों में इस तरह बदहाल हो जाना एमडीए और नगर पालिका की कार्यप्रणाली तथा रखरखाव व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।



लाखों रुपये खर्च करके बदली गई थी चौराहे की तस्वीर, अब खुद बदहाली की कहानी बयां कर रहा महावीर चौक

महावीर चौक शहर के प्रमुख और व्यस्ततम चौराहों में शामिल है। यहां से प्रतिदिन हजारों लोगों और वाहनों का आवागमन होता है। शहर के इस महत्वपूर्ण स्थान को सुंदर और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण (एमडीए) और नगर पालिका की ओर से लाखों रुपये खर्च कर सौंदर्यीकरण के कार्य कराए गए थे। फव्वारे स्थापित कराए गए, ताकि चौराहे को आकर्षक बनाया जा सके और शहर की सुंदरता में चार चांद लग सकें। शुरूआत में जब फव्वारे संचालित हुए तो चौराहे का स्वरूप भी बदला नजर आया। लोगों को उम्मीद थी कि इस व्यवस्था का नियमित रखरखाव होगा और महावीर चौक शहर के सुंदर स्थानों में अपनी पहचान बनाएगा, लेकिन यह उम्मीद ज्यादा समय तक कायम नहीं रह सकी। कुछ ही महीनों में फव्वारों का संचालन बंद हो गया और धीरे-धीरे पूरा परिसर उपेक्षा का शिकार होता चला गया। महावीर चौक पर लगाए गए फव्वारे पिछले करीब पांच महीनों से बंद पड़े हैं। लंबे समय से पानी नहीं चलने के कारण फव्वारे केवल ढांचे के रूप में दिखाई दे रहे हैं। उनके संचालन में क्या तकनीकी खराबी आई और उसे दूर कराने के लिए अब तक क्या प्रयास किए गए, इस संबंध में कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब लाखों रुपये खर्च कर फव्वारे स्थापित कराए गए थे तो उनके संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी किस विभाग की थी? क्या निर्माण के बाद उनकी नियमित जांच और मरम्मत की कोई व्यवस्था बनाई गई थी? यदि व्यवस्था बनाई गई थी तो फिर पांच महीने तक फव्वारे बंद क्यों पड़े रहे? सार्वजनिक धन से तैयार कराई गई संपत्ति का इस तरह बेकार पड़े रहना सरकारी धन के उपयोग और विभागीय जवाबदेही पर सवाल खड़े करता है। फव्वारों के आसपास की स्थिति और भी खराब हो चुकी है। परिसर में जगह-जगह एक-एक मीटर तक लंबी घास खड़ी हुई है। घास की कटाई नहीं होने और नियमित साफ-सफाई के अभाव में पूरा क्षेत्र उपेक्षा का शिकार दिखाई देता है। जिस स्थान को आकर्षक बनाने के लिए लाखों रुपये खर्च किए गए थे, वहां अब हरियाली के नाम पर बेतरतीब उगी घास और गंदगी नजर आती है। सार्वजनिक स्थानों पर नियमित सफाई और रखरखाव की जिम्मेदारी संबंधित विभागों की होती है, लेकिन महावीर चौक की हालत देखकर ऐसा लगता है कि लंबे समय से यहां किसी ने निरीक्षण तक नहीं किया। महावीर चौक की बदहाली का एक गंभीर पहलू यहां बिखरे देशी शराब के खाली रैपर भी हैं। परिसर में बड़ी मात्रा में शराब के खाली रैपर पड़े दिखाई देते हैं।

मुजफ्फरनगर के शिक्षाविद कलीम त्यागी को दिल्ली में मिला राष्ट्रीय सम्मान

विश्व उर्दू दिवस पर गालिब अकादमी में आयोजित समारोह में देश-विदेश की करीब 30 हस्तियां हुईं सम्मानित



मुजफ्फरनगर। जनपद के शिक्षाविद कलीम त्यागी को उर्दू भाषा और शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए नई दिल्ली में राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विश्व उर्दू दिवस के अवसर पर बस्ती हजरत निजामुद्दीन स्थित गालिब अकादमी में आयोजित शैक्षिक एवं साहित्यिक समारोह में उन्हें मोमेंटो, प्रशस्ति पत्र और शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। 9 नवंबर को उर्दू डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन एवं ऑल इंडिया यूनानी तिब्बी कांग्रेस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में पुरस्कार वितरण समारोह के साथ संगोष्ठी भी हुई। इसका विषय 'उर्दू लिपि का प्रचार-प्रसार' रहा। इसमें देश-विदेश से आए विद्वानों, साहित्यकारों, शिक्षाविदों और बुद्धिजीवियों ने शिरकत की। समारोह में भारत सहित विदेशों में उर्दू भाषा के विकास और प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय योगदान देने वाली करीब 30 हस्तियों को सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि उर्दू महज संवाद की भाषा नहीं, बल्कि भारतीय तहजीब, अदब, भाईचारे और साझा सांस्कृतिक विरासत की पहचान है। इसकी मिठास और साहित्यिक समृद्धि ने समाज को जोड़ने का काम किया है।

संगोष्ठी में उर्दू लिपि के संरक्षण और नई पीढ़ी तक इसे पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि बदलते दौर में उर्दू को शिक्षा, शोध, साहित्य और आधुनिक तकनीक से जोड़ना जरूरी है। इसके लिए सामाजिक संगठनों, शिक्षण संस्थानों और भाषा प्रेमियों को मिलकर प्रयास करने होंगे। कलीम त्यागी को राष्ट्रीय स्तर पर मिले इस सम्मान से मुजफ्फरनगर का गौरव बढ़ा है। उनके सम्मान की जानकारी मिलने पर शिक्षा और साहित्य जगत से जुड़े लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी।

नाले की गंदगी से सड़क बनी तालाब, जलभराव के बीच लोगों का निकलना हुआ दूभर

वार्ड-29 सुजडू में नगर पालिका की सफाई व्यवस्था की खुली पोल, गंदे पानी से राहगीर और स्थानीय लोग परेशान

मुजफ्फरनगर। नगर पालिका परिषद की सफाई व्यवस्था और जलनिकासी के दावों की हकीकत वार्ड नंबर-29 स्थित सुजडू में देखने को मिली, जहां नालों की नियमित सफाई नहीं होने के कारण गंदा पानी सड़क पर भर गया। जलभराव की स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि सड़क ने तालाब का रूप ले लिया। गंदे पानी के बीच से गुजरने को मजबूर स्थानीय लोगों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। नगर पालिका की लापरवाही से पैदा हुई इस समस्या को लेकर लोगों में नाराजगी दिखाई दी।

नाले की निकासी बंद होने से सड़क पर जमा हुआ गंदा पानी

स्थानीय लोगों के अनुसार, नालों की समय से सफाई नहीं होने और निकासी अवरुद्ध होने के कारण गंदा पानी सड़क पर फैल गया। धीरे-धीरे जलभराव बढ़ता चला गया और सड़क पर तालाब जैसी स्थिति बन गई। इसके चलते लोगों का पैदल निकलना तक मुश्किल हो गया। दोपहिया वाहन चालकों को भी गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ा। स्थानीय निवासियों को अपने दैनिक कार्यों के लिए घरों से बाहर निकलने में परेशानी उठानी पड़ी।



लोगों की परेशानी देख खुद मौके पर पहुंचे शुजाअत राणा

जलभराव की समस्या की जानकारी मिलने पर किसान नेता एवं समाजसेवी शुजाअत राणा स्वयं मौके पर पहुंचे। उन्होंने सड़क पर भरे गंदे पानी और अवरुद्ध नाले की स्थिति का जायजा लिया। समस्या की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने केवल अधिकारियों के भरोसे बैठने के बजाय खुद ही मोर्चा संभाल लिया। नाले को खुलवाने और पानी की निकासी शुरू कराने के लिए उन्होंने घंटों तक मशक्कत की।

घंटों की मेहनत के बाद खुला अवरुद्ध नाला

शुजाअत राणा ने नाले में जमा रुकावट को दूर कराने के लिए काफी प्रयास किए। घंटों की मेहनत के बाद नाला सुचारू हो सका और गंदे पानी की निकासी का रास्ता साफ हुआ। इससे सड़क पर जमा पानी की समस्या से कुछ राहत मिलने की उम्मीद बनी। मौके पर मौजूद लोगों ने भी जलनिकासी की समस्या दूर कराने के प्रयासों को सराहा।

गंदे पानी से बीमारियों का खतरा, बच्चों और बुजुर्गों की बढ़ी परेशानी

शुजाअत राणा ने कहा कि नालों की नियमित सफाई नहीं होना नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। लंबे समय तक सड़कों और नालियों में गंदा पानी जमा रहने से दुर्गंध फैलती है और मच्छरों का प्रकोप बढ़ता है। इससे डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों का खतरा भी पैदा हो सकता है। सबसे ज्यादा परेशानी बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को उठानी पड़ती है। गंदे पानी के बीच से गुजरना लोगों की मजबूरी बन जाता है।

स्थायी समाधान नहीं हुआ तो बार-बार बनेगी जलभराव की स्थिति

उन्होंने संबंधित अधिकारियों से मांग की कि वार्ड-29 सुजडू में जलनिकासी की स्थायी व्यवस्था कराई जाए। नालों की नियमित सफाई के साथ उनकी निगरानी भी सुनिश्चित की जाए, ताकि नालों में कचरा और गंदगी जमा होकर पानी का बहाव बाधित न कर सके। उन्होंने कहा कि केवल समस्या पैदा होने पर सफाई कराने से काम नहीं चलेगा, बल्कि नगर पालिका को नियमित सफाई व्यवस्था लागू करनी होगी। स्थानीय लोगों का भी कहना है कि उन्हें बार-बार जलभराव की समस्या से जूझना पड़ता है। ऐसे में जरूरी है कि नगर पालिका इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए स्थायी समाधान कराए, ताकि वार्ड के लोगों को गंदे पानी और दुर्गंध से निजात मिल सके।

बुढ़ाना में भक्तिभाव के साथ मनाया गया गोवर्धन पर्व: कान्हा गौशाला में बनी सुंदर प्रतिकृति, श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया अन्नकूट प्रसाद

गायत्री गौधाम उकावली और ब्लॉक परिसर में भी पूजे गए गिरिराज



बुढ़ाना (मुजफ्फरनगर)। कस्बा बुढ़ाना एवं आसपास के देहात क्षेत्रों में गोवर्धन पूजा का पावन पर्व अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न गाँवों, गौशालाओं और प्रशासनिक परिसरों में भगवान गोवर्धन की गोबर से सुंदर प्रतिकृतियाँ तैयार कर विशेष पूजा-अर्चना की गई और श्रद्धालुओं में अन्नकूट का महाप्रसाद वितरित किया गया।

पावन पर्व के अवसर पर गाँव कुरालसी में जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष ठाकुर रामनाथ सिंह ने अपने स्वजनों एवं ग्रामीणों के साथ मिलकर विधि-विधानपूर्वक गोवर्धन भगवान का पूजन किया। वहीं बुढ़ाना स्थित कान्हा गौशाला में भी सामूहिक गोवर्धन पूजनोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। गौशाला में गौवंश के पवित्र गोबर से भगवान श्रीकृष्ण की अत्यंत सुंदर और आकर्षक प्रतिकृति तैयार कर उसे फूलों से सजाया गया। पंडित विवेक मणि ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना संपन्न कराई।

पूजा के दौरान प्रमुख रुप से ये रहे मौजूद

इस दौरान नगर पंचायत चेयरमैन उमा त्यागी, डीसीडीएफ के पूर्व चेयरमैन सुबोध त्यागी, अधिशासी अधिकारी (EO) आलोक रंजन, प्रमोद त्यागी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी धूमधाम से हुई गोवर्धन पूजा

उधर, ग्रामीण क्षेत्रों में श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ गोवर्धन का पर्व मनाया गया। क्षेत्र के गाँव उकावली स्थित गायत्री गौधाम में भी गौमाता के गोबर से गिरिराज गोवर्धन की भव्य प्रतिकृति बनाई गई, जिसे सुंदर एवं सुगंधित पुष्पों से अलंकृत किया गया। यहाँ भी श्रद्धालुओं ने एकत्र होकर गिरिराज महाराज की आरती उतारी और सुख-समृद्धि की कामना की। इसके अतिरिक्त कस्बे के ब्लॉक परिसर में भी गोवर्धन पूजा का आयोजन किया गया। पूजन के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें अन्नकूट का प्रसाद श्रद्धालुओं में वितरित किया गया।

इस धार्मिक आयोजन के दौरान स्वामी रविन्द्र प्रताप, मंचित संगल, दीपक गर्ग, सौरभ अग्रवाल आदि गणमान्य लोगों का विशेष सहयोग रहा। पूरे बुढ़ाना क्षेत्र में दिन भर गोवर्धन महाराज और भगवान श्रीकृष्ण के जयकारे गूंजते रहे।

पंचायत में बवाल: दो पक्षों में खूनी संघर्ष और पथराव, गांव में दहशत, पुलिस बल तैनात

मारपीट के बाद दोनों पक्ष आमने-सामने, लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हमला



मुजफ्फरनगर। जनपद के किथोड़ा गांव में पंचायत के दौरान शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते हिंसक संघर्ष में बदल गया। दो पक्षों के बीच हुई कहासुनी और मारपीट के बाद जमकर पथराव हुआ। इस दौरान दोनों ओर से लाठी-डंडे और धारदार हथियार चलने की भी सूचना है। अचानक हुए संघर्ष से गांव में अफरा-तफरी मच गई और ग्रामीणों में दहशत फैल गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने गांव में पहुंचकर मोर्चा संभाला और एहतियात के तौर पर पुलिस बल तैनात कर दिया। पंचायत में कहासुनी के बाद बिगड़े हालात

जानकारी के अनुसार, किथोड़ा गांव में किसी विवाद के निपटारे के लिए पंचायत बुलाई गई थी। पंचायत के दौरान दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए। बातचीत के दौरान किसी बात को लेकर कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई।

पथराव और धारदार हथियार चलने से मची अफरा-तफरी

विवाद ने कुछ ही देर में हिंसक रूप ले लिया। दोनों पक्षों की ओर से लाठी-डंडे चलने के साथ पथराव शुरू हो गया। धारदार हथियारों के इस्तेमाल की सूचना से स्थिति और तनावपूर्ण हो गई। अचानक हुए इस घटनाक्रम से आसपास के लोगों में भय का माहौल बन गया। गांव की गलियों में अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। पुलिस के पहुँचने से पहले ही आरोपी फरार

घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी इंद्रजीत सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। हालांकि, पुलिस के पहुँचने से पहले ही दोनों पक्षों के लोग वहां से फरार हो गए थे। थाना प्रभारी इंद्रजीत सिंह ने बताया कि झगड़ा पुरानी रंजिश के कारण हुआ है। उन्होंने बताया कि अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से पुलिस में तहरीर (शिकायत) नहीं दी गई है। तहरीर मिलने पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले की जाँच कर रही है और फरार आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस तैनात, स्थिति पर पैनी नजर घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस ने दोनों पक्षों को शांत कराने और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। गांव में दोबारा संघर्ष की आशंका को देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जानकारी जुटा रही है और विवाद के कारणों की पड़ताल की जा रही है। फिलहाल घायलों की संख्या, विवाद की वास्तविक वजह और पुलिस की ओर से की गई कानूनी कार्रवाई के संबंध में विस्तृत जानकारी की पुष्टि होना बाकी है।

मुजफ्फरनगर में दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत: एक युवक की मौत, दूसरा गंभीर घायल, उपचार के दौरान तोड़ा दम

मिठाई लेने बघरा जा रहा था जगाहेड़ी निवासी अवनेश, गढ़ी देशराज की पुलिया के पास हुआ हादसा

मुजफ्फरनगर। दीपावली के त्योहार पर जहां लोग खुशियां मनाने और एक-दूसरे को मिठाई बांटने में जुटे थे, वहीं तितावी थाना क्षेत्र में हुए दर्दनाक सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। काजीखेड़ा के निकट गढ़ी देशराज की पुलिया के पास दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल में उपचार के दौरान जगाहेड़ी निवासी 38 वर्षीय अवनेश की मौत हो गई, जबकि बघरा निवासी 35 वर्षीय मुकुल सैनी की हालत गंभीर बनी हुई है।

मिठाई लेने जा रहा था अवनेश, रास्ते में हुआ हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार, तितावी थाना क्षेत्र के गांव जगाहेड़ी निवासी अवनेश (38) दीपावली के दिन अपने घर से बाइक पर सवार होकर मिठाई लेने के लिए बघरा जा रहा था। जब वह काजीखेड़ा के निकट गढ़ी देशराज की पुलिया के पास पहुंचा, तभी सामने से आ रही दूसरी बाइक से उसकी आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया



इस हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर बघरा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की सहायता से दोनों घायलों को अस्पताल भिजवाया। अवनेश को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन चिकित्सकों के प्रयासों के बावजूद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। वहीं, दूसरी बाइक पर सवार बघरा निवासी मुकुल सैनी (35) को गंभीर हालत में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहां उसका उपचार चल रहा है। उसकी हालत भी गंभीर बताई जा रही है। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा शव

हादसे में अवनेश की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। त्योहार की खुशियां मातम में बदल गईं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। विवेचक जयवीर चौधरी ने बताया कि मृतक अवनेश के शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस हादसे के कारणों की गहनता से जांच कर रही है। दीपावली के दिन हुए इस हादसे ने एक बार फिर सड़क पर तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के खतरों को उजागर किया है।

शोक संदेश



अत्यंत दुःखी हृदय के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे प्रिय
श्री अंकुश कुच्छल (सुपुत्र श्री जितेन्द्र कुच्छल) का
स्वर्गवास शनिवार, 31 अक्टूबर 2026 को हो गया है।
प्रभु की ऐसी ही इच्छा थी।
शोक सभा (रस्म पगड़ी)
बुधवार, 11 नवम्बर 2026 को होनी निश्चित हुई है।
शोक सभा एवं रस्म पगड़ी- दोपहर 2:00 बजे
स्थान :- आशीर्वाद बैंकट हॉल, लक्ष्मण विहार, मुजफ्फरनगर

प्रतिष्ठान:-
मै० काशीनाथ श्रीनिवास
मै० जितेन्द्र कुच्छल एण्ड ट्रेडर्स
मै० काशीनाथ एण्ड कम्पनी
मै० काशी एन्टरप्राईजेज
मै० बजरंग एलम प्रा० लि०
मै० इन्डस्ट्रीयल सेल्स कार्पोरेशन
मै० गायत्री ट्रेडर्स इकोसेवर

शोकाकुल परिवार:-
श्रीनिवास अग्रवाल, भारत बन्धु कुच्छल (ताऊ)
वीरेन्द्र कुच्छल (कालू राम गुरुजी) (ताऊ)
संचालक श्री कृष्ण योग साधन आश्रम
योगेन्द्र कुच्छल, रविन्द्र कुच्छल (चाचा)
आशी सिंघल-अनुराग सिंघल (बहन-बहनोई)
संजय अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, मोहित कुच्छल (भाई)
रोहित कुच्छल, वशु कुच्छल, अर्चित कुच्छल (भाई)
अमन कुच्छल, नमन कुच्छल, कुशाग्र कुच्छल (भाई)

-निवास:-
415-संजय मार्ग, पटेल नगर, मुजफ्फरनगर
सम्पर्क सूत्र : 9927068521, 7017840036
नोट कृपया पगड़ी लाने का कष्ट न करें।

फॉर्च्यूनर और ट्रैक्टर की आमने-सामने भिड़ंत में युवती की दर्दनाक मौत, पांच घायल

रतनपुरी के बड़सू गांव के पास भीषण हादसे से मची चीख-पुकार, टक्कर लगते ही ट्रैक्टर पर सवार लोग उछलकर सड़क पर गिरे, मेरठ से पहुंचे परिजनों में मचा कोहराम

मुजफ्फरनगर। रतनपुरी थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार और अनियंत्रित फॉर्च्यूनर कार ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। गांव बड़सू के पास फॉर्च्यूनर और ट्रैक्टर के बीच हुई आमने-सामने की भीषण भिड़ंत में ट्रैक्टर पर सवार एक युवती की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रैक्टर पर सवार लोग उछलकर सड़क पर जा गिरे। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई और आसपास के ग्रामीणों की भीड़ जुट गई।

आमने-सामने की भिड़ंत ने मचाई तबाही

जानकारी के अनुसार, फॉर्च्यूनर कार रतनपुरी से खतौली की ओर जा रही थी। इसी दौरान गांव बड़सू के पास ट्रैक्टर से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। बताया जा रहा है कि फॉर्च्यूनर अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर से टकराई। टक्कर की तीव्रता इतनी अधिक थी कि ट्रैक्टर पर सवार लोग अपना संतुलन नहीं संभाल सके और सड़क पर गिरकर घायल हो गए। अचानक हुए हादसे से मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हुई लक्ष्मी

हादसे में मेरठ जनपद के दौराला थाना क्षेत्र के मोहिनीपुर निवासी लक्ष्मी पुत्री नसीब सिंह गंभीर रूप से घायल हो गईं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर के दौरान युवती ट्रैक्टर से उछलकर सड़क पर जा गिरी। उसे गंभीर हालत में तत्काल अस्पताल ले जाने की व्यवस्था की गई, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवती की मौत की खबर से परिवार में मातम छा गया।



पांच घायलों को अस्पताल पहुंचाया

दुर्घटना में ट्रैक्टर पर सवार पांच अन्य लोग भी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही रतनपुरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को उपचार के लिए खतौली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। घायलों को अस्पताल पहुंचाने के बाद पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और दुर्घटना से जुड़े तथ्यों की जानकारी जुटाई। मेरठ से पहुंचे परिजनों में मचा कोहराम

युवती की मौत की सूचना मिलते ही मेरठ से उसके परिजन मौके पर पहुंचे। अस्पताल में लक्ष्मी की मौत की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। जिस युवती को परिजन सुरक्षित घर लौटने की उम्मीद लगाए बैठे थे, उसकी मौत की खबर ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया। हादसे के बाद बड़सू गांव के आसपास काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

दोनों क्षतिग्रस्त वाहन पुलिस ने कब्जे में लिए रतनपुरी थाना पुलिस ने घटनास्थल की जांच-पड़ताल कर दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादक:
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com

कार्यालय मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण, मुजफ्फरनगर

सार्वजनिक सूचना

जनसामान्य को सूचित किया जाता है कि मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण के विकास क्षेत्र के अन्तर्गत श्री सक्षम अरोरा, पुत्र श्री संजय अरोरा, निवासी 298/1, आनन्द भवन, बाग केशोदास, तहसील-सदर, जिला-मुजफ्फरनगर, उ०प्र० के द्वारा ऑनलाइन मानचित्र सं०:-MDA202649418 के द्वारा अपनी भूमि म०न०-240(पार्ट), मोहल्ला-आर्यपुरी, तहसील-सदर, जिला-मुजफ्फरनगर, उ०प्र० के कुल क्षेत्रफल 92.39 वर्गमी० (कुल नेट क्षेत्रफल 92.39 वर्गमी०) पर 'व्यावसायिक (रिटेल शॉप)' के प्रयोजन का मानचित्र स्वीकृति हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

प्रश्नगत स्थल म०न०-240(पार्ट), मोहल्ला-आर्यपुरी, तहसील-सदर, जिला-मुजफ्फरनगर का भू-उपयोग मुजफ्फरनगर महायोजना-2031 (पुनरीक्षित) के अनुसार मीटर चौड़े महायोजना मार्ग का विस्तार / मार्गाधिकार छोड़ने के उपरान्त 'निर्मित क्षेत्र' भू-उपयोग में दर्शित है।

उ०प्र० विकास प्राधिकरण भवन निर्माण एवं विकास उपविधियाँ तथा आदर्श जोनिंग रेगलेशन्स-2025 के अध्याय-15 (आदर्श जोनिंग रेगुलेशन) के प्रस्तर 15.3.2 (मैट्रिक्स) के 2.1 के अनुसार "निर्मित क्षेत्र" भू-उपयोग के अन्तर्गत "रिटेल शॉप" की क्रिया सामान्यतः अनुमन्य उपयोग के अन्तर्गत अनुमन्य है। जोनिंग रेगुलेशन / महायोजना के अनुसार प्रमुख भू-उपयोग जोन के अन्तर्गत पूर्व विकसित योजनाओं / क्षेत्रों में मूल उपयोग से इतर क्रिया / उपयोग (भले ही जोनिंग रेगुलेशन के अनुसार ऐसी क्रिया / उपयोग सामान्यतः अनुमन्य / सशर्त अनुमन्य हो) अनुमन्य किये जाने हेतु 15 दिवस की समयावधि प्रदान करते हुए जनता से आपत्ति / सुझाव, उचित माध्यम से आमन्त्रित किये जायेंगे एवं इन आपत्तियों / सुझावों के निस्तारण के उपरान्त ही स्वीकृति / अस्वीकृति की कार्यवाही की जायेगी। अनुज्ञा से सम्बन्धित आवेदन-पत्र का निस्तारण प्राप्ति की दिनांक से अधिकतम 60 दिन में सुनिश्चित किया जायेगा।उक्त प्रकरण के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति / संस्था / अन्य द्वारा अपनी आपत्ति / सुझाव प्रकाशन तिथि से 15 दिवस की अवधि के अन्तर्गत प्राधिकरण कार्यालय में ई-मेल (mdamzn@yahoo.co.in) अथवा उचित माध्यम से उपलब्ध कराये जा सकते हैं।

उक्त निर्धारित अवधि व्यतीत होने के उपरान्त प्राप्त किसी भी आपत्ति / सुझाव पर विचार नहीं किया जायेगा।

सचिव
विकास प्राधिकरण, मुजफ्फरनगर



रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
बुधवार 11 नवम्बर 2026 पृष्ठ 3



नई मंडी पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़, अंतरजनपदीय चोर गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार, दो को लगी गोली

जटमुड़हेड़ा के कैफे में चोरी की वारदात का खुलासा, रथेडी कट पर पुलिस को देखकर बदमाशों ने की फायरिंग

मुजफ्फरनगर। जनपद में चोरी की वारदातों को अंजाम देकर अलग-अलग जिलों में सक्रिय रहने वाले अंतरजनपदीय चोर गिरोह का नई मंडी कोतवाली पुलिस ने पदार्फाश किया है। पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो बदमाश पुलिस की जवाबी फायरिंग में गोली लगने से घायल हो गए, जबकि तीसरे आरोपी को पुलिस ने घेराबंदी और कॉबिंग के दौरान पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से तीन तमंचे, पांच जिंदा और दो खोखा कारतूस, बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल, 1500 रुपये नकद और चोरी करने के उपकरण बरामद किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए आरोपी मुजफ्फरनगर के साथ हाथरस और हापुड़ में भी चोरी की वारदातों में वांछित चल रहे थे।

जटमुड़हेड़ा के कैफे में चोरी से खुलने लगा गिरोह का राज

मामले की शुरूआत 27 अक्टूबर 2026 को हुई चोरी की एक वारदात से हुई। भोपा निवासी राम शर्मा ने नई मंडी थाने में तहरीर देकर बताया था कि जटमुड़हेड़ा स्थित उनके कैफे में अज्ञात चोरों ने घुसकर नकदी और सामान चोरी कर लिया। चोर कैफे से 5400 रुपये नकद, रजनीगंधा और सिगरेट सहित अन्य सामान ले गए थे। शिकायत के आधार पर नई मंडी पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 503/2026 धारा 331(4) और 305 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया था। वारदात के खुलासे के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें गठित की गई थीं। पुलिस लगातार संदिग्धों की तलाश और घटना से जुड़े सुराग जुटाने में लगी थी। इसी दौरान पुलिस को गिरोह के सदस्यों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिली।

मुखबिर की सूचना पर रथेडी कट पर घेराबंदी

नई मंडी थाना प्रभारी आनंद देव मिश्र के नेतृत्व में पुलिस टीम 10 नवंबर को संदिग्ध व्यक्ति और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि जटमुड़हेड़ा स्थित कैफे में चोरी करने वाले आरोपी हरिद्वार से मेरठ की तरफ जा रहे हैं। बताया गया कि आरोपी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने रथेडी कट पर



घेराबंदी कर सघन चेकिंग शुरू कर दी। कुछ समय बाद बिना नंबर प्लेट की एक सफेद मोटरसाइकिल पर तीन युवक आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन मोटरसाइकिल सवार रुकने के बजाय पुलिस टीम पर फायरिंग करते हुए भागने लगे। बदमाशों की ओर से की गई फायरिंग में पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए।

मोटरसाइकिल गिरते ही बदमाशों ने फिर चलाई गोलियां

पुलिस टीम ने बदमाशों का पीछा किया। भागते समय बदमाशों की मोटरसाइकिल आईशर वर्कशॉप के पीछे असंतुलित होकर गिर गई। खुद को पुलिस से घिरा देखकर आरोपियों ने दोबारा पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की, जिसमें दो बदमाश गोली लगने से घायल हो गए.पुलिस ने घायल अवस्था में हाशिम पुत्र जमील निवासी नगला कुंभा और रिजवान उर्फ इमरान पुत्र शौकत उर्फ यासीन निवासी शिवाल खास, थाना जानी, जनपद मेरठ को गिरफ्तार कर लिया। दोनों की उम्र क्रमशः करीब 26 और 24 वर्ष बताई गई है। वहीं, मौके से भागे तीसरे आरोपी इरशाद पुत्र दिलशाद निवासी राई नगला, थाना कैराना, जनपद शामली को पुलिस ने कांबिंग के दौरान गिरफ्तार कर लिया। घायल आरोपियों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भिजवाया गया।

तीन तमंचे, कारतूस और चोरी के उपकरण बरामद

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से तीन अवैध तमंचे 315 बोर, पांच जिंदा कारतूस और दो खोखा कारतूस बरामद किए हैं। इसके अलावा घटना में इस्तेमाल की गई सफेद रंग की बिना नंबर प्लेट वाली सीबी ट्रिगर मोटरसाइकिल, 1500 रुपये नकद और ताला तोड़ने व चोरी करने के उपकरण भी बरामद हुए हैं। पुलिस के अनुसार, बरामद नकदी नई मंडी थाने में दर्ज कैफे चोरी के मुकदमे से संबंधित है।

पुलिस जांच में गिरफ्तार आरोपियों का अलग-अलग जनपदों में आपराधिक इतिहास सामने आया है। हाशिम के खिलाफ मेरठ और गाजियाबाद के विभिन्न थानों में चोरी, लूट, हत्या के प्रयास, शस्त्र अधिनियम और गैंगस्टर अधिनियम सहित कई मुकदमे दर्ज हैं।

ऑनलाइन कमाई और ट्रेडिंग में मोटे मुनाफे का लालच देकर युवक से 11.80 लाख की साइबर ठगी

मैसेंजर पर अनन्या वर्मा नाम से आया संदेश, ई-कॉमर्स कारोबार में जोड़कर लकी ऑर्डर के नाम पर अलग-अलग बैंक खातों में कराए रुपये जमा

मुजफ्फरनगर। ऑनलाइन कारोबार और ट्रेडिंग के जरिए कम समय में मोटा मुनाफा कमाने का सपना दिखाकर साइबर ठगों ने रतनपुरी क्षेत्र के गांव लोइहड़ा निवासी एक व्यापारी को अपना शिकार बना लिया। शातिर ठगों ने पहले युवक को ई-कॉमर्स कारोबार में जोड़कर अच्छी कमाई का लालच दिया और फिर लकी ऑर्डर पूरा करने के नाम पर अलग-अलग बैंक खातों में रुपये जमा कराने शुरू कर दिए। वेबसाइट पर युवक के खाते में लगातार मुनाफे की रकम बढ़ती हुई दिखाई जाती रही, जिससे उसे अपने निवेश पर भरोसा होता गया। लेकिन जब उसने जमा की गई रकम और मुनाफा निकालने का प्रयास किया तो निकासी नहीं हो सकी। ठगों ने रकम वापस देने के बजाय उससे 4.75 लाख रुपये की अतिरिक्त मांग कर दी। इस तरह युवक से कुल 11 लाख 80 हजार रुपये की ठगी कर ली गई। पीड़ित की शिकायत पर साइबर क्राइम थाने में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। गांव लोइहड़ा निवासी व्यापारी गौरव शर्मा ने साइबर क्राइम थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसके मैसेंजर पर अनन्या वर्मा नाम की महिला के नाम से एक संदेश आया था। संदेश भेजने वाली महिला ने उसे ई-कॉमर्स कारोबार से जुड़ने का प्रस्ताव दिया। उसने बताया कि वह एक टीम तैयार कर रही है, जिसके माध्यम से जुड़कर घर बैठे अच्छी कमाई की जा सकती है। इसके लिए गौरव को अपने व्हाट्सएप नंबर पर संपर्क करने के लिए कहा गया। ऑनलाइन कमाई का प्रस्ताव मिलने पर गौरव ने दिए गए नंबर पर संपर्क कर लिया। शिकायत के अनुसार, व्हाट्सएप पर बातचीत के दौरान उसे बताया गया कि कंपनी के विभिन्न उत्पादों पर स्टार रेटिंग देकर अच्छी कमाई की जा सकती है। इसके लिए उसे एक लिंक भेजा गया। गौरव ने लिंक खोला तो उसके सामने एक वेबसाइट खुल गई। वेबसाइट पर पंजीकरण करने के बाद क्लब 21 ग्लोबल रिटेल नाम से एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म सामने आया। आरोपियों ने उसे इस प्लेटफॉर्म पर अपना खाता बनाने के लिए कहा। इसके बाद गौरव ने वहां अपना डीमैट अकाउंट भी बना लिया।

लकी ऑर्डर के नाम पर शुरू हुआ रकम जमा कराने का खेल

शुरूआत में वेबसाइट पर गौरव को लकी ऑर्डर मिलने लगे। आरोपियों ने उसे समझाया कि प्रत्येक ऑर्डर पूरा करने के साथ उसके खाते में कमीशन और मुनाफे की रकम बढ़ती जाएगी। इसके लिए उसे अलग-अलग चरणों में धनराशि जमा करानी होगी। शुरूआत में वेबसाइट पर दिखाई जा रही गतिविधियों और खाते में बढ़ती रकम को देखकर गौरव को लगा कि ऑनलाइन कारोबार के माध्यम से वास्तव में अच्छी कमाई हो रही है।

चीनी मिल गेट के सामने गन्ने से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक सवार को कुचला, दर्दनाक मौत

खतौली में शेखपुरा से लौटते समय हुआ हादसा, अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने मृत घोषित किया

मुजफ्फरनगर। खतौली में चीनी मिल गेट के सामने गन्ने से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आने से बाइक सवार 36 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए अज्ञात ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

शेखपुरा से लौटते समय हुआ हादसा

जानकारी के अनुसार खतौली की जगत कॉलोनी (भूड़) निवासी अनुराग (36) पुत्र ब्रह्मसिंह किसी काम से बाइक पर सवार होकर गांव शेखपुरा गए थे। वहां से वापस लौटते समय फलावदा रोड स्थित खतौली चीनी मिल के प्रवेश द्वार के सामने हादसा हो गया। बताया गया कि गन्ने से लदी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली की उनकी बाइक से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर लगते ही अनुराग सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल अनुराग को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। हालांकि उनकी हालत गंभीर होने के कारण चिकित्सक उन्हें बचा नहीं सके और मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। अनुराग की अचानक हुई मौत से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।



परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसे की खबर घर पहुंचते ही परिवार में मातम छा गया। स्थानीय लोगों ने भी घटना पर दुख जताते हुए चीनी मिल मार्ग पर गन्ने से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की आवाजाही को लेकर चिंता जाहिर की। खतौली चीनी मिल का पेराई सत्र शुरू होने के बाद क्षेत्र में गन्ने से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की आवाजाही काफी बढ़ गई है। चीनी मिल के आसपास और फलावदा रोड पर दिनभर गन्ना ढोने वाले वाहनों का आवागमन बना रहता है। ऐसे में बाइक और छोटे वाहनों से गुजरने वाले लोगों के लिए दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है। गौरतलब है कि चीनी मिल का पेराई सत्र शुरू होने से पहले प्रशासनिक अधिकारियों ने गन्ना ढुलाई से जुड़े ठेकेदारों और वाहन संचालकों के साथ बैठक कर सड़क सुरक्षा को लेकर आवश्यक निर्देश दिए थे। इनमें ओवरलोडिंग रोकने, निर्धारित गति से वाहन चलाने और वाहनों पर रिफ्लेक्टर सहित आवश्यक सुरक्षा उपकरण लगाने के निर्देश शामिल थे। इसके बावजूद गन्ना ढुलाई के वाहनों से होने वाले हादसों पर प्रभावी अंकुश नहीं लग पा रहा है। हादसे के बाद स्थानीय निवासियों ने चीनी मिल मार्ग पर यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग उठाई है। लोगों का कहना है कि पेराई सत्र के दौरान गन्ने से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की संख्या बढ़ने के कारण विशेष निगरानी की जरूरत है। चीनी मिल गेट और आसपास के मार्गों पर इनकी गति नियंत्रित कराई जाए तथा यातायात पुलिस की तैनाती की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह के दर्दनाक हादसों को रोका जा सके।

बुढ़ाना के बड़े बाजार में चोर की करतूत सीसीटीवी में कैद

दुकान से सिलाई मशीन उठाकर फरार हुआ शातिर, दो दिन बाद वीडियो वायरल होने से मचा हड़कंप

बुढ़ाना। बुढ़ाना कस्बे में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। चोर अब बाजारों में दुकानों को निशाना बनाकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। ताजा मामला कस्बे के बड़े बाजार स्थित मोरवाली प्याऊ का सामने आया है, जहां एक चोर दुकान से सिलाई मशीन चोरी कर फरार हो गया। चोर की यह पूरी करतूत दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। अब चोरी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद बाजार क्षेत्र में चचाओं का दौर शुरू हो गया है। जानकारी के अनुसार, बड़े बाजार में मोरवाली प्याऊ के निकट स्थित एक दुकान पर चोर ने मौका पाकर हाथ साफ कर दिया। आरोपी दुकान से सिलाई मशीन उठाकर वहां से निकल गया। वारदात के दौरान चोर को किसी प्रकार की जल्दबाजी में देखा नहीं गया। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे ने उसकी गतिविधियों को रिकॉर्ड कर लिया। बताया जा रहा है कि चोरी की घटना करीब दो दिन पुरानी है, लेकिन अब इसका वीडियो सामने आने के बाद



मामला चर्चा में आया है। सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही फुटेज में एक युवक दुकान से सिलाई मशीन उठाकर ले जाता दिखाई दे रहा है। सीसीटीवी में कैद हुई इस घटना ने बाजारों में दुकानों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बाजारों में चोरी की घटनाएं लगातार सामने आने से दुकानदारों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। बुढ़ाना कस्बे के बाजारों में चोरी की घटनाओं को लेकर स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों में चिंता बनी हुई है। दुकानदारों का कहना है कि बाजार में दिनभर लोगों की आवाजाही रहती है, इसके बावजूद चोर वारदात को अंजाम देकर निकल जाते हैं। ऐसे में पुलिस गश्त और बाजारों की सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने की जरूरत महसूस की जा रही है।

इस संबंध में बुढ़ाना कस्बा इंचार्ज ललित कसाना ने बताया कि चोरी की घटना की सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस मामले को गंभीरता से लेते हुए चोर की तलाश में जुटी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि आरोपी की पहचान कर जल्द गिरफ्तार किया जाएगा और उसे जेल भेजा जाएगा।

शुकतीर्थ हनुमन्तधाम में 31 फुट की गोवर्धन प्रतिमा की पूजा:अन्नकूट व 56 भोग का वितरण, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

मोरना (मुजफ्फरनगर)। दीपावली पर्व श्रृंखला के अंतर्गत गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर पौराणिक तीर्थनगरी शुकतीर्थ (शुक्रताल) स्थित प्रसिद्ध हनुमन्तधाम में भव्य एवं अलौकिक धार्मिक महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर धाम परिसर में स्थापित 31 फुट की विशाल गोवर्धन पर्वत प्रतिमा को दिव्य पुष्पों एवं आकर्षक लाइटों से सजाया गया। प्रतिमा के दर्शन और पूजन के लिए दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा।

धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन पूज्य संतों के दिव्य सानिध्य में विधि-विधान से संपन्न हुआ।अनुष्ठान में स्वामी गीतानंद महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी गोपाल दास महाराज, महंत स्वामी आनंद स्वरूप आनंद महाराज, स्वामी विज्ञानानंद महाराज तथा स्वामी गीतानंद तीर्थ ने विशेष रूप से शिरकत की। संध्या समय महाआरती के साथ गोवर्धन भगवान और भगवान श्रीकृष्ण के गिरिराज स्वरूप का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन किया गया। श्रद्धालुओं ने अपने परिवार की सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं कष्टों के निवारण की कामना



करते हुए पूजा-अर्चना की। श्रीकृष्ण ने इंद्र के अभिमान को चूर कर रक्षा की थीः स्वामी विज्ञानानंद

सत्संग के दौरान श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए स्वामी विज्ञानानंद महाराज ने गोवर्धन पूजा के पौराणिक एवं धार्मिक महत्व पर प्रकाश डाला।"भगवान श्रीकृष्ण ने देवराज इंद्र के प्रकोप व मूसलाधार बारिश से ब्रज के जीव-जंतुओं और ब्रजवासियों की रक्षा करने के लिए विशाल गोवर्धन पर्वत को अपनी कनिष्ठा (छोटी) अंगुली पर धारण किया था। इसके माध्यम से उन्होंने इंद्र के अभिमान को चूर किया। तभी से श्रद्धालु प्रभु के प्रति कृतज्ञता और श्रद्धा प्रकट करने के लिए गिरिराज जी का पूजन व परिक्रमा करते आ रहे हैं।

अन्नकूट व छप्पन भोग का प्रसाद पाकर धन्य हुए श्रद्धालु

धार्मिक अनुष्ठान एवं महाआरती के उपरांत भगवान को विविध प्रकार के व्यंजनों का भव्य 'छप्पन भोग' और 'अन्नकूट' अर्पित किया गया। इसके बाद विशाल भंडारे में उपस्थित हजारों श्रद्धालुओं को महाप्रसाद का वितरण किया गया, जिसे भक्तों ने अगाध श्रद्धा और प्रेम के साथ ग्रहण किया। संपूर्ण धाम परिसर दिन भर "जय श्री कृष्णा" और "गिरिराज महाराज की जय" के जयकारों से गुंजायमान रहा।

श्रीमद्भागवत कथा के ज्ञान से विकसित भारत का संकल्प होगा साकार, मुजफ्फरनगर में 13 से 20 नवंबर तक गूंजेगी आचार्य शांतनु महाराज की ओजपूर्ण वाणी

मुजफ्फरनगर। भारत को वर्ष 2047 से पहले विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को आध्यात्मिक चेतना, सामाजिक जागरूकता और नैतिक मूल्यों से जोड़ने के उद्देश्य से मुजफ्फरनगर में आठ दिवसीय भव्य श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। रेशू परिवार की ओर से रेशू विहार स्थित रेशू प्रांगण में 13 से 20 नवंबर तक आयोजित होने वाली इस कथा में कथा व्यास आचार्य शांतनु महाराज अपने ओजपूर्ण प्रवचनों के माध्यम से जीवन, परिवार, समाज, व्यापार, धर्म, शिक्षा, कृषि और राजनीति में श्रीमद्भागवत के महत्व को विस्तार से समझाएंगे। वहीं 21 नवंबर को देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर एक कन्या का विवाह भी कराया जाएगा। रेशू परिवार के मुखिया जयप्रकाश गर्ग रेशू और सत्यप्रकाश रेशू ने प्रेस वार्ता में आयोजन की जानकारी देते हुए बताया कि श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन उनके माता-पिता और गुरुजनों की प्रेरणा तथा शुकतीर्थ की धार्मिक परंपरा के संवाहक एवं जीर्णोद्धारक स्वामी कल्याण देव महाराज की प्रेरणा से किया जा रहा है। उनका उद्देश्य केवल धार्मिक आयोजन करना नहीं, बल्कि कथा के माध्यम से समाज में सकारात्मक सोच, संस्कार, कर्तव्यबोध और राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत करना है। आयोजकों ने बताया कि कथा व्यास आचार्य शांतनु महाराज की ओजपूर्ण वाणी में श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत का ऐसा स्वरूप सुनने को मिलेगा, जिसमें आध्यात्मिक ज्ञान के साथ जीवन की व्यावहारिक चुनौतियों का समाधान भी बताया जाएगा। कथा में यह समझाया जाएगा कि भागवत का ज्ञान व्यक्ति के व्यक्तिगत जीवन, परिवार, सामाजिक संबंधों, व्यापार, शिक्षा, कृषि, धर्म और राजनीति को किस प्रकार सकारात्मक दिशा दे सकता है। आचार्य



शांतनु महाराज गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर में भी श्रीराम कथा और श्रीमद्भागवत कथा का वाचन करते हैं। इसी आध्यात्मिक परंपरा से प्रेरित होकर रेशू परिवार ने मुजफ्फरनगर की आत्मिक और सामाजिक चेतना को जागृत करने के उद्देश्य से उनसे कथा करने का आग्रह किया था। आठ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ 13 नवंबर को भव्य कलश यात्रा के साथ होगा। यह यात्रा रेशू विहार रेलवे फाटक स्थित श्री राज दुर्गा मंदिर से प्रारंभ होकर कथा स्थल तक पहुंचेगी। कलश यात्रा में 121 महिलाएं सिर पर कलश धारण कर शामिल होंगी। लगभग 125 मीटर की यह यात्रा बैंड-बाजों के साथ निकाली जाएगी। आयोजन में शहर के गणमान्य नागरिकों, धमार्चार्यों और श्रद्धालुओं की सहभागिता रहेगी। कलश यात्रा को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। आयोजकों का कहना है कि यह धार्मिक यात्रा श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक एकजुटता का संदेश देगी।

इस आयोजन की विशेषता यह भी रहेगी कि कथा सप्ताह के समापन के अगले दिन 21 नवंबर को देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर एक कन्या का विवाह कराया जाएगा। आयोजकों ने इसे धार्मिक आयोजन के साथ सामाजिक सेवा और जरूरतमंद परिवार की सहायता से जोड़ने का प्रयास बताया है। जयप्रकाश गर्ग रेशू ने कहा कि श्रीमद्भागवत केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाला ज्ञान का विशाल भंडार है। भागवत की कथा सुनकर राजा परीक्षित के जीवन में परिवर्तन आया था। इसी प्रकार देश के अनेक क्रांतिकारियों, संतों, राजनेताओं, उद्योगपतियों, व्यापारियों, साहित्यकारों, किसानों, विद्यार्थियों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों और मातृशक्ति ने आध्यात्मिक विचारों से प्रेरणा लेकर अपने जीवन को नई दिशा दी है।

भोकरहेड़ी में इलेक्ट्रॉनिक झालर से मकान में लगी आग: लाखों का सामान और पूजा में रखे 1 लाख रुपये जलकर राख

मोरना (मुजफ्फरनगर)। जनपद मुजफ्फरनगर के भोपा थाना क्षेत्र अंतर्गत कस्बा भोकरहेड़ी में दीपावली की रात एक बड़ा हादसा हो गया। यहाँ बस स्टैंड के पास स्थित एक स्पेयर पार्ट्स व्यापारी के मकान में सजावट के लिए लगाई गई इलेक्ट्रॉनिक झालर में शॉर्ट सर्किट होने से भीषण आग लग गई। इस दुर्घटना में मकान के भीतर रखा लाखों का सामान जल गया, वहीं घर के मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए रखे 1 लाख रुपये नकद भी जलकर राख हो गए।

जलने की आवाज से खुली थी पत्नी की आंख

प्राप्त जानकारी के अनुसार, भोकरहेड़ी बस स्टैंड निवासी व्यापारी शेरू कुमार अपनी दुकान के ऊपर बनी मंजिल पर परिवार सहित रहते हैं। रविवार की रात शेरू कुमार अपनी पत्नी आकांक्षा, 14 वर्षीय पुत्र आरव और 10 वर्षीय पुत्री नंदना के साथ सो रहे थे। सोमवार तड़के लगभग 2:30 बजे घर के भीतर सामान जलने की तेज आवाज सुनकर पत्नी आकांक्षा की अचानक आँख खुल गई।



कमरे में धुआँ और आग की लपटें देखकर उन्होंने तुरंत शोर मचाया। परिजनों ने तुरंत जागकर अपनी जान बचाई और पानी डालकर किसी तरह आग पर काबू पाया।

गश्त कर रही पुलिस पहुँची मौके पर, टला बड़ा हादसा

घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में गश्त कर रही भोपा थाना पुलिस भी तुरंत मौके पर पहुँची और घटना का जायजा लिया। पीड़ित व्यापारी शेरू कुमार ने बताया कि सजावट की इलेक्ट्रॉनिक झालर से लगी आग के कारण घर के मंदिर में रखे 1,00,000 रुपये नकद तथा अन्य कीमती घरेलू सामान जलकर नष्ट हो गए। गनीमत यह रही कि आग रसोई में रखे गैस सिलेंडर तक नहीं पहुँची, जिससे बड़ा विस्फोट होने से बच गया। ईश्वर की कृपा से इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है।

कस्बे में फैली सनसनी

आधी रात को व्यापारी के घर हुई आगजनी की इस घटना से पूरे कस्बा भोकरहेड़ी में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मामले की जानकारी जुटाकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

पटाखे फोड़ने को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष, घर में घुसकर लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हमला

जंधेड़ी गांव में महिला, युवती और पुरुषों के साथ मारपीट का आरोप, एक महिला और पुरुष समेत कई घायल, पुलिस ने तीन आरोपियों को हिरासत में लिया, पुरानी रंजिश भी बताई जा रही विवाद की वजह

मुजफ्फरनगर। सिखेड़ा थाना क्षेत्र के गांव जंधेड़ी में पटाखे फोड़ने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि कहासुनी के बाद एक पक्ष के लोग दूसरे पक्ष के घर में घुस गए और वहां मौजूद महिला, युवती तथा पुरुषों के साथ लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हमला कर दिया। अचानक हुई मारपीट में परिवार के कई लोग घायल हो गए। इनमें एक महिला और एक पुरुष को गंभीर चोटें आने की बात सामने आई है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया और त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत पर मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

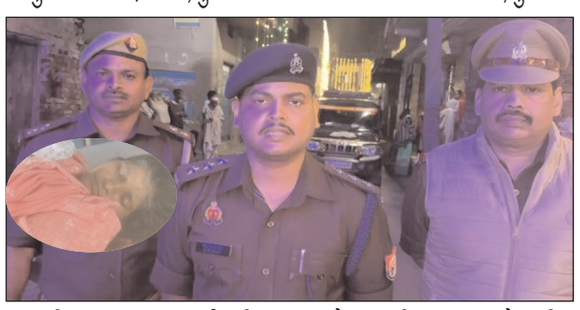
भतीजे के साथ घर के बाहर पटाखे फोड़ रही थी युवती

पीड़ित पक्ष की ओर से शिवानी पुत्री वीरेंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि सोमवार शाम करीब सात बजे वह अपने भतीजे के साथ घर के बाहर पटाखे फोड़ रही थी। इस दौरान उसका भाई मोबाइल से उनका वीडियो बना रहा था। आरोप है कि तभी दूसरे पक्ष के कुछ लोग वहां पहुंच गए और गाली-गलौज शुरू कर दी। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच कहासुनी बढ़ गई। विवाद बढ़ता देख परिवार के सदस्य घर के अंदर चले गए।

शिवानी का आरोप है कि विवाद के बाद दूसरे पक्ष के लोग उनके घर में घुस आए और परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट शुरू कर दी। हमलावरों ने लाठी-डंडों के साथ धारदार हथियारों से भी हमला किया। इस दौरान सुमित पुत्र वीरेंद्र और रविता पत्नी वीरेंद्र सहित परिवार के कई लोग घायल हो गए। अचानक हुए हमले से घर में अफरा-तफरी मच गई। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए।

एक महिला और पुरुष को गंभीर चोटें, अस्पताल में कराया भर्ती

घटना की सूचना मिलने पर सिखेड़ा



थाना पुलिस तत्काल गांव पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर दोनों पक्षों के बीच हुए विवाद की जानकारी जुटाई। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। मारपीट में घायल महिला और पुरुष की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी।

तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू

पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया कि प्रथम पक्ष के अमित पुत्र सूरजमल आदि और दूसरे पक्ष के सुमित पुत्र वीरेंद्र आदि के बीच पटाखे फोड़ने को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद प्रथम पक्ष की ओर से लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हमला किए जाने की बात सामने आई है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रथम पक्ष के तीन लोगों को हिरासत में लिया है। पीड़ित पक्ष की ओर से शिवानी ने कई लोगों के खिलाफ नामजद शिकायत दी है। थाना प्रभारी के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच पहले भी विवाद हुआ था, लेकिन उस समय मामला शांत हो गया था। सोमवार को पटाखे फोड़ने को लेकर एक बार फिर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। बताया गया कि दोनों पक्ष एक ही समुदाय के हैं। पुलिस पुराने विवाद और सोमवार को हुई मारपीट के कारणों की भी जांच कर रही है।

सीओ नई मंडी ने संभाली स्थिति, गांव में पुलिस बल तैनात

क्षेत्राधिकारी नई मंडी राजू कुमार साव ने बताया कि गांव जंधेड़ी में दो पक्षों के बीच मारपीट की सूचना पर सिखेड़ा पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची थी। घायलों को अस्पताल भिजवाया गया है। मामले में तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस को तहरीर प्राप्त हुई है और सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। एहतियात के तौर पर मौके पर पुलिस बल तैनात है। फिलहाल गांव में कानून एवं शांति व्यवस्था की स्थिति सामान्य है।

संपादकीय

चीन से मुकाबले के लिए भारत को क्यों बदलनी होगी रणनीति?

आधुनिक युद्धों में तकनीक की भूमिका रूस-यूक्रेन और अमेरिका-ईरान के बीच संघर्षों में देखने को मिली है। अब दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने, उसके संचार तंत्र को बाधित करने और दूर बैठे ही सटीक हमला करने के लिए तकनीक का व्यापक इस्तेमाल किया जा रहा है। विश्व भर में युद्ध का स्वरूप समय के साथ तेजी से बदल रहा है। पहले युद्ध में सैनिकों की संख्या, हथियारों की मारक क्षमता, टैंकों, तोपों और लड़ाकू विमानों की भूमिका निर्णायक मानी जाती थी। मगर अब आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से युद्ध की रणनीति और लड़ने के तरीके, दोनों बदल रहे हैं। ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआइ, साइबर हमले, उपग्रह निगरानी, रोबोटिक हथियार और उन्नत मिसाइल जैसी रक्षा प्रणालियां युद्ध के नए साधन बन गए हैं।ऐसे में भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती पड़ोसी मुल्क चीन की बढ़ती तकनीकी और सामरिक क्षमताओं से मुकाबला करने की है। यह बात छिपी नहीं है कि भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव कई बार टकराव में तब्दील हुआ है। खबरों के मुताबिक, डोकलाम और गलवान के घटनाक्रमों के बाद अब अरुणाचल प्रदेश में सीमा पर चीनी सेना की हलचल बढ़ी है।आइटीबीपी के महानिदेशक ने बीते गुरुवार को एक कार्यक्रम में इस चिंता को रेखांकित करते हुए स्पष्ट किया कि चीन के साथ पारंपरिक युद्ध के तरीकों से मुकाबला करने का दौर बीत चुका है और सुरक्षा बल अपने जवानों, हथियारों, वाहनों और सीमा चौकियों के आधुनिकीकरण पर जोर दे रहा है। आधुनिक युद्धों में तकनीक की भूमिका रूस-यूक्रेन और अमेरिका-ईरान के बीच संघर्षों में देखने को मिली है। अब दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने, उसके संचार तंत्र को बाधित करने और दूर बैठे ही सटीक हमला करने के लिए तकनीक का व्यापक इस्तेमाल किया जा रहा है। एआइ की मदद से युद्धक्षेत्र से मिलने वाली सूचनाओं का विश्लेषण करके तेजी से निर्णय लिया जा सकता है।वहीं, साइबर हमलों के जरिए बिजली आपूर्ति, संचार नेटवर्क, बैंकिंग और सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया जा सकता है। इस बदलाव का अर्थ यह है कि अब किसी देश की सैन्य शक्ति केवल उसके सैनिकों और हथियारों की संख्या से नहीं आंकी जा सकती।तकनीकी दक्षता, खुफिया जानकारी, संचार व्यवस्था और विभिन्न सैन्य प्रणालियों के बीच बेहतर तालमेल भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है। आइटीबीपी चीन के साथ करीब साढ़े तीन हजार किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा की सुरक्षा करती है। बढ़ती चुनौतियों के बीच इस बल ने अपनी सभी सीमा इकाइयों में ड्रोन प्लाटून गठित की हैं और आधुनिक युद्ध की जरूरतों के मद्देनजर सीमा पर व्यापक भूमिगत ढांचे बनाए जा रहे हैं।

भारत को पुनः वैभवशाली बनाने हेतु संघ द्वारा प्रयासों में तेजी लाई जा रही है

(प्रह्लाद सबनानी)

आज संघ के विचार को समाज के बीच ले जाने की भी महती अवस्यकता है। इसके लिए स्वयसेवकों को समाज के बीच में जाकर कार्य करने पड़ेंगे। समाज में वैचारिक विमर्श का निर्माण करने की आवस्यकता है। भारत को यदि परम वैभवशाली देश बनाना है तो समाज का मन अनुकूल रखना होगा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी स्थापना के 101 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। संघ ने अपनी स्थापना की शताब्दी हाल ही में पूर्ण की है एवं संघ अब अपने अगले चरण में प्रवेश कर रहा है। शताब्दी वर्ष के दौरान संघ एवं समाज द्वारा मिलकर कई बड़े कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों को समाज में अच्छा प्रतिसाद भी मिला। इन विभिन्न कार्यक्रमों में स्वयंसेवकों एवं समाजजनों की बढ़ चढ़ कर भागीदारी रही। संघ की 100 वर्षों की यह एक अभिनव यात्रा है एवं समाज को साथ लेकर चलने की यात्रा है। साथ ही, समाज की सेवा के अथक प्रयासों की भी यह यात्रा है। इन 100 वर्षों में संघ ने क्या पाया, इसका सिहावलोकन एवं मूल्यांकन करना आवश्यक है। 100 वर्ष अपने आप में एक पर्याप्त कालावाधि है, जब किसी संगठन के कार्यों का मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

पिछले 100 वर्षों के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लिए एक बड़ी उपलब्धि यह रही है कि राष्ट्र में व्यक्ति निर्माण की अभिनव पद्धति के रूप में संघ की शाखा को देश एवं समाज के बीच में मान्यता मिली है। इसे संघ की बहुत बड़ी सफलता के रूप में देखा जा सकता है। शाखा की कार्यपद्धति के माध्यम से ही भारत के लाखों युवाओं में राष्ट्रत्व का भाव जगाया जा सका है एवं स्वयसेवकों का निर्माण कर उनके जीवन में परिवर्तन लाया जा सका है। आज नगरों एवं महानगरों के साथ ही सुदूर ग्रामीण इलाकों में भी संघ की शाखाएं लगाई जा रही हैं एवं इनमें समाज के समस्त घटकों की भागीदारी दिखाई दे रही है। मन में देश भक्ति का भाव लेकर भारत का युवा, स्वयंसेवक बनता है एवं प्रतिदिन शाखा में आकर शाखा की कार्यपद्धति का अनुपालन करते हुए कब उसमें राष्ट्रत्व की भावना जागृत हो जाती है उसे पता ही नहीं चलता है। आज हिंदू स्वयंसेवक संघ के माध्यम से कई अन्य देशों में भी शाखाएं लगाई जा रही है। विश्व में समस्त स्थानों पर लगाई जाने वाली शाखाओं की कार्यपद्धति समरूप है। भारत में आज अत्यंत समर्पित स्वयसेवकों की शृंखला खड़ी हो गई है एवं आज कई परिवारों की 5वीं एवं 6वीं पीढ़ी स्वयंसेवक के रूप में कार्य करते हुए दिखाई दे रही हैं। इस प्रकार, केवल स्वयंसेवक ही नहीं बल्कि उनके परिवार के सदस्य भी देश के लिए समर्पण की भावना के साथ संघ से जुड़े हुए हैं। संघ की कार्यपद्धति में दो श्रेणियों के माध्यम से कार्य सम्पन्न होते हैं। एक, संगठन श्रेणी, जिसके माध्यम से शाखा लगाई जाती है एवं स्वयंसेवक गढ़े जाते हैं। दूसरी, जागरण श्रेणी, जिसके माध्यम से स्वयसेवकों द्वारा समाज के बीच जाकर समाज परिवर्तन के प्रयास किए



जाते हैं। समाज को जागृत करने के उद्देश्य से कुछ जागरण पत्रिकाओं का प्रकाशन भी किया जाता है, जिनकी पहुंच आज 3 लाख से अधिक गावों तक है। इसी प्रकार संघ के सम्पर्क विभाग के द्वारा समाज का नेतृत्व करने वाले संभ्रांत नागरिकों से सम्पर्क किया जाता है एवं इन्हें राष्ट्रीय विचारों से अवगत कराया जाता है जिसके चलते ही आज बड़ी मात्रा में समाज की सज्जन शक्ति संघ के साथ जुड़ गई है। संघ द्वारा 6 गतिविधियां भी प्रारम्भ की गई है - सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, समग्र ग्रामविकास, गोसेवा, कुटुंब प्रबोधन एवं धर्मजागरण। इन गतिविधियों के माध्यम से भी समाज को संघ के साथ जोड़ने के प्रयास किए जाते हैं। इस बीच, पंच परिवर्तन (स्व के भाव का जागरण, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन एवं नागरिक कर्तव्य) के प्रयोग भी संघ द्वारा चलाए गए ताकि समाज के आचरण में परिवर्तन लाया जा सके। विभिन्न प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच भी संघ पिछले 100 वर्षों के दौरान निरंतर आगे बढ़ता रहा क्योंकि संघ द्वारा शाखा पद्धति के रूप में एक अभिनव पद्धति का निर्माण एवं प्रयोग किया था। दूसरे, संघ व्यक्ति निरपेक्षता की नीति पर चलता आया है, अर्थात, स्वयसेवकों ने अपने आप को संगठन से सदैव नीचे रखा है। आज संघ की एक व्यापक संगठनात्मक रचना खड़ी हो गई है।

संघ का लक्ष्य अपने संगठन को बड़ा बनाने का नहीं है बल्कि अपने संगठन को समाजव्यापी बनाने का लक्ष्य लेकर संघ आगे बढ़ रहा है। हिंदू समाज बड़ा बने एवं भारत एक बार पुनः परम वैभव की स्थिति पर आ जाए, यही संघ का मुख्य ध्येय है। भारतीय समाज पूर्ण रूप से एक रस हो जाए, इससे भी संघ की स्थापना के उद्देश्य की पूर्ति हो जाती है। संघ ने 100 वर्षों की एक लम्बी यात्रा सफलतापूर्वक तय कर ली है परंतु अभी भी बहुत कुछ कार्य शेष है। इस दृष्टि से आगे आने वाले समय में संघ के स्वयसेवकों के लिए करणीय कार्य क्या हो सकते हैं, इसका वर्णन हाल ही में संघ के माननीय सह सरकार्यवाह श्री अतुल लिमये जी द्वारा प्रदत्त एक उदबोधन में मिलता है। इन करणीय कार्यों को तेजी से सम्पन्न करने की आज आवश्यकता है क्योंकि इस दृष्टि से संघ की प्रतिस्पर्धा आज किसी अन्य संगठन के साथ नहीं बल्कि समय के साथ है।

राष्ट्र में व्यक्ति निर्माण की प्रक्रिया चलाने वाली शाखाओं का विस्तार तेजी से करने की आज आवश्यकता है। आज पूरे देश में लगभग 72.42 प्रतिशत बस्तियों एवं 69 प्रतिशत मंडलों में संघ की शाखाएं एवं साप्ताहिक मिलन चलाए जा रहे है। इसका आशय यह है कि देश में लगभग 30 प्रतिशत बस्तियां एवं 31 प्रतिशत मंडल अभी भी संघ कार्य विहीन हैं। अतः प्रथम लक्ष्य है कि तेज गति से उक्त शेष बस्तियों एवं मंडलों में शखाएं खड़ी हो जाए। राम मंदिर निधि संकलन अभियान के समय लगभग 14 करोड़ परिवारों से सम्पर्क किया गया था, एक परिवार में यदि 5 सदस्य माने जाय तो लगभग 70 करोड़ नागरिकों के साथ उस समय सम्पर्क हुआ था। अतः देश की कुल जनसंख्या के 50 प्रतिशत नागरिकों के साथ केवल 45 दिनों में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से सम्पर्क किया गया था। हालांकि इस अभियान में स्वयसेवकों के साथ समाज के अन्य संगठन एवं नागरिक भी जुड़े थे। अतः शेष बस्तियों एवं मंडलों में संघ की शाखा की स्थापना के कार्य को समाजजन के सहयोग से गति दी जा सकती है।

भारत में आज संघ के स्वयंसेवकों के गुणों के चलते उनकी एक अलग पहिचान है। सादगी, मितव्यितता, प्रामाणिकता, अनुशासन, समर्पण का भाव आदि तत्व स्वयसेवकों के गुणों में शामिल हैं। समाज जीवन में संघ की पहिचान संघ के स्वयंसेवक के माध्यम से ही बनती है। मीडिया सहित प्रचार के विभिन्न माध्यमों से संघ के विरोध में बहुत कुछ चलता भी रहता है परंतु समाज में इसका प्रभाव दिखाई नहीं देता है, क्योंकि स्वयंसेवक के गुण कुछ अलग ही कहानी वर्णित करते हैं। शाखा के गुणवत्ता पूर्ण कार्यक्रम स्वयंसेवक में राष्ट्रत्व का जो भाव गढ़ते हैं वह स्वयंसेवक में स्पष्ट रूप से दिखाई भी देता है। इस भाव को आज आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। शाखा विस्तार के साथ साथ स्वयसेवकत्व के उक्त गुणों को भी बनाए रखना आवश्यक है।

आज संघ के विचार को समाज के बीच ले जाने की भी महती अवस्यकता है। इसके लिए स्वयसेवकों को समाज के बीच में जाकर कार्य करने पड़ेंगे। समाज में वैचारिक विमर्श का निर्माण करने की आवस्यकता है। भारत को यदि परम वैभवशाली देश बनाना है तो समाज का मन अनुकूल रखना होगा। देश की अपनी व्यवस्थाओं के प्रति आस्था रखने वाला समाज तैयार करना होगा। नागरिक कर्तव्य के बोध को बढ़ावा देने वाला समाज होना चाहिए। आज भारत में कुछ शक्तियां समाज में छोटे छोटे विभेद को बड़ा करने का प्रयास करती हुई नजर आ रही है। समाज के बीच अनास्था का निर्माण करने का प्रयास किया जा रहा है। इस कार्य को समाज के बीच फैलाने के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, सोशल मीडिया, आदि माध्यमों का उपयोग किया जा रहा है। अतः समाज के बीच राष्ट्रीय विचारधारा से ओतप्रोत विचार प्रसारित करने हेतु अकादमिक जगत के नागरिकों को अपने साथ जोड़ना होगा एवं विमर्श तैयार करना होगा ताकि समाज को राष्ट्रानुकूल बनाया जा सके।

आज समाज का प्रत्यक्ष आचरण बदलने की भी आवश्यकता है। समाज के बीच आपस में विषमता एवं कटुता के कुछ उदाहरण आज भी दिखाई देते हैं। इससे समाज में समरसता प्रभावित होती हुई दिखाई देती है। आचरण बदलने के लिए अपनी एक व्यवस्था खड़ी करने की आवश्यकता है, जिससे समाज को समरस बनाया जा सके। विभिन्न समाजों के बीच कटुता फैलाने के लिए कुछ बाहरी शक्तियां भी सक्रिय बनी हुई हैं। पंच परिवर्तन की प्रक्रिया को बल देकर समाज जीवन का आचरण बदलने के प्रयास किए जा सकते हैं। समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करना होगा। पंच परिवर्तन की प्रक्रिया को स्वयं के आचरण में लाकर ही नागरिकों का स्वभाव भी बदला जा सकता है। इस संदर्भ में कुछ रचनाएं खड़ी करने एवं कार्यपद्धती विकसित करने की आवश्यकता भी होगी।

यह सही है कि आज समाज जीवन में कुछ समस्याएँ भी दिखाई देती हैं। जैसे, भ्रष्टाचार, युवाओं में नशे का बढ़ता प्रभाव, कुटुंब विच्छेद,, जमीन के जल स्तर में कमी, रासायनिक खाद का बढ़ता उपयोग, महंगी हो रही शिक्षा, आदि। इन समस्याओं का समाधान कैसे करना है, इस विषय पर भी भी आज विचार करने की आवश्यकता है। इसी प्रकार समाज में आज कुछ चुनौतियां भी मुंह बाये खड़ी है, जैसे मतांतरण, बड़ी मात्रा में जनसंख्या असंतुलन, सीमावर्ति क्षेत्रों में जनसंख्या का परिवर्तन, आदि। हम हिंदू नहीं है इस भाव को भी समाज के बीच फैलाने के प्रयास हो रहे है। विच्छेद निर्माण करने वाले आंदोलन हो रहे हैं एवं समाज के बीच अलगाव को बढ़ावा देने के प्रयास कुछ विदेशी ताकतों द्वारा किए जा रहे हैं। इन चुनौतियों का उत्तर भी देने की आज आवश्यकता है। शासन तो अपना काम कर ही रहा है परंतु समाज को भी इस संदर्भ में आज जगाने की आवश्यकता है। इस महती कार्य में सम्पूर्ण समाज की सहभागिता आवश्यक है। समाज जीवन में वैचारिक विमर्श को लेकर सम्पूर्ण समाज को जोड़ना होगा। इस पुनीत कार्य में समाज की सहभागिता कैसे बढ़ाना इसके लिए गम्भीरता से काम करने की आज आवश्यकता है। देश के लिए कुछ अच्छा करने का भाव समाज के बीच जागृत हुआ है एवं एवं समाज में कुछ नागरिक देश के लिए अच्छा काम करना चाहते हैं।

श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहादत वर्ष पर घुमंतू समाज के उस पुरखे को नमन

जिसने गुरु की मर्यादा के लिए अपना घर जला दिया

(प्रभाकर पाठक)

लक्खीशाह का जन्म 4 जुलाई, 1580 को रायसीना में हुआ। आज वहां राष्ट्रपति भवन है। वे बंजारा समाज के बड़े और संपन्न व्यापारी थे। रायसीना के साथ मालचा, नरेला और बाराखंबा में उनकी जमीनें थीं। उनका कारवां दूर-दूर तक माल ले जाता था और मुगल अफसरों के बीच भी उनकी पहचान थी।

चांदनी चौक की उस शाम दिल्ली सहमी हुई थी। 11 नवंबर, 1675 को औरंगज़ेब के आदेश पर श्री गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान हो चुका था। बादशाह चाहता था कि उनकी देह खुले में पड़ी रहे, ताकि कोई सिर उठाने की हिम्मत न करे। उस डर के माहौल में जिसने सबसे पहले हिम्मत दिखाई, वह कोई सेनापति नहीं था। वह रायसीना का एक बंजारा था, जिसका नाम लक्खीशाह था।

हिंद की चादर: मुगल शासन में कश्मीर के पंडितों पर जबरन धर्मांतरण का दबाव था। पंडित कृपा राम के साथ वे आनंदपुर साहिब पहुंचे और गुरु जी से रक्षा मांगी। गुरु जी ने दिल्ली जाने का फैसला किया। उनसे पहले उनके साथी भाई मती दास, भाई सती दास और भाई दयाला जी ने बलिदान दिया। फिर गुरु जी ने स्वयं शीश दिया, ताकि इस देश के लोग अपने धर्म पर चलने के अधिकार से वंचित न किए जाएं। इसीलिए उन्हें हिंद की चादर कहा जाता है।

रायसीना का बंजारा: लक्खीशाह का जन्म 4 जुलाई, 1580 को रायसीना में हुआ। आज वहां राष्ट्रपति भवन है। वे बंजारा समाज के बड़े और संपन्न व्यापारी थे। रायसीना के साथ मालचा, नरेला और बाराखंबा में उनकी जमीनें थीं। उनका कारवां दूर-दूर तक माल ले जाता था और मुगल अफसरों के बीच भी उनकी पहचान थी। इसी पहचान ने उस शाम काम किया। भाई जैता जी (भाई जीवन सिंह) गुरु जी का शीश लेकर आनंदपुर साहिब निकल चुके थे, पर देह का प्रश्न बाकी था। आंधी की आड़ में लक्खीशाह रुई की गांठों से लदी बैलगाड़ियां लेकर पहुंचे। अपने बेटों के साथ, जिनमें नगाहिया का नाम आता है, उन्होंने गुरु जी की देह को गांठों के नीचे छिपाया और रायसीना ले आए। सिपाहियों ने एक व्यापारी की गाड़ी समझकर उन्हें जाने दिया।

जब घर ही चिता बना: असली परीक्षा इसके बाद थी। खुले में चिता जलती तो धुआं देखकर सिपाही सीधे पहुंच जाते। लक्खीशाह ने ऐसा रास्ता चुना, जिसकी कल्पना भी कठिन है। उन्होंने गुरु जी की देह को घर के भीतर रखा और घर में आग लगा दी। दुनिया के लिए एक बंजारे का घर जल रहा था। भीतर एक महान संत को अंतिम विदाई दी जा रही थी।

इस फैसले में घर था, परिवार था और प्राणों का जोखिम था। फिर भी उन्होंने एक क्षण नहीं सोचा। बाद में वे आनंदपुर साहिब गए और नौ वर्ष के गुरु गोबिंद राय, यानी भविष्य के गुरु गोबिंद सिंह जी को पिता के संस्कार की खबर दी। जहां यह संस्कार हुआ, वहां आज संसद भवन के पास गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब है। 1680 में लक्खीशाह का निधन हुआ।

घुमंतू समाज का गौरव: लक्खीशाह उस समाज के प्रतिनिधि हैं, जिसने सदियों तक भारत को जोड़े रखा। जब न पक्की सड़कें थीं, न रेल, तब बंजारों के काफिले नमक, अनाज और कपड़ा लेकर जंगल, घाटी और रेगिस्तान पार करते थे। सेनाओं तक रसद इन्हीं के सहारे पहुंचती थी। जहां तांडा, यानी चलती-फिरती बस्ती, डेरा डालता, वहां कुएं और सराय बनते थे।

आज भी बंजारा बस्तियों में बुजुर्ग अपने पुरखों का नाम सम्मान से लेते हैं। लक्खीशाह का नाम आते ही उनकी आंखों में चमक आ जाती है। यह गर्व उधार का नहीं है। यह उस पूर्वज का गौरव है, जिसने अपने समय की सबसे बड़ी चुनौती में समाज की ओर से सबसे बड़ा त्याग किया। बच्चे यह कथा किताबों में नहीं, बड़ों की जुबानी सुनते हैं और सीना तानकर बड़े होते हैं।

साझी विरासत: यह प्रसंग हिंदू समाज की साझी विरासत है। सिख पंथ का उदय मुगल अत्याचार से धर्म की रक्षा के लिए हुआ और वह हिंदू धर्म का ही अंग है। कश्मीरी पंडितों ने रक्षा मांगी, गुरु जी ने बलिदान दिया, भाई जैता जी ने शीश आनंदपुर पहुंचाया और एक बंजारे ने देह को सम्मान दिलाया। बंजारा समाज इसी समाज का अंग है।

पीड़ा भी, संकल्प भी: इतिहास का एक कड़वा पन्ना भी है। जिस समाज ने पीढ़ियों तक देश का व्यापार चलाया, उसे अंग्रेजों ने 1871 के आपराधिक जनजाति अधिनियम में जन्म से अपराधी ठहरा दिया। यह कानून 1952 में हटा और समुदायों को विमुक्त कहा गया, पर सम्मान और अवसर की लड़ाई आज भी अधूरी है। कई घुमंतू परिवार अब भी शिक्षा, स्वास्थ्य और स्थायी रोजगार से दूर हैं।

संघ और सेवा भारती- बस्ती-बस्ती तक सेवा: इस कमी को भरने का काम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक और सेवा भारती जैसे संगठन कर रहे हैं। वे उन बस्तियों तक पहुंचते हैं, जहां आम तौर पर कोई नहीं पहुंचता। शाम की पाठशालाओं और संस्कार केंद्रों में पढ़ाई से छूटे बच्चे लौटते हैं। स्वास्थ्य शिविर लगते हैं। महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई और हस्तशिल्प का प्रशिक्षण मिलता है और स्वयं सहायता समूह बनते हैं। स्वयंसेवक आधार, बैंक खाता और प्रमाणपत्र बनवाने में परिवारों की मदद करते हैं, ताकि वे सरकारी योजनाओं तक पहुंच सकें। यह सेवा किसी जाति या पंथ को देखकर नहीं होती। मकसद इतना है कि हर परिवार सम्मान के साथ अपने पैरों पर खड़ा हो, यानी स्वावलंबी बने। लक्खीशाह ने चुपचाप सेवा की थी, स्वयंसेवक भी उसी प्रकार मौन तपस्वी बनकर सम्पूर्ण समाज की सेवा कर रहे है।

उप्र 2027: सत्ता की परीक्षा, समीकरणों की अग्निपरीक्षा

उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2027 का विधानसभा चुनाव अभी कई महीने दूर है, लेकिन सत्ता की बिसात बिछ चुकी है। 403 विधानसभा सीटों वाला उत्तर प्रदेश केवल एक राज्य का चुनाव नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने वाला निर्णायक राजनीतिक रणक्षेत्र है। इसीलिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सक्रियता, भाजपा संगठन में बदलाव, अखिलेश यादव की राजनीतिक रणनीति, विपक्षी दलों के संभावित गठजोड़ और मुस्लिम मतदाताओं को लेकर बन रहे नए समीकरण-सभी पर देश की निगाहें टिकी हैं।

(ललित गर्ग)

सबसे पहले भाजपा की स्थिति को देखें तो उसके सामने सबसे बड़ी ताकत योगी आदित्यनाथ का नेतृत्व और सरकार की उपलब्धियों का दावा है। कानून-व्यवस्था, बुनियादी ढांचे, एक्सप्रेस-वे, धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के विकास तथा केंद्र-राज्य की योजनाओं को भाजपा चुनावी मुद्दा बनाने की तैयारी में है।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2027 का विधानसभा चुनाव अभी कई महीने दूर है, लेकिन सत्ता की बिसात बिछ चुकी है। 403 विधानसभा सीटों वाला उत्तर प्रदेश केवल एक राज्य का चुनाव नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने वाला निर्णायक राजनीतिक रणक्षेत्र है। इसीलिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सक्रियता, भाजपा संगठन में बदलाव, अखिलेश यादव की राजनीतिक रणनीति, विपक्षी दलों के संभावित गठजोड़ और मुस्लिम मतदाताओं को लेकर बन रहे नए समीकरण-सभी पर देश की निगाहें टिकी हैं। प्रश्न है कि योगी की मजबूत पकड़ के सामने विपक्ष की चुनौती, मुस्लिम मतों से आगे हिंदू मतदाताओं की बदलती मनोदशा निर्णायक बन पायेगी? प्रश्न यह भी है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का चेहरा एवं योजनाएं भी क्या प्रदेश का राजनीतिक नेतृत्व एवं भाग्य रचने में सहायक होगी?

सबसे पहले भाजपा की स्थिति को देखें तो उसके सामने सबसे बड़ी ताकत योगी आदित्यनाथ का नेतृत्व और सरकार की उपलब्धियों का दावा है। कानून-व्यवस्था, बुनियादी ढांचे, एक्सप्रेस-वे, धार्मिक एवं



सांस्कृतिक स्थलों के विकास तथा केंद्र-राज्य की योजनाओं को भाजपा चुनावी मुद्दा बनाने की तैयारी में है। योगी का दावा है कि 2027 का मुकाबला '80 बनाम 20' के रूप में होगा और भाजपा गठबंधन 300 से अधिक सीटें जीतेगा। लेकिन चुनावी राजनीति में दावे और वास्तविक जनभावना के बीच अंतर होता है। इसलिए भाजपा के लिए चुनौती केवल अपनी उपलब्धियां गिनाना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि सत्ता-विरोधी भावना उसके पारंपरिक सामाजिक आधार में सेंध न लगाए।

भाजपा की रणनीति में इस बार मुस्लिम समाज के भीतर पहुंच बनाने का प्रयास भी स्पष्ट दिखाई देता है। अगस्त 2026 में पार्टी की राष्ट्रीय टीम में उत्तर प्रदेश के दो मुस्लिम नेताओं-पूर्व अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. तारिक मंसूर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और कुंवर बासित अली को राष्ट्रीय अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई। राजनीतिक विश्लेषकों ने इसे 2027 से पहले भाजपा की पसमांदा तथा मुस्लिम समाज के कुछ वर्गों तक पहुंच बढ़ाने की रणनीति से जोड़ा है। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश में मुस्लिम आबादी 19.26 प्रतिशत थी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश और कुछ अन्य क्षेत्रों में उनका चुनावी प्रभाव कई सीटों पर निर्णायक हो सकता है। लेकिन भाजपा के लिए चुनौती यह है कि मुस्लिम मतों में सेंध लगाना जितना कठिन है, उससे कहीं अधिक कठिन अपने हिंदू सामाजिक आधार को एकजुट बनाए रखना हो सकता है।

यहीं चुनाव का दूसरा और शायद अधिक महत्वपूर्ण पक्ष सामने आता है। मुस्लिम मतों के ध्रुवीकरण की चर्चा के साथ हिंदू मतदाताओं के भीतर बदलती प्राथमिकताओं को भी समझना होगा। मतदाता केवल जाति और धर्म के आधार पर मतदान नहीं करता। रोजगार, महंगाई, किसान, शिक्षा, युवाओं के अवसर, स्थानीय विधायक की छवि, प्रशासनिक व्यवहार और विकास की वास्तविक पहुंच भी चुनावी निर्णय को प्रभावित करते हैं। इसलिए 2027 का चुनाव केवल '80 बनाम 20' के राजनीतिक आख्यान से समझना शायद पर्याप्त नहीं होगा। समाजवादी पार्टी के लिए सबसे बड़ा अवसर यही है। अखिलेश यादव 2024 के लोकसभा चुनाव में बने सामाजिक समीकरणों को विधानसभा स्तर तक मजबूत करना चाहेंगे। पीडीए-पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक का फार्मूला भाजपा के गैर-यादव पिछड़े और दलित मतदाताओं में सेंध लगाने की कोशिश करेगा। सपा के सामने चुनौती यह है कि वह अपने सामाजिक समीकरण को केवल चुनावी नारा न रहने दे, बल्कि बूथ स्तर पर संगठन और उम्मीदवार चयन के माध्यम से उसे वास्तविक राजनीतिक शक्ति में बदल सके। बसपा की भूमिका को भी नजरअंदाज करना भाजपा और सपा दोनों के लिए जोखिम भरा होगा। यदि मायावती दलित मतदाताओं के अपने पुराने आधार को पर्याप्त रूप से सक्रिय कर पाती हैं, तो कई सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबला परिणाम बदल सकता है। कांग्रेस की स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर दिखाई देती है, लेकिन यदि वह सपा के साथ तालमेल बनाकर लड़ती है तो विपक्षी मतों के बिखराव को कुछ हद तक रोक सकती है। लेकिन यहां पूर्व के अनुभवों के आधार पर सपा कांग्रेस से तालमेल करने से पहले फूंक-फूंक कर कदम उठा रही है। भाजपा के सामने दूसरी चुनौती अपने गठबंधन और सामाजिक समीकरणों को संतुलित रखने की है। निषाद पार्टी, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) तथा अन्य सहयोगी दलों की अपेक्षाएं, टिकट वितरण और क्षेत्रीय नेतृत्व की महत्वाकांक्षाएं चुनाव के समय महत्वपूर्ण हो सकती हैं। भाजपा का मजबूत संगठन इन मतभेदों को नियंत्रित कर सकता है, लेकिन टिकट वितरण में छोटी-सी चूक भी कुछ क्षेत्रों में बड़े राजनीतिक नुकसान का कारण बन सकती है। अमित शाह की सक्रियता भी इस चुनाव की गंभीरता को रेखांकित करती है। उत्तर प्रदेश में भाजपा की रणनीति केवल लखनऊ से नहीं, बल्कि दिल्ली के केंद्रीय नेतृत्व की निगरानी में तैयार होने की संभावना है। दूसरी ओर योगी आदित्यनाथ की अपनी लोकप्रियता और प्रशासनिक छवि भाजपा के लिए सबसे बड़ा स्थानीय चुनावी चेहरा है।

इसलिए वास्तविक चुनौती यह होगी कि योगी का नेतृत्व और केंद्रीय संगठनात्मक रणनीति कितनी प्रभावी तरह से एक-दूसरे के साथ तालमेल बैठाते हैं। इस चुनाव का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष यही होगा कि 2027 में उत्तर प्रदेश का मतदाता क्या चुनता है-स्थिरता और निरंतरता या परिवर्तन की आकांक्षा। भाजपा के पास संगठन, सत्ता, योगी का चेहरा और व्यापक चुनावी मशीनरी है। विपक्ष के पास सत्ता-विरोधी भावना, सामाजिक न्याय का मुद्दा और भाजपा के खिलाफ विभिन्न वर्गों को एकजुट करने की संभावना है। इसलिए अभी किसी एक दल की जीत को निश्चित मानना जल्दबाजी होगी। भाजपा के लिए 300 पार का लक्ष्य आसान नहीं होगा, लेकिन उसे कमजोर समझना भी विपक्ष की भूल होगी। सपा के सामने अवसर बड़ा है, लेकिन उसे अवसर को जीत में बदलने के लिए सामाजिक समीकरण के साथ संगठनात्मक मजबूती भी दिखानी होगी।

ऐतिहासिक गांव कनियान का स्थापना दिवस धूमधाम के साथ मनाया



शामली। पौरिया खाप के ऐतिहासिक गांव कनियान का 1086वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एमएलसी मोहित बेनीवाल शामिल हुए। उन्होंने ग्रामीणों से संवाद करते हुए गांव के गौरवशाली इतिहास, सामाजिक परंपराओं, आपसी भाईचारे और ग्रामीण विकास पर विचार रखे। मोहित बेनीवाल ने कहा कि पौरिया खाप जैसी सामाजिक परंपराएं हमारी सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकता की आधारशिला हैं। इन परंपराओं ने सदियों से समाज को जोड़ने और आपसी सहयोग एवं भाईचारे को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गांव केवल रहने का स्थान नहीं, बल्कि संस्कृति, संस्कार, इतिहास और सामूहिक पहचान का केंद्र होते हैं। कनियान गांव की 1086 वर्षों की ऐतिहासिक यात्रा पूर्वजों के संघर्ष, त्याग और योगदान की प्रतीक है।कार्यक्रम में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं एवं प्रतिभाशाली युवाओं को सम्मानित किया गया। मोहित बेनीवाल ने कहा कि शिक्षित और संस्कारित युवा ही समाज एवं राष्ट्र के भविष्य की नींव हैं। प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने से युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। इस दौरान गांव के संस्थापक रतन सिंह पौरिया और पूर्वजों के योगदान को भी याद किया गया। कार्यक्रम का संचालन लोकेंद्र ने किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक तेजेंद्र निर्वाल, जिपं सदस्य अरविंद पंवार, अश्विनी पंवार, एलम चेयरमैन, कपिल पंवार मौजूद रहे।

शामली के विभिन्न मंदिरों में हुई गोवर्धन पूजा, अन्नकूट का प्रसाद वितरित

शामली। मंगलवार को जिलेभर के विभिन्न मंदिरों में गोवर्धन पूजा पर अन्नकूट भंडारों का आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं ने लंबी लंबी लाईनों में लगकर प्रसाद ग्रहण कर धर्मलाभ उठाया। इस दौरान मंदिरों में श्रीकृष्ण पूजा, गौ पूजा करते हुए अन्नकूट का छप्पन भोग लगाया गया। वही सामूहिक भोज कर मिष्ठान भी वितरित किया। मंगलवार को शहर के रेशमी कटहरा स्थित गंगा मंदिर में गोवर्धन पूजा और अन्नकूट भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे का शुभारंभ कन्याओं को भोजन कराने के साथ किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में वार्ड सभासद रोबिन गर्ग और उनकी पत्नी मालिनी गर्ग रही। इस दौरान शहर तथा आसपास क्षेत्रों से पहुंचे सैकडों लोगों प्रसाद ग्रहण कर धर्मलाभ उठाया। इस अवसर पर शौर्य,. गोलू, रक्षित, भूमिक, आदित्य, सत्यांश, दक्ष, अंश, विशाल, प्रियांश, मृदुल, मांगेराम शर्मा, अनुराग, हर्षित, देवांश, मोहित आदि मौजूद रहे। इसके अलावा शहर के मौहल्ला पंसारियान स्थित गढमुक्तेश्वर महादेव शिव मंदिर में गोवर्धन पूजा पर अन्नकूट भंडारे का आयोजन किया गया। इससे पूर्व मंदिर के पुजारी ने पूजन कराया।



जिसके बाद प्रसाद वितरित किया गया। शहर के पुरानी सब्जी मंडी स्थित अटठेवाला देवी मंदिर भी गोवर्धन पूजा के अवसर पर अन्नकुट भंडारे का आयोजन किया गया।

भंडारे से पूर्व पंडित शिवम शर्मा ने पूजा अर्चना कराई। इस दौरान सैकडों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सागर गर्ग, पंडित प्रदीप शर्मा, आकाश गर्ग, हिमांशु, विनीत नामदेव, शिवम गर्ग, अमन गर्ग, अजय गुप्ता, सौरभ गुप्ता आदि मौजूद रहे। शहर के बडी माता मंदिर में अन्नकूट भंडारे का आयोजन किया गया। इससे पूर्व मंदिर में विशेष पूजा अर्चना की गई। गोर्वधन पूजा के बाद मुख्य अतिथि रालोद प्रदेश महासचिव विजय कौशिक ने भंडारे का शुभारंभ किया। मौके पर मुकेश गोयल, देवानंद गौड, नीरज संगल, राजू त्यागी आदि मौजूद रहे। शहर के मौहल्ला बडीआल स्थित शिव मंदिर में अन्नकुट भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें सैकडों लोगों ने प्रसाद ग्रहण कर धर्मलाभ उठाया। इस अवसर पर रजत निर्वाल, सुभाषचंद गर्ग, श्रीपाल गोयल, प्रवीन निर्वाल, सजल गर्ग, सुधीर निर्वाल, रोहित निर्वाल, अक्षय निर्वाल, शिवम, देवाशीष आदि मौजूद रहे। वही दूसरी ओर शहर के कस्बा बनत स्थित वृहद गौशाला में गोवर्धन पूजा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संचालक दिनेश कुमार, नगर पंचायत से ओम सिंह, दिपेन्द्र कुमार आदि मौजूद रहे।

पटाखे छुड़ाने से शामली में प्रदूषण बढ़ा, लोगों को हुई परेशानी

शामली। एनजीटी के आदेश पर शासन प्रशासन की ओर से लगाई गई पाबंदी के बावजूद जिले में जमकर पटाखे जलाए जाने से पूरे शहर में वायु प्रदूषण बढ़ गया। मंगलवार को दिनभर आसमान में वायु प्रदूषण छाया रहा और जहरीली हवा चलने से लोगों को सांस लेने में दिक्कते हुई। प्रदूषित वायु के कारण दमा के मरीजों को सबसे अधिक परेशानियां हुई है। वायु गुणवत्ता सूचकांक बढ़ कर 285 पर पहुंच गया, जो बेहद खराब स्थिति में है। एनसीआर में लगातार बढ़ते वायु प्रदूषण को देखते हुए एनजीटी ने दीवाली पर पटाखों पर रोक लगा दी थी। एनजीटी के आदेश का पालन करते हुए शासन और प्रशासन ने ग्रीन पटाखों का प्रयोग करने और सहशर्त अनुमति दी थी। मगर, लोगों की जोश के आगे यह पाबंदी सफल नहीं हो सकी। इस साल दीपावली दो दिन मनाने से पटाखे भी ज्यादा छोडे गए। पहले छोटी दीपावली रात्रि को ही पटाखे जलाए जाने से इस बात का संकेत



मिल गया था कि बड़ी दिवाली पर पटाखे जलाए जाएंगे।

रविवार और सोमवार को भी दो दिनों तक नागरिकों ने जमकर आतिशबाजी की। रात्रि 8 बजे से लेकर तडके तक शहर में पटाखे जलाए गए। देहात और ग्रामीण क्षेत्रों में भी आतिशबाजी हुई। आतिशबाजी होने से पटाखों के धुएं से वायु प्रदूषण भी बढ़ गया है, जिससे हवा और अधिक जहरीली हो गई है। दीपावली से कुछ दिन पहले जो वायु गुणवत्ता सूचकांक 180 पर था, वो पटाखे जलाए जाने के बाद बुधवार का 285 पर पहुंच गया, जो बेहद खराब स्थिति में है।

मंगलवार को दिनभर आसमान में वायु प्रदूषण छाया रहा। तेज धूप निकलने के बावजूद धूंये की चादर छाई हुई थी। जहरीली हवा होने से लोगों को सांस लेने में दिक्कते हुई। गले में खरास महसूस हुई। सबसे अधिक परेशान दमा के मरीजों को हुई। जिनको चिकित्सकों की सलाह लेनी पडी। चिकित्सकों ने बढते वायु प्रदूषण को देखते हुए बाजार में मास्क लगाकर निकलने की सलाह दी है।

भैयादूज पर बसों में उमड़ी यात्रियों की भीड़, सीटों के लिए मची मारामारी

बसों के फेरे बढ़ाने के दावों के बावजूद यात्रियों को करना पड़ा इंतजार, डग्गामार वाहनों ने वसूला मनमाना किराया

शामली। भैयादूज पर्व पर भाई-बहनों के बीच आवागमन के चलते मंगलवार को बसों और ट्रेनों में यात्रियों की भारी भीड़ रही। रोडवेज बस स्टैंड पर यात्रियों की मारामारी मची रही। हालात ऐसे रहे कि बसों में यात्रियों को बैठने तक की जगह नहीं मिल सकी। बसों के इंतजार में यात्रियों को काफी देर तक खड़ा रहना पड़ा। वहीं, भीड़ का फायदा उठाकर डग्गामार वाहन चालकों ने यात्रियों से मनमाना किराया वसूला। भैयादूज पर्व मनाने के लिए विवाहित बहनों का भाइयों के घर पहुंचने का सिलसिला मंगलवार से ही शुरू हो गया था। इसके चलते शहर की सड़कों से लेकर रोडवेज बस स्टैंड तक यात्रियों की भीड़ दिखाई दी। दिनभर भाई-बहनों का एक-दूसरे के घर आने-जाने का सिलसिला जारी रहा। ट्रेनों में भी आम दिनों के मुकाबले यात्रियों



की संख्या अधिक रही। परिवहन विभाग की ओर से शामली डिपो में 41 अनुबंधित बसों का संचालन किया जा रहा है। सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, दिल्ली, मेरठ और पानीपत रूट पर यात्रियों की संख्या बढ़ने के बाद विभाग ने बसों के अतिरिक्त फेरे लगाने का दावा किया। इसके बावजूद यात्रियों को समय से बसें नहीं मिल सकीं। कई यात्री बसों के इंतजार में काफी देर तक खड़े रहे। वहीं, रोडवेज बसों में जगह नहीं मिलने के कारण यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ी।

इसका फायदा डग्गामार वाहन चालकों ने उठाया और यात्रियों से मनमाना किराया वसूला। निजी बसों में भी यात्रियों को बैठने तक की पर्याप्त सुविधा नहीं मिल सकी। भीड़ के कारण दैनिक यात्रियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा।

राष्ट्रीय लोकदल कार्यालय में नवनियुक्त महानगर अध्यक्ष विवेक कुमार बाफर एवं क्षेत्रीय समिति के सदस्यों का भव्य अभिनंदन समारोह आयोजित

मेरठ। राष्ट्रीय लोकदल पार्टी कार्यालय पर जिलाध्यक्ष और जिला समिति द्वारा नव नियुक्त महानगर अध्यक्ष विवेक कुमार बाफर और क्षेत्रीय समिति के सदस्यों का अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया।रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह जी, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष अनुपम मिश्रा एवं क्षेत्रीय अध्यक्ष तरसपाल मलिक द्वारा विवेक कुमार बाफर को महानगर अध्यक्ष पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है इस जिम्मेदारी को 2027 के मद्देनजर महत्वपूर्ण दृष्टि से देखा जा रहा है' इससे पूर्व भी नवनियुक्त महानगर अध्यक्ष विवेक कुमार बाफर द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा दिल्ली तक हुई थी। विवेक कुमार बाफर राष्ट्रपति पुरस्कृत है उनके द्वारा चौधरी चरण सिंह पर लिखी गई पुस्तक की जयंत चौधरी ने प्रशंसा की



है' अभिनंदन समारोह में डॉक्टर राजकुमार सांगवान सांसद विधायक सिवाल खास गुलाम मोहम्मद आयोग सदस्य नरेंद्र खजूरी जिला अध्यक्ष अनिकेत भारद्वाज द्वारा नवनियुक्त महानगर अध्यक्ष विवेक कुमार बाफर का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए डॉक्टर राजकुमार सांगवान ने कहा संगठन सशक्त और मजबूत हो इसके लिए शीर्ष नेतृत्व लगातार संगठन में मजबूत पदाधिकारियों की नियुक्ति कर रहा है। विवेक कुमार बाफर को शुभकामनाएं देते हुए सांसद महोदय ने कहा कि नव नियुक्त महानगर अध्यक्ष लोकदल की और चौधरी चरण सिंह जी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे। ऐसा उन्हें विश्वास है। इस अवसर पर बोलते हुए विधायक सिवाल खास श्री गुलाम मोहम्मद ने कहा कि विवेक कुमार बाफर एक बहुत प्रतिभावान राष्ट्रपति पुरस्कृत युवा हैं और ऐसे पढ़े लिखे नौजवानों की संगठन में बेहद आवश्यकता है। इस अवसर पर नव नियुक्त महानगर अध्यक्ष विवेक कुमार बाफर को जिला अध्यक्ष अनिकेत भारद्वाज आयोग सदस्य नरेंद्र खजूरी सामाजिक न्याय मंच की प्रदेश अध्यक्ष कु संगीता दोहरे राष्ट्रीय पदाधिकारी विनय प्रधान पूर्व जिला अध्यक्ष मतलूब गौड़ वरिष्ठ नेता आतिर रिजवी किसान प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय अध्यक्ष संजय पनवाड़ी नरेश मल्लापुर विश्वास प्रमुख खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष दीपक तोमर सहित गणमान्य लोगों ने अपने विचार रखते हुए बधाई दी।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष कु संगीता दोहरें ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ विवेक कुमार बाफर को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया'

कार्यक्रम का संचालन सुधीर चौधरी ने किया।

इस अवसर पर पार्टी कार्यालय पर विनय मल्लापुर ओंकार भदौड़ा नईम सागर अंकुश डाबका सरदार दिलप्रीत जिला पंचायत सदस्य प्रताप लोहिया रणवीर ढैया रविभारत चिकारा प्रधान नौशाद सिसौला जफर अहमद अभिमन्यु लालसाना हेमंत प्रधान बाबूराम प्रजापति सतीश त्यागी ज्योति कुमारी आदि उपस्थित रहे।

अवैध तमंचे और कारतूस के साथ एक युवक गिरफ्तार

संदिग्ध व्यक्ति और वाहन चेकिंग अभियान के दौरान शहर कोतवाली पुलिस ने की कार्रवाई

शामली। शहर कोतवाली पुलिस ने संदिग्ध व्यक्ति एवं वाहन चेकिंग अभियान के दौरान एक युवक को अवैध तमंचे और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 315 बोर का तमंचा बरामद किया है। मंगलवार को पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह के निर्देश पर जिलेभर में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग का अभियान चलाया गया। इसी अभियान के तहत शहर कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए



उत्तम उर्फ मूसा निवासी गांव सिभालका को गिरफ्तार कर लिया। वही पुलिस ने बताया कि युवक की तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से 315 बोर का एक अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस ने बरामद हथियार को कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। इसके बाद आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

मां काली के दरबार में उमड़ा बंगाली समाज, भाजपा नेता ने कहा- 'मेरठ की तरक्की का मजबूत स्तंभ है बंगाली समुदाय'

मेरठ। मेरठ से सौहार्द और विकास के संकल्प की एक बेहद खूबसूरत तस्वीर सामने आई है। जनपद में बंगाली समाज द्वारा आयोजित मां काली की भव्य पूजा-अर्चना के दौरान पूरा समुदाय एकजुट नजर आया, जहां समाज के गौरव और शहर के विकास को लेकर एक सकारात्मक संदेश दिया गया। दरअसल, मेरठ में बंगाली समाज द्वारा आयोजित इस पावन कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व शहर विधानसभा प्रत्याशी कमलदत्त शर्मा को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। इस दौरान पूरे बंगाली समाज ने उनका जोरदार और हार्दिक अभिनंदन किया। मंच से संबोधित करते हुए भाजपा नेता ने बंगाली समाज की समृद्ध संस्कृति और मेहनत की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने समाज का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि जिस तरह बंगाली समाज ने कोलकाता में अपनी पहचान बनाई है, उसी तरह वे मेरठ में भी अपने कारोबार को दिन दोगुनी-रात चौगुनी तरक्की पर ले जाएं। उन्होंने भरोसा दिया कि पूरा मेरठ उनके साथ खड़ा है और वे सभी सच्चे मेरठ वासी हैं। इस दौरान आयोजकों ने आगामी त्योहारों को भी इसी तरह धूमधाम से मनाने का संकल्प लिया। साथ ही, राष्ट्र और प्रदेश के निरंतर विकास के लिए विधानसभा चुनाव 2027 में एक बार फिर भाजपा की मजबूत सरकार बनने का विश्वास जताया गया।

दो दिन से होश नहीं आया, पुलिस ने अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं की, अस्पताल से पीड़ित के परिजन ने लगाई न्याय की गुहार

गाजियाबाद। जानलेवा हमले में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति के परिजन ने अस्पताल से वीडियो बाइट जारी कर पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। परिजन का कहना है कि हमले के बाद से पीड़ित को दो दिन बीत जाने के बावजूद होश नहीं आया है जबकि मामले में अभी तक किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

अस्पताल से जारी वीडियो में भावुक परिजन ने कहा कि पीड़ित की हालत बेहद गंभीर है उसे दो दिन से होश नहीं आया है लेकिन पुलिस ने अभी तक हमलावरों के खिलाफ गिरफ्तारी की कार्रवाई नहीं की है। परिजन ने वीडियो बाइट में कहा उसको दो दिन से होश नहीं आया है लेकिन पुलिस की तरफ से अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। मेरी आप सभी लोगों से विनती है कि मुझे न्याय मिले और जिन लोगों ने उस पर जानलेवा हमला किया है उनको ऐसी सजा मिलनी चाहिए जिससे दोबारा कोई ऐसा अपराध करने की हिम्मत न कर सके। परिजन ने आम लोगों से भी न्याय दिलाने में सहयोग की अपील की है उनका कहना है कि परिवार इस समय बेहद मुश्किल दौर से गुजर रहा है और पीड़ित की हालत को लेकर सभी चिंतित हैं। फिलहाल घायल व्यक्ति अस्पताल में भर्ती है परिजन पुलिस से जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं।

दहेज हत्या के मामले में सास और देवर गिरफ्तार

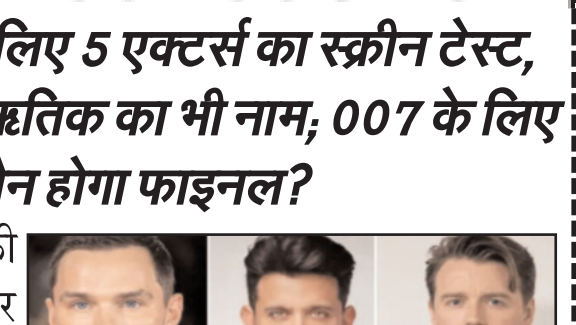
9 नवंबर को दर्ज हुआ था मुकदमा, पुलिस ने दोनों आरोपियों को भेजा जेल



शामली। शहर कोतवाली पुलिस ने दहेज हत्या के मामले में वांछित चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में मृतका की सास और देवर शामिल हैं। पुलिस ने दोनों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, गत 9 नवंबर को शहर कोतवाली क्षेत्र में दहेज हत्या का मामला सामने आया था। मृतका के परिजनों ने कोतवाली में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में मंगलवार को शहर कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए वांछित नितिन पुत्र राजकुमार और सुशीला पत्नी राजकुमार निवासी ग्राम कंडेला, थाना कोतवाली शामली को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया।

रंग संसार

जेम्स बॉन्ड के लिए 5 एक्टर्स का स्क्रीन टेस्ट, फैंस ने सुझाया ऋतिक का भी नाम; 007 के लिए कौन होगा फाइनल?



नई दिल्ली। अमेरिकी फिल्म और टेलीविजन निमार्ता अमेजन एमजीएम स्टूडियो ने जेम्स बॉन्ड की अगली फ्रेंचाइजी के लिए भारी-भरकम कीमत चुकाई है। हालांकि, एक लंबे समय से फैंस इसी इंतजार में बैठे हैं कि नया 007 कौन होगा। बीते महीने ही हमने आपको ये बताया था कि आइकॉनिक फिक्शन किरदार जेम्स बॉन्ड के लिए स्क्रीन टेस्ट शुरू हो गए है। रिपोर्ट्स की मानें तो, जेम्स बॉन्ड की अगली कड़ी में डेनियग क्रेग की जगह लेने के लिए 5 हॉलीवुड एक्टर्स ने स्क्रीन टेस्ट दिया है। जिसमे फैंस ने भी अपना इनपुट दिया और बताया कि उनके हिसाब से कौन सा सितारा अगला जेम्स बॉन्ड बनने के लिए परफेक्ट है। द फर्स्ट पोस्ट की एक खबर के मुताबिक, जेम्स बॉन्ड बनने की रेस और भी तेज हो गई है। 007 के लिए जिन पांच हॉलीवुड एक्टर्स ने स्क्रीन टेस्ट दिया है, उनमें रॉबर्ट पैटिनसन, निकोलस हॉल्ट , जैक लोडेन, जोश ऑ कॉर्नर और कैलम टर्नर का नाम शामिल है। निमार्ताओं की मानें तो जेम्स बॉन्ड के किरदार के लिए इन्हीं पांच अभिनेताओं में से एक को चुना जा सकता है।फैंस ने जेम्स बॉन्ड के लिए बताई बेस्ट च्वाइस सोशल मीडिया पोस्ट पर कमेंट करते हुए 007 के फैंस ने अपनी इच्छा जाहिर करते हुए बताया कि उनके मुताबिक कौन अगला जेम्स बॉन्ड बनने के योग्य है। एक यूजर ने लिखा, "निकोलस हॉल्ट जेम्स बॉन्ड के लिए बिल्कुल परफेक्ट हैं।" दूसरे यूजर ने लिखा, "मुझे लगता है कि जैक लोडेन ही डेनियल क्रेग की जगह ले सकते हैं। अन्य यूजर ने लिखा, "एक बार मैंने कहा था कि निकोलस हॉल्ट ही अगले जेम्स बॉन्ड होंगे। मुझे लगता है कि हमारी ये मेनिफेस्टेशन जल्दी सच होने वाली है।" अधिकतर लोगों का मानना है कि या तो निकोलस हॉल्ट या फिर जैक लोडेन में से ही किसी को अगला जेम्स बॉन्ड बनना चाहिए। हालांकि, 007 को पसंद करने वाले कई इंडियन फैंस का ये भी मानना है कि जेम्स बॉन्ड फ्रेंचाइजी फिल्म के निर्देशक डेनिस विलेन्यूवे ऋतिक रोशन को भी टक्6 एजेंट बनाने पर विचार कर सकते हैं।

राज काज

दुबई में 21 साल की भारतीय छात्रा की मौत, टायर पंचर के बाद सड़क किनारे खड़ी थी महिला; तेज रफ्तार गाड़ी ने रौंदा

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के शहर दुबई में एक बड़ा सड़क हादसा हो गया है। इस हादसे में 21 वर्षीय भारतीय छात्रा की मौत हो गई। यह घटना तब हुई जब उसकी कार का टायर पंचर हो गया था। कैनेडियन यूनिवर्सिटी दुबई में आर्किटेक्चर की फाइनल ईयर की छात्रा, नाइफा बल्कीस हमीद, अपनी कार के बाहर खड़ी होकर मदद मांग रही थी, तभी अल खवानीज स्ट्रीट पर एक तेज रफ्तार गाड़ी ने उसे टक्कर मार दी। 'गल्फ न्यूज' की रिपोर्ट के मुताबिक, हादसे से कुछ पल पहले ही हमीद अपने पिता से फोन पर बात कर रही थी। वह यूनिवर्सिटी जा रही थी और उसने अपने पिता को टायर पंचर होने के बारे में बताया था। भारतीय छात्रा के पिता, बिनु हमीद, जो एक पारिवारिक कार्यक्रम के सिलसिले में भारत में थे, उन्होंने उसे सलाह दी कि वह रोडसाइड असिस्टेंस को बुलाए, अपनी कार को वर्कशॉप भेज दे और कॉलेज जाने के लिए टैक्सी ले ले। अखबार से बातचीत में हमीद के चाचा ने बताया कि करीब पांच मिनट बाद उसके पिता ने उसे फिर से फोन किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद परिवार के पास दुबई पुलिस का फोन आया, जिसमें उन्हें हमीद की मौत की खबर की जानकारी मिली। पुलिस ने परिवार को बताया कि हमीद अपनी कार के पीछे खड़ी थी, तभी एक तेज रफ्तार गाड़ी ने उसे कुचल दिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। परिवार ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली है कि तेज रफ्तार गाड़ी के ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की जांच चल रही है। हमीद के चाचा ने अखबार से बातचीत में बताया, वो हाल ही में अपने परिवार के साथ शादी में शामिल होने केरलम गई थी। शादी के कार्यक्रमों के लिए उसके पिता, भाई और भाभी वहीं रुक गए, जबकि हमीद अपनी मां सीमा के साथ वापस दुबई लौट आई, ताकि वह अपनी क्लास अटेंड कर सके। युवती के चाचा ने बताया कि केरलम के थोडुपुझा की रहने वाली हमीद का परिवार अपनी बेटी की उच्च शिक्षा के लिए दुबई जाकर बस गया था।

दैनिक राशिफल बुधवार 11 नवम्बर 2026

मेष – कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा।

वृष – अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। सम्पत्ति से लाभ।

मिथुन : कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढड्ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा।

कर्क – कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुखदायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी

सिंह– रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मनोविनोद बढ़ेगे। व्याधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा।

कन्या – धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। स्थान परिवर्तन की संभावना हैं।

तुला – पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का योग है।

वृश्चिक – अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें।

धनु – हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। परिवारजन का सहयोग काम को बनाना आसान करेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा।

मकर – परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। आर्थिक लाभ के लिए किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेंगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी।

कुंभ – विद्यार्थियों को लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। पारिवारिक विवाद टालें। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।

मीन – शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा।

दैनिक पंचांग

11 नवम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



बुधवार 2026 वर्ष का 315 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास कार्तिक **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वितीया 15.54 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अनुराधा 11.38 बजे को समाप्त।
योग अतिगण्ड 03.41 बजे रात्र को समाप्त। **करण** कौलव 15.54 बजे तदनन्तर तैतिल 04.59 बजे को समाप्त।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	06.40 ब.से
चंद्र	वृश्चिक में	धनु	08.56 बजे से
मंगल	कर्क में	मकर	11.01 बजे से
बुध	तुला में	कुंभ	12.48 बजे से
गुरु	सिंह में	मीन	14.21 बजे से
शुक्र	कन्या में	मेष	15.51 बजे से
शनि	मीन में	वृष	17.31 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	19.29 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	21.43 बजे से
राहुकाल		सिंह	23.59 बजे से
12.00 से 1.30		कन्या	02.11 बजे से
बजे तक		तुला	04.22 बजे से

चन्द्रायु 1.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 17° 22'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872890
जूलियन दिन 2461355.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना जमादि उलावल **तारीख** 30
विशेष भाई दूज, यम द्वितीया, चित्रगुप्त पूजा।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से 07.22	बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12	बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51	बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44	बजे तक
काल	08.15 से 10.19	बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16	बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47	बजे तक	चर	10.16 से 11.47	बजे तक
रोग	11.47 से 01.16	बजे तक	रोग	11.47 से 01.19	बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44	बजे तक	काल	01.19 से 02.51	बजे तक
चर	02.44 से 04.12	बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23	बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41	बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

मुजफ्फरनगर में अन्नकूट महोत्सव की धूम: भक्तिभाव और श्रद्धा के साथ मंदिरों में उमडे श्रद्धालु, महाप्रसाद का वितरण

धार्मिक अनुष्ठान, पूजा-अर्चना और महाआरती का पूरे दिन चला दौर

मुजफ्फरनगर। दीपावली के पावन पंचपर्व श्रृंखला के चतुर्थ पुष्प 'अन्नकूट/गोवर्धन पूजा' के अवसर पर जनपद मुजफ्फरनगर के विभिन्न प्रमुख मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर भव्य अन्नकूट महोत्सव एवं भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान मंदिरों में सुबह से ही धार्मिक अनुष्ठान, पूजा-अर्चना और महाआरती का दौर चला। प्रभु को विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का भोग अर्पित करने के बाद हजारों श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव और प्रेम के साथ महाप्रसाद ग्रहण किया।



सदर तहसील शिव मंदिर में महाआरती

मेरठ रोड स्थित सदर तहसील के प्राचीन शिव मंदिर में अन्नकूट पर्व अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधि-विधान से पूजन और महाआरती के साथ हुआ। रालोद के प्रोफेशनल मंच के जिलाध्यक्ष एवं तहसील बार संघ के पूर्व अध्यक्ष, युवा समाजसेवी योगेन्द्र काम्बोज (एडवोकेट) ने मुख्य यजमान के रूप में महाआरती सम्पन्न कराई और तदुपरांत श्रद्धालुओं में भोग प्रसाद का वितरण शुरू कराया। आयोजन को सफल बनाने में दस्तावेज लेखकों, स्टाम्प विक्रेताओं तथा तहसील बार संघ के पदाधिकारियों व सदस्यों ने बढ़-चढ़कर योगदान दिया। कार्यक्रम के दौरान योगेन्द्र काम्बोज, हेमन्त अरोरा, कमरूज्जमा, रवि जैन तथा अशोक त्यागी आदि ने मंदिर परिसर में आने वाले श्रद्धालुओं व अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया। उधर, चरथावल मोड़ पर स्थित सिद्धपीठ श्री शनिधाम मंदिर में अन्नकूट का पर्व परंपरागत धूमधाम और वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार आयोजित किया गया। दोपहर के समय सिद्धपीठ वाले गुरुजी पंडित संजय कुमार मिश्रा, पंडित संतोष मिश्रा एवं शिवा मिश्रा के सांनिध्य में विशेष धार्मिक पूजा-पाठ, अनुष्ठान और महाआरती सम्पन्न हुई। इसके पश्चात भगवान गोवर्धनधारी को विविध प्रकार के अन्नकूट व्यंजनों का भोग अर्पित किया गया। भोग लगने के बाद मंदिर परिसर में विशाल प्रसाद वितरण का आयोजन हुआ, जिसमें आसपास के क्षेत्रों से आए सैकड़ों भक्तों ने प्रसाद पाया।

इस पूरे आयोजन में मंदिर के समर्पित सेवकों का पूर्ण सहयोग रहा।

शामली रोड सत्संग भवन में हवन-पूजन के बाद संतों और भक्तों को कराया भोजन शहर के शामली रोड स्थित सत्संग भवन में भी अन्नकूट महोत्सव श्रद्धापूर्वक आयोजित हुआ। सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। सत्संग भवन के वरिष्ठ ट्रस्टी शिवकुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रातः काल में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भव्य हवन-पूजन सम्पन्न कराया गया। इसके उपरांत ठाकुर जी को अन्नकूट का भोग अर्पित किया गया। भंडारे का शुभारंभ पूज्य संतों को भोजन कराकर किया गया, जिसके बाद आम श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण शुरू हुआ। यहाँ धार्मिक अनुष्ठान पंडित आचार्य प्रवेश एवं सिद्धपीठ वाले गुरुजी पंडित संजय मिश्रा द्वारा विधि-विधान से संपन्न कराए गए।

मुजफ्फरनगर में धूमधाम से मनाया गया गोवर्धन पर्व: सामूहिक प्रसाद वितरण में उमड़े श्रद्धालु, भाईचारे और सौहार्द का संदेश

मुजफ्फरनगर में धूमधाम से मनाया गया गोवर्धन पर्व: सामूहिक प्रसाद वितरण में उमड़े श्रद्धालु, भाईचारे और सौहार्द का संदेशमुजफ्फरनगर। दीपावली पर्व श्रृंखला के अंतर्गत जानसठ रोड स्थित श्रीराम विहार कॉलोनी में गोवर्धन पूजा का पावन पर्व अत्यंत हर्षोल्लास, सामूहिक सद्भाव और भक्तिमय वातावरण के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कॉलोनीवासियों द्वारा संयुक्त रूप से भव्य 'गोवर्धन प्रसाद' वितरण का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय निवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।



एक संग बैठकर ग्रहण किया प्रसाद

आयोजन के दौरान कॉलोनी के सभी परिवारों ने पूर्ण उत्साह और श्रद्धा के साथ सहभागिता निभाई। पूजा-अर्चना के उपरांत सभी निवासियों ने एक साथ बैठकर गोवर्धन का पावन प्रसाद ग्रहण किया। इस सामूहिक आयोजन ने पड़ोसियों के बीच आपसी प्रेम, सौहार्द और पारिवारिक जुड़ाव को और अधिक प्रगाढ़ किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान कॉलोनी परिसर भक्तिमय वातावरण और उत्सव के उल्लास से सराबोर रहा।

पूर्व चेयरमैन अंजू अग्रवाल समेत अनेक गणमान्य रहे मौजूद

कार्यक्रम में समाज और कॉलोनी के अनेक गणमान्य लोगों एवं परिवारों की गरिमामयी उपस्थिति रही। उपस्थित रहे प्रबुद्धजनों ने कहा कि इस प्रकार के सामूहिक आयोजनों से हमारी सामाजिक एकता, सांस्कृतिक धरोहर और पारिवारिक संस्कारों को मजबूती मिलती है। इस अवसर पर अभिषेक अग्रवाल, अश्वनी मित्तल, वंशिका अग्रवाल, पल्लवी मित्तल, भीमसेन कंसल, महेश जिंदल, नरेंद्र जी, पुष्पेंद्र, श्रीमती अंजू अग्रवाल (पूर्व चेयरमैन), जितेंद्र कुच्छल, प्रवीण जी, मोनिका सहित कॉलोनी के अनेक परिवारजन मौजूद रहे।

उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ आयोजन

सभी परिवारों ने मिलकर पर्व की खुशियाँ एक-दूसरे के साथ साझा कीं और इस सामूहिक मिलन का भरपूर आनंद उठाया। अंत में आयोजकों ने सभी का आभार व्यक्त किया। पूरा कार्यक्रम अत्यंत सौहार्दपूर्ण, अनुशासित एवं उल्लासपूर्ण माहौल में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

खालापार पुलिस का वारंटियों के खिलाफ अभियान, पांच गिरफ्तार, दो को वारंट रिकॉल मिलने पर छोड़ा

सुजडू की कुंगर पट्टी और खालापार क्षेत्र में पुलिस ने चलाया अभियान, अलग-अलग न्यायालयों से जारी वारंटों के आधार पर की गई कार्रवाई; हत्या के प्रयास, मारपीट और एनआई एक्ट सहित विभिन्न मामलों में वांछित आरोपियों पर कसा शिकंजा

मुजफ्फरनगर। जनपद में वांछित और न्यायालय से जारी वारंटों के आधार पर फरार चल रहे अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत खालापार पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मचा रहा। हालांकि, कार्रवाई के दौरान दो वारंटी अभियुक्तों के परिजनों ने न्यायालय से वारंट रिकॉल कराए जाने संबंधी आदेश पुलिस को उपलब्ध कराए, जिसके बाद उन्हें मौके पर ही छोड़ दिया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक नगर के पर्यवेक्षण तथा सहायक पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में खालापार पुलिस ने यह अभियान चलाया। पुलिस टीम ने अलग-अलग मामलों में न्यायालय से जारी वारंटों के आधार पर अभियुक्तों की तलाश की और उन्हें हिरासत में लिया।



कुंगर पट्टी सुजडू से उवेश और कैफ गिरफ्तार

पुलिस के अनुसार, कुंगर पट्टी सुजडू निवासी उवेश पुत्र अंजार अहमद और कैफ उर्फ राहिब पुत्र अंजार अहमद को गिरफ्तार किया गया। दोनों के खिलाफ थाना खालापार में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 149/2025 से संबंधित वारंट जारी थे। यह मामला भारतीय न्याय संहिता की धारा 74, 115(2) और 352 के तहत दर्ज है। दोनों को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय में विचाराधीन वाद संख्या 3739/9/26 के संबंध में जारी वारंट के आधार पर पकड़ा गया। मामले में अगली नियत तिथि 8 दिसंबर 2026 है। एनआई एक्ट के मामले में नौमान पकड़ा

पुलिस ने कुंगर पट्टी ग्राम सुजडू निवासी नौमान पुत्र इरशाद को भी गिरफ्तार किया। करीब 38 वर्षीय नौमान के खिलाफ परक्राम्य लिखत अधिनियम (एनआई एक्ट) की धारा 38 के तहत दर्ज मामले में न्यायालय से वारंट जारी था। वह वाद संख्या 391/9/25 में वांछित था। यह मामला न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट संख्या-2 मुजफ्फरनगर में विचाराधीन है, जिसकी अगली सुनवाई की तिथि 27 नवंबर 2026 निर्धारित है। पुलिस ने उसे कुंगर पट्टी सुजडू से गिरफ्तार किया।

जीशान उर्फ खुदरा को वारंट रिकॉल मिलने पर छोड़ा

खालापार थाना क्षेत्र में बबली बर्फखाने के पास एटीएम वाली गली निवासी जीशान उर्फ खुदरा पुत्र अहसान पठान के खिलाफ अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या-4 मुजफ्फरनगर से दो वारंट जारी हुए थे। इनमें एक वारंट वर्ष 2021 के मुकदमा अपराध संख्या 536/2021 में धारा 398 और 401 भारतीय दंड संहिता तथा दूसरा मुकदमा अपराध संख्या 537/2021 में शस्त्र अधिनियम की धारा 4/25 से संबंधित था। दोनों मामलों में अगली नियत तिथि 13 नवंबर 2026 थी।

पुलिस जब जीशान के खिलाफ कार्रवाई कर रही थी, तभी उसके परिजनों ने न्यायालय में उपस्थित होकर वारंट रिकॉल कराए जाने की जानकारी दी। परिजनों ने न्यायालय से जारी वारंट रिकॉल के आदेश भी पुलिस को उपलब्ध करा दिए। दस्तावेजों का अवलोकन करने के बाद पुलिस ने उसे मौके पर ही छोड़ दिया।

मसरूर राणा को भी मिली राहत

ग्राम कुंगर पट्टी सुजडू निवासी मसरूर राणा पुत्र मीरी के खिलाफ भी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मुजफ्फरनगर के न्यायालय से वारंट जारी था। यह वारंट वर्ष 2013 के मुकदमा अपराध संख्या 33/2013 से संबंधित था, जिसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 452, 323, 504 और 506 के तहत मामला दर्ज है। इस मुकदमे की अगली नियत तिथि 4 दिसंबर 2026 थी। पुलिस टीम जब मसरूर के खिलाफ कार्रवाई कर रही थी, तब उसके परिजनों ने न्यायालय से वारंट रिकॉल कराए जाने के आदेश उपलब्ध कराए। न्यायालय के आदेशों का सत्यापन करने के बाद पुलिस ने उसे भी मौके पर छोड़ दिया।

पुलिस टीम में शामिल रहे ये अधिकारी और कर्मचारी

वारंटियों के खिलाफ अभियान में चौकी प्रभारी बहलना उपनिरीक्षक मयंक प्रताप सिंह, उपनिरीक्षक रजनीश बाबू, लोकेन्द्र पाल सिंह और महेन्द्र प्रताप सिंह के साथ मुख्य आरक्षी गिरेन्द्र सिंह, राहुल कुमार तथा आरक्षी राहुल कुमार, सौरभ गौर, अनिल कुमार और स्वतंत्र प्रताप सिंह शामिल रहे। खालापार प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई को न्यायालय से जारी वारंटों की तामील के लिए चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा बताया गया है।

शुक्रताल मेले के लिए भैंसे को कील चुभाकर दौड़ाने की तैयारी: पुलिस ने 6 आरोपियों को किया गिरफ्तार, पशु क्रूरता का मामला दर्ज

पुलिस को देखकर बुग्गी के साथ चलते बाइक और स्कूटी सवार चार अन्य युवकों ने किया भागने का प्रयास

मोरना (मुजफ्फरनगर)। जनपद मुजफ्फरनगर के मोरना क्षेत्र में प्रसिद्ध शुक्रताल (शुकतीर्थ) गंगा स्नान मेले में अवैध भैंसा-बुग्गी दौड़ की तैयारी कर रहे छह शातिर आरोपियों को पुलिस ने रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों पर आरोप है कि भैंसे की गति बढ़ाने के लिए उसे अमानवीय तरीके से नुकीली कील लगी लकड़ी से चुभाया जा रहा था। पुलिस ने मौके से भैंसा-बुग्गी, एक मोटरसाइकिल और एक इलेक्ट्रिक स्कूटी को अपने कब्जे में ले लिया है।



श्रीराम पेट्रोल पंप के पास घेराबंदी कर पुलिस ने दबोचा

मामले की जानकारी देते हुए उपनिरीक्षक शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि सोमवार रात पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि जानसठ-मोरना मार्ग पर कुछ असामाजिक तत्व एक भैंसे को अत्यंत लापरवाही और निर्दयता से सड़क पर दौड़ा रहे हैं। सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने बेहड़ा सादात स्थित श्रीराम पेट्रोल पंप के पास नाकेबंदी कर घेराबंदी की। रात करीब 10 बजे तेज रफ्तार में आती हुई भैंसा-बुग्गी दिखाई दी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए बुग्गी पर सवार दो युवकों को मौके पर ही दबोच लिया। वहीं, बुग्गी के साथ चल रहे बाइक और स्कूटी सवार चार अन्य युवकों ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया, जिन्हें पुलिस टीम ने पीछा करके कुछ ही दूरी पर पकड़ लिया। कील लगी लकड़ी बरामद, 6 आरोपी गिरफ्तार

पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान जानसठ क्षेत्र निवासी अमित, विनोद, राहुल सैनी, अमजद, जितेंद्र और नितिन के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बांस की एक लकड़ी बरामद की, जिसके आगे नुकीली लोहे की कील लगी हुई थी। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे आगामी शुक्रताल गंगा स्नान मेले में आयोजित होने वाली भैंसा-बुग्गी दौड़ में जीत हासिल करने के उद्देश्य से भैंसे को दौड़ाने का अभ्यास (प्रैक्टिस) करा रहे थे।

पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत वैधानिक कार्रवाई

जानसठ-मोरना मार्ग पर सरेराह की जा रही इस क्रूरता और लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने सभी छह आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 281 (सड़क पर लापरवाही से वाहन या पशु चलाना) तथा पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध दौड़ कराने वाले गिरोहों में हड़कंप मच गया है।

दीपावली उत्सव में युवतियों से अभद्रता का विरोध करना युवक को पड़ा भारी, दो युवकों ने बेरहमी से पीटा; आंख में आई गंभीर चोट

सर्कुलर रोड स्थित सौभाग्य स्वर्ण इन रेस्टोरेंट में आधी रात की घटना, युवतियों के साथ बार-बार छेड़छाड़ और जबरन डांस कराने का आरोप

मुजफ्फरनगर। दीपावली के उल्लास में आयोजित एक उत्सव के दौरान युवतियों के साथ कथित रूप से अभद्रता और छेड़छाड़ का विरोध करना एक युवक को भारी पड़ गया। आरोप है कि युवतियों के साथ बार-बार अभद्र व्यवहार करने और जबरदस्ती डांस कराने का विरोध करने पर दो युवकों ने उसके साथ बेरहमी से मारपीट की। मारपीट में युवक की आंख में गंभीर चोट आई है। घटना सर्कुलर रोड स्थित सौभाग्य स्वर्ण इन रेस्टोरेंट की बताई गई है। पीड़ित युवक की मां ने सिविल लाइन थाने में तहरीर देकर दोनों आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। गांधी कॉलोनी निवासी नीतू बजाज ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका पुत्र छह नवंबर 2026 को सर्कुलर रोड स्थित सौभाग्य स्वर्ण इन रेस्टोरेंट में दीपावली उत्सव में शामिल होने गया था। उत्सव में कई अन्य युवक-युवतियां भी मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान सभी लोग दीपावली की खुशियां मना रहे थे। आरोप है कि रात करीब 11 बजे वहां दो युवक अंश अरोड़ा निवासी नुमाइश कैंप और ऋतक अरोड़ा बिना किसी नियंत्रण के जबरन कार्यक्रम स्थल पर प्रवेश कर गए। पीड़िता के अनुसार, दोनों युवक वहां मौजूद युवतियों के साथ दुर्व्यवहार करने लगे। आरोप है कि वे बार-बार युवतियों को गलत तरीके से स्पर्श कर रहे थे और उन पर डांस करने के लिए दबाव बना रहे थे। उनकी इस हरकत से कार्यक्रम में मौजूद लोगों को असहज स्थिति का सामना करना पड़ा। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि दोनों युवकों ने कई बार मना करने के बावजूद अपनी हरकतें बंद नहीं कीं और युवतियों के साथ अभद्र व्यवहार जारी रखा। नीतू बजाज ने अपनी तहरीर में बताया कि जब उनके पुत्र ने दोनों युवकों को इस तरह का व्यवहार नहीं करने और युवतियों के साथ अभद्रता बंद करने का विनम्रता से अनुरोध किया तो आरोपी उससे नाराज हो गए। आरोप है कि दोनों ने उसके विरोध को लेकर युवक के साथ मारपीट शुरू कर दी। पीड़िता का कहना है कि आरोपियों ने उसके पुत्र को बुरी तरह पीटा और लगातार प्रहार किए।

शिकायत में मां ने आरोप लगाया कि दोनों युवकों ने उसके पुत्र को इतनी बुरी तरह पीटा कि उसकी आंख में गंभीर चोट आई। घटना के बाद युवक की हालत को लेकर परिवार चिंतित हो गया। तहरीर में यह भी कहा गया है कि दोनों आरोपी शराब के नशे में धुत थे और उन्होंने नशे की हालत में ही कार्यक्रम में हंगामा करते हुए मारपीट की। आरोप है कि मारपीट के दौरान दोनों ने युवक को जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि जिन युवकों पर मारपीट का आरोप है, वे दबंग और आपराधिक प्रवृत्ति के हैं। उनके व्यवहार और धमकियों के कारण परिवार को अपने पुत्र की सुरक्षा को लेकर चिंता है।

उर्दू के विकास में पत्रकारिता की भूमिका अहम, उर्दू अखबार और कोचिंग सेंटर शुरू करने की उठी मांग

मुजफ्फरनगर। विश्व उर्दू दिवस और महान शायर अल्लामा सर मुहम्मद इकबाल के जन्मदिवस के अवसर पर नकूश-ए-अमल मीडिया के तत्वावधान में शहर की शाह इस्लामिक एकेडमी में तरक्की-ए-उर्दू कन्वेंशन का आयोजन किया गया। इसमें उर्दू के विकास में पत्रकारिता जगत की प्रमुख भूमिका विषय पर चर्चा करते हुए उर्दू भाषा और साहित्य के संरक्षण, प्रचार-प्रसार तथा उर्दू पत्रकारिता को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में अल्लामा इकबाल को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके साहित्यिक योगदान को याद किया गया।



उर्दू अखबार और कोचिंग सेंटर शुरू करने की पेशकश

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सपा नेता माजिद सिद्दीकी ने कहा कि उर्दू के विकास के लिए केवल साहित्यिक महफिलों का आयोजन पर्याप्त नहीं है, बल्कि इसके लिए बुनियादी स्तर पर ठोस कदम उठाने होंगे। उन्होंने पश्चिमी उत्तर प्रदेश से उर्दू का कोई अखबार प्रकाशित नहीं होने पर चिंता जताई। साथ ही शाह इस्लामिक एकेडमी के जिम्मेदारों से उर्दू कोचिंग सेंटर और उर्दू अखबार शुरू करने की अपील करते हुए इसके लिए अपनी कीमती जगह उपलब्ध कराने की पेशकश की।

उर्दू पत्रकारिता को बताया भाषा के अस्तित्व के लिए जरूरी

मुख्य अतिथि संपादक अरशद राना ने कहा कि उर्दू अखबारों का प्रकाशन आर्थिक दृष्टि से घाटे का सौदा हो सकता है, लेकिन उर्दू भाषा के अस्तित्व और विकास के लिए इनका प्रकाशित होना बेहद जरूरी है। उन्होंने उर्दू दिवस की शुभकामनाएं देते हुए भरोसा दिलाया कि मुजफ्फरनगर में उर्दू के विकास के लिए जो भी प्रयास किए जाएंगे, उनमें वह पूरा सहयोग करेंगे।

उर्दू मीडिया सेंटर स्थापित करने पर दिया जोर

कन्वेंशन के संयोजक एवं नकूश-ए-अमल के संपादक कारी मुहम्मद खालिद बशीर कासमी ने कहा कि उर्दू के विकास और प्रसार में पत्रकारिता जगत की अहम भूमिका है। उन्होंने उर्दू पत्रकारों को उनका उचित सम्मान नहीं मिलने पर अफसोस जताया और कहा कि मौजूदा दौर में उर्दू पत्रकारिता ही कलमफरोशी के दाग से काफी हद तक सुरक्षित है। उन्होंने उर्दू पत्रकारिता को मजबूती देने के लिए उर्दू मीडिया सेंटर स्थापित करने की आवश्यकता बताई।

शायरों ने कलाम पेश कर बांधा समां

कार्यक्रम में उर्दू पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाएं देने वाली हस्तियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

खतौली में श्रद्धा और उल्लास से मना गोवर्धन पर्व: 56 भोग के बाद विशाल भंडारा, भजनों पर झूमीं महिला श्रद्धालु

खतौली के रेलवे रोड पर हुआ गोवर्धन पूजा का आयोजन

खतौली (मुजफ्फरनगर)। कस्बे के रेलवे रोड स्थित स्वर्गीय पंडित लक्ष्मी देवी शर्मा (झाई जी) के निवास पर मंगलवार को गोवर्धन पर्व अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार मनाया गया। इस अवसर पर गोबर से विधि-विधानपूर्वक गोवर्धन महाराज की भव्य आकृति बनाई गई और भगवान श्रीकृष्ण को छप्पन भोग अर्पित कर विशेष पूजा-अर्चना संपन्न की गई। धार्मिक आयोजन में खतौली नगर तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से सैकड़ों श्रद्धालुओं ने सहभागिता की और भगवान गोवर्धन का पूजन कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम के दौरान संपूर्ण परिसर भक्ति रस में सराबोर नजर आया। गोवर्धन बाबा के भजनों और संकीर्तन से माहौल भक्तिमय बना रहा। भजन-कीर्तन की मधुर धुनों पर महिला श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूमती और नृत्य करती दिखाई दीं।



इस दौरान श्रद्धालुओं द्वारा लगाए गए भगवान श्रीकृष्ण और गिरिराज महाराज के जयकारों से आसपास का वातावरण गुंजायमान हो उठा। वैदिक पूजन कार्यक्रम और महाआरती के उपरांत भगवान श्रीकृष्ण को विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों का 'छप्पन भोग' अर्पित किया गया। इसके पश्चात विशाल भंडारे का शुभारंभ हुआ, जिसमें सैकड़ों की संख्या में आए श्रद्धालुओं ने पंगत में बैठकर प्रसाद ग्रहण किया और धर्म लाभ उठाया।

महिला श्रद्धालुओं का रहा विशेष सहयोग

पूरे आयोजन में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और पूजा-अर्चना के साथ-साथ भंडारे की व्यवस्थाओं में अग्रणि भूमिका निभाई। प्रमुख सहयोगी: इस अवसर पर चित्रा शर्मा, पूनम, पायल, चंचल नागपाल, आशा तनेजा, भावना तनेजा, स्वीटी तनेजा, रेखा, सुनीता और अनीता गोयल सहित अनेक महिला श्रद्धालुओं का सराहनीय सहयोग रहा। पूरे कार्यक्रम के दौरान भक्ति, निस्वार्थ सेवा और सामाजिक सद्भाव का अनुपम उदाहरण देखने को मिला। आयोजन के समापन पर आयोजकों ने सभी उपस्थित श्रद्धालुओं का आभार जताया।

कमीशन के लालच में दोस्त से मिलवाया, फिर कारोबार के नाम पर 11 लाख रुपये लेने का आरोप, सात लाख लौटाने का समझौता भी बेअसर

बुढ़ाना में कारोबारी लेनदेन के नाम पर बड़ी धोखाधड़ी का मामला, अरविंद ने संजीव कुमार को अंकुर मलिक की गारंटी देकर दिलाया था भरोसा दो चेक, फोन-पे और नकद के जरिए दी गई रकम, तकादा करने पर दोनों पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप, मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। कारोबार में मोटा मुनाफा कमाने और कम समय में अच्छी आमदनी होने का लालच देकर लोगों से लाखों रुपये का लेनदेन करने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। ऐसा ही एक मामला बुढ़ाना क्षेत्र में सामने आया है, जहां एक व्यक्ति ने दो लोगों पर कारोबार करने के नाम पर 11 लाख रुपये लेने, रकम वापस नहीं करने और अपने रुपये मांगने पर जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़ित का कहना है कि एक आरोपी ने उसे दूसरे आरोपी की गारंटी दी थी और भरोसा दिलाया था कि यदि वह रकम वापस नहीं करेगा तो वह खुद रुपये लौटाएगा। इसके बावजूद अब दोनों कथित तौर पर रकम लौटाने से बच रहे हैं। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अंकुर मलिक और अरविंद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कमीशन के लालच में कराई थी मुलाकात, कारोबार का दिया भरोसा

बुढ़ाना कस्बे में रहने वाले संजीव कुमार पुत्र मलखान सिंह ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि वह मूल रूप से ग्राम बड़ौदा का निवासी है और वर्तमान में कस्बा बुढ़ाना में रह रहा है। शिकायतकर्ता के अनुसार, ग्राम मोहम्मदपुर रायसिंह निवासी अंकुर मलिक और ग्राम बड़ौदा निवासी अरविंद ने उसके साथ धनराशि के मामले में धोखाधड़ी की है। संजीव का आरोप है कि अरविंद ने कमीशन मिलने के लालच में उसकी मुलाकात अंकुर मलिक से कराई थी। अंकुर मलिक ने उसे बताया कि उसके कई कारोबार हैं और कारोबार में रुपये लगाने पर अच्छा लाभ मिल सकता है। इसी भरोसे में आकर संजीव ने अपनी मेहनत की कमाई कारोबार में लगा दी। शिकायत में संजीव कुमार ने बताया कि अरविंद ने उसे पूरी तरह भरोसा दिलाया था कि अंकुर मलिक के पास कई कारोबार हैं और उसकी धनराशि सुरक्षित रहेगी। अरविंद ने कथित तौर पर कहा था कि यदि अंकुर मलिक रुपये वापस नहीं करेगा तो वह स्वयं रकम लौटाएगा। उसने इसे अपनी गारंटी बताते हुए संजीव को आश्वस्त किया था। पीड़ित का आरोप है कि अरविंद के इसी भरोसे के कारण उसने कारोबार में 11 लाख रुपये लगा दिए। उसे विश्वास था कि दोनों के बीच तय हुई बात के अनुसार उसकी धनराशि समय पर वापस मिल जाएगी, लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद भी उसे अपनी रकम नहीं मिली। संजीव कुमार ने अपने प्रार्थना पत्र में रुपये दिए जाने का विस्तृत ब्योरा भी प्रस्तुत किया है। उसके अनुसार, नवंबर 2024 में तीन लाख रुपये का पहला चेक दिया गया था। इसके बाद 26 दिसंबर 2024 को तीन लाख रुपये का दूसरा चेक दिया गया। शिकायत में पहले चेक का नंबर 042084 और तारीख 12 नवंबर 2024 दर्ज है, जबकि दूसरे चेक का नंबर 42149 और तारीख 26 दिसंबर 2024 बताया गया है। इस प्रकार चेक के माध्यम से कुल छह लाख रुपये का लेनदेन होने की बात कही गई है। पीड़ित के अनुसार, चेक के अतिरिक्त एक लाख 80 हजार रुपये फोन-पे के माध्यम से दिए गए थे। इसके अलावा तीन लाख 20 हजार रुपये नकद देने का भी आरोप लगाया गया है। इस तरह तीन लाख रुपये का पहला चेक, तीन लाख रुपये का दूसरा चेक, एक लाख 80 हजार रुपये का ऑनलाइन भुगतान और तीन लाख 20 हजार रुपये नकद मिलाकर कुल 11 लाख रुपये की धनराशि दिए जाने की बात प्रार्थना पत्र में कही गई है। शिकायतकर्ता ने पुलिस से भुगतान के इन सभी माध्यमों की जांच करने और संबंधित साक्ष्यों को संज्ञान में लेने की मांग की है। पहला चेक बुढ़ाना निवासी आदित्य सहरावत के नाम से संबंधित प्रार्थना पत्र में बुढ़ाना कस्बे के निवासी आदित्य सहरावत का भी उल्लेख किया गया है। संजीव कुमार का आरोप है कि पहला चेक आदित्य सहरावत के नाम से संबंधित था और वह अंकुर मलिक के लिए ही काम करता है। पीड़ित ने इस तथ्य को भी अपनी शिकायत में शामिल करते हुए पूरे लेनदेन की जांच कराने की मांग की है। पुलिस के लिए अब यह भी जांच का विषय है कि चेक किन परिस्थितियों में जारी किए गए थे और उनके माध्यम से रकम किस प्रकार संबंधित पक्षों तक पहुंची।

करीब दो साल तक रकम वापस मिलने का करता रहा इंतजार

शिकायतकर्ता का कहना है कि कारोबार के नाम पर रकम देने के बाद वह लंबे समय तक अपनी धनराशि वापस मिलने का इंतजार करता रहा। उसे उम्मीद थी कि कारोबारी लेनदेन के अनुसार रकम वापस कर दी जाएगी, लेकिन समय बीतने के बावजूद ऐसा नहीं हुआ। इसके बाद उसने अपनी धनराशि वापस मांगनी शुरू की।

पटाखे फोड़ने की पुरानी कहासुनी ने लिया हिंसक संघर्ष का रूप, सरनावली में दो पक्षों के बीच जमकर चले लाठी-डंडे और पत्थर

गोवर्धन पूजा के बाद फिर आमने-सामने आए दोनों पक्ष, बुजुर्ग और महिला समेत चार लोग घायल; मारपीट और पथराव का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल, गांव में तनाव का माहौल

मुजफ्फरनगर। जनपद में दीपावली के दौरान पटाखे फोड़ने को लेकर शुरू हुई कहासुनी अब हिंसक संघर्ष में बदलने लगी है। फुगाना थाना क्षेत्र के गांव सरनावली में पटाखे फोड़ने को लेकर पुरानी रंजिश के चलते दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट और पथराव हो गया। गोवर्धन पूजा के बाद सोमवार शाम दोनों पक्ष एक बार फिर आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते दोनों ओर से लाठी-डंडे चलने लगे और एक-दूसरे पर पत्थर बरसाए गए। अचानक हुए संघर्ष से गांव में अफरा-तफरी मच गई। मारपीट और पथराव में दोनों पक्षों के बुजुर्ग और महिला समेत चार लोग घायल हो गए। घटना के दौरान किसी व्यक्ति ने अपने मोबाइल में संघर्ष का वीडियो बना लिया, जो मंगलवार सुबह से सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है।

दीपावली की रात पटाखे फोड़ने को लेकर हुई थी कहासुनी

जानकारी के अनुसार, गांव सरनावली में दीपावली की रात पटाखे छोड़ने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हुआ था। उस समय दोनों पक्षों के बीच कहासुनी और तनाव की स्थिति बन गई थी। हालांकि, ग्रामीणों की समझाइश के बाद मामला किसी तरह शांत हो गया था, लेकिन दोनों पक्षों के बीच अंदर ही अंदर नाराजगी बनी हुई थी। सोमवार शाम गोवर्धन पूजा के बाद पुरानी बात को लेकर एक बार फिर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई।

शाम सात बजे शुरू हुआ संघर्ष, देखते ही देखते चलने लगे पत्थर

बताया गया कि सोमवार शाम करीब सात



बजे दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए। शुरूआत में कहासुनी हुई, लेकिन कुछ ही देर में विवाद ने उग्र रूप ले लिया। दोनों ओर से लोग लाठी-डंडे लेकर एक-दूसरे पर टूट पड़े। इसके बाद दोनों पक्षों की ओर से जमकर पथराव शुरू हो गया। सड़क पर पत्थर चलने और लाठी-डंडे बरसने से मौके पर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। अचानक हुए इस घटनाक्रम से गांव के लोग सहम गए और आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

बुजुर्ग और महिला समेत चार लोग घायल

इस संघर्ष में दोनों पक्षों के चार लोग घायल हो गए। घायलों में बुजुर्ग और महिला भी शामिल बताए जा रहे हैं। मारपीट और पथराव के दौरान कई लोगों को चोटें आईं। घटना के बाद घायलों को लेकर परिजन उपचार के लिए पहुंचे। दोनों पक्षों के बीच हुए इस टकराव के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है।

मोबाइल में कैद हुआ संघर्ष, सुबह से वायरल हो रहा वीडियो

सोमवार शाम हुए संघर्ष के दौरान मौके पर मौजूद किसी व्यक्ति ने अपने मोबाइल फोन से मारपीट और पथराव का वीडियो बना लिया। यह वीडियो मंगलवार सुबह करीब दस बजे से सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में दोनों पक्षों के लोगों के बीच मारपीट और एक-दूसरे पर पत्थर फेंकने के दृश्य दिखाई दे रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद घटना चर्चा का विषय बन गई है।

बैंकों की सुरक्षा को लेकर मुजफ्फरनगर पुलिस अलर्ट, जिलेभर में चला सघन चेकिंग अभियान

मुजफ्फरनगर। जनपद में बैंकों और वित्तीय संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने तथा किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के उद्देश्य से मुजफ्फरनगर पुलिस ने व्यापक चेकिंग अभियान चलाया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन में जिले के सभी सर्किल, थाना और चौकी क्षेत्रों में पुलिस अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्र में स्थित बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान बैंक परिसरों के भीतर से लेकर आसपास के क्षेत्रों तक पुलिस की सक्रियता दिखाई दी। अभियान के दौरान क्षेत्राधिकारियों, थाना प्रभारियों और चौकी प्रभारियों ने बैंकों में पहुंचकर प्रबंधकों तथा सुरक्षा गार्डों से बातचीत की। पुलिस अधिकारियों ने बैंक की सुरक्षा व्यवस्था, आने-जाने वाले लोगों की निगरानी और सुरक्षा संबंधी अन्य इंतजामों की



जानकारी प्राप्त की।

साथ ही बैंक प्रबंधन को सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतने और कर्मचारियों को सतर्क रखने के निर्देश दिए। पुलिस अधिकारियों ने बैंकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की स्थिति और उनकी कार्यशीलता को भी चेक किया।

इसके अलावा आपात स्थिति में उपयोग होने वाले अलार्म सिस्टम तथा अन्य सुरक्षा उपकरणों का निरीक्षण किया गया। पुलिस ने बैंक प्रबंधन को निर्देश दिए कि सभी सीसीटीवी कैमरे सुचारु रूप से चलते रहने चाहिए और बैंक परिसर के महत्वपूर्ण स्थानों पर निगरानी की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए,

ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल नजर रखी जा सके। चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने बैंक परिसरों के आसपास घूम रहे संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की सघन जांच की। संदिग्ध प्रतीत होने वाले लोगों से पूछताछ की गई और उनके वहां मौजूद रहने के कारणों की जानकारी ली गई।

दीपावली की रात मारपीट की घटनाओं से गूंजा खतौली क्षेत्र, अलग-अलग स्थानों पर भिड़े लोग, आधा दर्जन घायल

खतौली, भूड़, जमुना विहार और बालाजीपुरम में पटाखे जलाने और अन्य बातों को लेकर हुआ विवाद; कहीं शराब के नशे में हुई कहासुनी तो कहीं रास्ते में रोककर युवक पर लाठी-डंडों से हमला, सिर में आई चोट

खतौली। दीपावली का त्योहार जहां अधिकांश लोगों ने हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया, वहीं खतौली क्षेत्र में कुछ स्थानों पर विवाद और मारपीट की घटनाओं ने त्योहार के माहौल में खलल डाल दिया। दीपावली की रात खतौली कस्बे के भूड़, जमुना विहार और बालाजीपुरम सहित अलग-अलग स्थानों पर मारपीट की घटनाएं सामने आईं। पटाखे जलाने और अन्य बातों को लेकर शुरू हुई कहासुनी देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। कुछ घटनाओं में शराब के नशे में लोगों के बीच विवाद हुआ। इन अलग-अलग घटनाओं में करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गए। सूचना मिलने पर घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस को मिली शिकायतों के आधार पर मामलों की जांच की जा रही है।

पटाखे जलाने को लेकर शुरू हुई कहासुनी, कई जगह हुआ विवाद

जानकारी के अनुसार, दीपावली की रात खतौली क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर लोगों के बीच विवाद हो गया। भूड़, जमुना विहार और बालाजीपुरम में पटाखे जलाने सहित अन्य बातों को लेकर कहासुनी हुई। शुरूआत में मामूली कहासुनी के बाद दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए और मारपीट शुरू हो गई। कुछ स्थानों पर शराब के नशे में विवाद बढ़ने की बात भी सामने आई है। इन घटनाओं में कई लोगों को चोटें आईं। परिजनों और आसपास के लोगों की मदद से घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।



सामान लेने जा रहे युवक को रास्ते में रोककर पीटा

मारपीट की एक अन्य घटना में नया गांव माजरा दाहौड़ निवासी तुषार पुत्र संजय ने कोतवाली खतौली में शिकायत दर्ज कराई है। तुषार के अनुसार, आठ नवंबर को वह अपने घर से सामान लेने के लिए ग्राम गालिबपुर जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में उसे ग्राम बिहारीपुर निवासी राजीव अपने कुछ साथियों के साथ मिला।

शराब के नशे में होने का आरोप, लाठी-डंडों से किया हमला

पीड़ित तुषार का आरोप है कि राजीव और उसके साथ मौजूद कुछ लोग शराब के नशे में थे। उन्होंने उसे रास्ते में रोक लिया और बिना किसी उचित कारण के उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि हमलावरों ने लाठी-डंडों से उस पर हमला किया, जिससे उसके सिर में चोट आई। घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस से शिकायत कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

दीपावली की रात हुई मारपीट की घटनाओं के बाद पुलिस को अलग-अलग शिकायतें मिली हैं। पुलिस इन शिकायतों के आधार पर घटनाओं की जांच कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, जांच में सामने आने वाले तथ्यों, घायलों के बयान और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर संबंधित आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्र में हुई इन घटनाओं के चलते त्योहार की खुशियों के बीच मारपीट और विवाद चर्चा का विषय बने रहे।

शराब के पैसों को लेकर दो छिड़ा विवाद, जमकर हुई मारपीट, पुलिस ने दोनों को दबोचा

चरथावल थाना क्षेत्र के अकबरगढ़ गांव का मामला, सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों को थाने लाई, शांति भंग करने के आरोप में बीएनएसएस की धाराओं में चालान

मुजफ्फरनगर। चरथावल थाना क्षेत्र के अकबरगढ़ गांव में शराब के पैसों को लेकर दो व्यक्तियों के बीच विवाद हो गया। कहासुनी से शुरू हुआ मामला देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। दोनों पक्षों के बीच हुई मारपीट की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर थाने ले आई। पुलिस ने शांति व्यवस्था प्रभावित करने के आरोप में दोनों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई की है।

शराब के पैसों को लेकर हुआ विवाद

पुलिस के अनुसार, अकबरगढ़ गांव निवासी पंकज पुत्र पप्पू उर्फ सतीश और सुनील पुत्र तीरथपाल के बीच शराब के पैसों को लेकर विवाद हो गया था। दोनों के बीच कहासुनी बढ़ने के बाद मारपीट शुरू हो गई। गांव में झगड़ा होने की सूचना पुलिस को मिली तो तत्काल पुलिस टीम मौके पर पहुंची।



शांति व्यवस्था की ड्यूटी के दौरान मिली सूचना

उपनिरीक्षक देवकीनंदन पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए ड्यूटी पर थे। इसी दौरान उन्हें अकबरगढ़ गांव में दो लोगों के बीच मारपीट होने की सूचना मिली। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली और दोनों को हिरासत में लेकर चरथावल थाने पहुंचाया।

बीएनएसएस की धाराओं में चालान

चरथावल थाने की सामान्य दैनिकी के अनुसार, पुलिस ने पंकज और सुनील के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 170, 126 और 135 के तहत चालानी कार्रवाई की है। दोनों आरोपी अकबरगढ़ गांव के निवासी हैं। पुलिस की कार्रवाई के बाद गांव में हुए विवाद को शांत कराया गया।

सिद्धपीठ श्री पिपलेश्वर महादेव मंदिर में अन्नकूट पर उमड़ा आस्था का सैलाब, हजारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

रेलवे स्टेशन स्थित मंदिर कमेटी की ओर से विशाल भंडारे का आयोजन, भाजपा नेता घनश्याम भगत और महामंत्री दीपक भाटिया ने किया श्रद्धालुओं का स्वागत

मुजफ्फरनगर। अन्नकूट के पावन अवसर पर रेलवे स्टेशन स्थित सिद्धपीठ श्री पिपलेश्वर महादेव मंदिर में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। मंदिर कमेटी की ओर से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं और रेल यात्रियों ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की आवाजाही शुरू हो गई थी। भगवान के दर्शन और प्रसाद ग्रहण करने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। मंदिर कमेटी की ओर से सभी भक्तों के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं, जिससे लोगों ने व्यवस्थित तरीके से प्रसाद ग्रहण किया।

भगवान को भोग लगाकर भंडारे का किया शुभारंभ

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नई मंडी मंडल भाजपा अध्यक्ष प्रवीण खेड़ा और सहायक शासकीय



अधिवक्ता कमल कांत पहुंचे। दोनों अतिथियों ने भगवान के समक्ष पूजा-अर्चना कर भोग लगाया और इसके बाद विशाल भंडारे का शुभारंभ किया। मंदिर कमेटी के अध्यक्ष एवं भाजपा नेता घनश्याम भगत तथा महामंत्री दीपक भाटिया ने अतिथियों और श्रद्धालुओं का स्वागत किया।

गोवर्धन महाराज की कथा सुनकर भावविभोर हुए श्रद्धालु

इस अवसर पर मंदिर के पुजारी पंडित विजय शास्त्री ने श्रद्धालुओं को गोवर्धन महाराज की कथा सुनाई। उन्होंने गोवर्धन पूजा के धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का वर्णन किया। कथा के माध्यम से श्रद्धालुओं को भक्ति, सेवा, समर्पण और प्रकृति के संरक्षण का संदेश दिया गया। भक्तों ने श्रद्धापूर्वक कथा का श्रवण किया और भगवान के जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठा।

रेल यात्रियों और क्षेत्रवासियों ने भी बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

भंडारे में क्षेत्र के नागरिकों के साथ रेलवे स्टेशन से गुजरने वाले हजारों रेल यात्रियों ने भी प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर कमेटी की ओर से श्रद्धालुओं के स्वागत, बैठने, प्रसाद वितरण और अन्य सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था की गई थी। कमेटी के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने पूरे आयोजन के दौरान व्यवस्थाएं संभालीं। श्रद्धालुओं ने मंदिर कमेटी की व्यवस्थाओं की सराहना की।

भाजपा और सामाजिक क्षेत्र की प्रमुख हस्तियां रहीं मौजूद

कार्यक्रम में भाजपा जिला मंत्री दिनेश पुंडीर, नई मंडी मंडल भाजपा महामंत्री हरीश गुप्ता, समाजसेवी सतीश वाधवा, प्रवीण वर्मा, यात्री संघ महामंत्री दीपक गुप्ता, विनोद ठाकुर, पारस वासु, राजेंद्र भगत, कृष्णा, सुमित वाधवा, वार्ड संख्या-10 के सभासद शोभित गुप्ता, रविंद्र कुमार, नोनू, अतिशय जैन, सीताराम, राजेश, बीनू पंसारी, तिलक राज गुप्ता, गौरव और हैप्पी सहित रेलवे स्टाफ, भाजपा कार्यकर्ता तथा क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मुजफ्फरनगर में सर्दी ने दी दस्तक, रात का पारा 15 डिग्री पर पहुंचा, सुबह कोहरे की चादर से ढका जनपद

सुबह-शाम बढ़ने लगी ठिठुरन, ठंडी हवाओं के बीच गर्म कपड़ों में नजर आने लगे लोग, कोहरे से सड़कों पर कम हुई दृश्यता, वाहन चालकों को सतर्क रहने की जरूरत

मुजफ्फरनगर। नवंबर के दूसरे सप्ताह की शुरूआत के साथ ही जनपद में मौसम का मिजाज तेजी से बदलने लगा है। सुबह और शाम के समय ठंड का असर बढ़ने लगा है, जबकि रात के तापमान में गिरावट आने से सर्दी ने अपनी दस्तक दे दी है। रात का पारा गिरकर करीब 15 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच गया है। सुबह के समय कई इलाकों में कोहरे की चादर दिखाई देने लगी है। कोहरे के कारण सड़कों पर दृश्यता कम होने से सुबह आवागमन करने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम में आए बदलाव का असर अब लोगों की दिनचर्या और पहनावे पर भी साफ दिखाई देने लगा है।

सुबह-शाम ठंड, दिन में धूप से मिल रही राहत

पिछले कुछ दिनों से सुबह और शाम के समय ठंड लगातार बढ़ रही है। सुबह घरों से बाहर निकलने वाले लोगों को ठंडी हवाओं और कोहरे का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि दिन में धूप



निकलने से लोगों को कुछ राहत मिल जाती है, लेकिन सूरज ढलते ही ठंड का असर फिर बढ़ने लगता है। रात के समय तापमान में गिरावट के चलते लोगों को अब हल्के गर्म कपड़ों की जरूरत महसूस होने लगी है।

स्वेटर और जैकेट में नजर आने लगे लोग

मौसम में बदलाव के साथ ही लोगों के पहनावे में भी परिवर्तन दिखाई देने लगा है। पिछले दिनों तक सामान्य कपड़ों में घरों से निकलने वाले लोग अब सुबह और रात के समय स्वेटर, जैकेट और अन्य गर्म कपड़ों का सहारा लेने लगे हैं। बाजारों में भी सर्दी के कपड़ों की जरूरत महसूस होने लगी है। विशेषकर बुजुर्गों और बच्चों को सुबह-शाम ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़े पहनाए जा रहे हैं।

कोहरे ने बढ़ाई वाहन चालकों की परेशानी

सुबह के समय वातावरण में कोहरा छाने से सड़कों पर दृश्यता प्रभावित होने लगी है। कई स्थानों पर सामने से आने वाले वाहन स्पष्ट दिखाई नहीं देते। इसका असर नौकरीपेशा लोगों, व्यापारियों, किसानों और विद्यार्थियों के आवागमन पर पड़ रहा है। ऐसे में वाहन चालकों को सावधानी बरतने की जरूरत है। खासकर दोपहिया वाहन चालकों को धीमी गति से चलने, वाहनों के बीच पर्याप्त दूरी रखने और यातायात नियमों का पालन करने की सलाह दी जा रही है। बदलने लगी लोगों की सुबह की दिनचर्या

ठंड बढ़ने का असर सुबह जल्दी उठने वाले लोगों की दिनचर्या पर भी पड़ने लगा है। पहले जहां लोग सुबह तड़के ही पार्कों और खुले स्थानों पर टहलने तथा व्यायाम करने पहुंच जाते थे, वहीं अब ठंड के चलते कई लोग कुछ देर बाद घरों से निकलना पसंद कर रहे हैं। पार्कों में सुबह की सैर करने वाले लोग भी गर्म कपड़ों में नजर आने लगे हैं। कुल मिलाकर नवंबर के दूसरे सप्ताह में मौसम के बदलते तेवरों ने संकेत दे दिया है कि आने वाले दिनों में ठंड का असर और बढ़ सकता है।

घर के सामने गंदा पानी बहाने का विरोध करना महिला को पड़ा भारी, तीन लोगों पर मारपीट और कपड़े फाड़ने का आरोप

बिहारगढ़ गांव में रास्ते पर पानी बहने से परेशान थी महिला, विरोध करने पर लात-घूंसों से पीटने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप; पीड़िता ने भोपा थाने में दी तहरीर

मोरना। भोपा थाना क्षेत्र के बिहारगढ़ गांव में घर के सामने गंदा पानी बहाने को लेकर हुआ विवाद मारपीट तक पहुंच गया। आम रास्ते पर गंदा पानी बहाने का विरोध करने पर तीन लोगों पर एक महिला के साथ अभद्रता और मारपीट करने का आरोप लगा है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपियों ने उसके साथ लात-घूंसों से मारपीट की और कपड़े तक फाड़ दिए। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों के सामने भी आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने भोपा थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

रास्ते पर पानी जमा होने से परेशान थी महिला

महिला राखी के अनुसार, उसके पड़ोस में रहने वाले व्यक्ति ने आम रास्ते पर अतिक्रमण कर ऊंचा ढाल बना रखा है। आरोप है कि पड़ोसी घर की सफाई करने के बाद गंदा पानी रास्ते में बहा देता है। ढाल के कारण पानी बहकर महिला के घर में घुस जाता है, जिससे उसे काफी परेशानी होती है। महिला का कहना है कि उसने कई बार इस समस्या का विरोध किया, लेकिन पड़ोसी और उसके परिवार के लोग उल्टा उसके साथ गाली-गलौज करने लगते हैं।

विरोध करने पर तीन लोगों ने किया



हमला पीड़िता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि मंगलवार सुबह करीब 11 बजे वह अपने घर में अकेली थी। इसी दौरान पड़ोसी ने एक बार फिर घर की सफाई का गंदा पानी आम रास्ते पर बहा दिया। पानी घर में आने की आशंका को देखते हुए महिला ने इसका विरोध किया। आरोप है कि इसी बात पर तीन लोग उसके साथ अभद्रता करने लगे और देखते ही देखते मारपीट शुरू कर दी।

लात-घूंसों से पीटा, कपड़े फाड़ने का आरोप

महिला का आरोप है कि तीनों ने उसके साथ मारपीट करते हुए लात-घूंसों से हमला किया और उसके कपड़े भी फाड़ दिए। महिला के शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। आरोप है कि ग्रामीणों के सामने भी आरोपियों ने महिला को जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद पीड़िता ने भोपा थाने पहुंचकर पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी।

पुलिस से जांच कर कार्रवाई की मांग

पीड़िता ने अपनी तहरीर में पूरे घटनाक्रम का उल्लेख करते हुए आरोपियों के खिलाफ जांच कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। मामला आम रास्ते पर गंदा पानी बहाने और अतिक्रमण को लेकर हुए विवाद से जुड़ा है। पुलिस से शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई गई है।

मतदाता सूची में छूटे युवा और महिलाओं के नाम जुड़वाने के लिए चलेगा विशेष अभियान

डीएम उमेश मिश्रा ने अधिकारियों को दिए शत-प्रतिशत पंजीकरण के निर्देश, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, आशा-एएनएम, स्वयं सहायता समूहों और राशन विक्रेताओं की ली जाएगी मदद; 17 नवंबर से 16 दिसंबर तक दर्ज होंगे दावे और आपत्तियां

मुजफ्फरनगर। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के तहत जिले में पात्र युवा और महिला मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के क्रम में जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी उमेश मिश्रा ने अधिकारियों के साथ बैठक कर इस अभियान की रूपरेखा तैयार की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी पात्र युवा या महिला मतदाता मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित नहीं रहना चाहिए। इसके लिए सरकारी विभागों के मैदानी कर्मचारियों, महिला स्वयं सहायता समूहों और शिक्षण संस्थानों के स्वयंसेवकों की मदद ली जाएगी।

17 नवंबर को होगा मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन

बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि अर्हता तिथि एक जनवरी 2027 के आधार पर विधानसभा निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण किया जा रहा है। इसके तहत मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन 17 नवंबर 2026 को किया जाएगा। इसके बाद 17 नवंबर से 16 दिसंबर 2026 तक दावे और आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। इस अवधि में पात्र नागरिक अपने नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के साथ



ही सूची में दर्ज नामों से संबंधित त्रुटियों के सुधार के लिए भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन कर सकेंगे।

घर-घर पहुंचने वाली आंगनबाड़ी और आशा कार्यकताओं को जिम्मेदारी

डीएम उमेश मिश्रा ने महिला कल्याण एवं बाल विकास पुष्टाहार विभाग तथा परिवार कल्याण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, आशा और एएनएम के माध्यम से पात्र महिलाओं की पहचान कराई जाए। ये कर्मचारी अपने कार्यक्षेत्र में नियमित रूप से घर-घर भ्रमण करती हैं और उनके पास परिवारों से संबंधित जानकारी भी उपलब्ध रहती है। ऐसे में उनकी मदद से उन महिलाओं को चिन्हित किया जाए, जिनकी आयु मतदाता बनने की पात्रता पूरी कर चुकी है, लेकिन अभी तक उनका नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं हुआ है। ऐसी सभी महिलाओं के आवेदन भरवाकर उनके नाम सूची में शामिल कराने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

स्वयं सहायता समूह की समूह सखियों को भी सौंपी जिम्मेदारी

जिलाधिकारी ने उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से भी अभियान को गति दी जाए। प्रत्येक गांव में गठित स्वयं सहायता समूहों में कार्यरत पात्र समूह सखियों के नाम मतदाता सूची में दर्ज होने की स्थिति की जांच कराई जाए। यदि किसी पात्र समूह सखी का नाम सूची में शामिल नहीं है तो उससे फार्म-6 भरवाकर पंजीकरण कराया जाए। इसके अलावा विशेष अभियान दिवसों पर समूह सखियों को सक्रिय रखते हुए उनके कार्यक्षेत्र में ऐसी महिलाओं की पहचान कराई जाए, जो मतदाता बनने की पात्रता रखती हैं, लेकिन उनका नाम सूची में शामिल नहीं है।एनएसएस, एनसीसी और स्काउट-गाइड के स्वयंसेवकों की भी मिलेगी मदद

विशेष पुनरीक्षण अभियान में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी), भारत स्काउट एंड गाइड तथा नेहरू युवा केंद्र (एनवाईके) के स्कूल-कॉलेजों में नामित समन्वयकों और स्वयंसेवकों का सहयोग लिया जाएगा। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इनके माध्यम से शिक्षण संस्थानों में पात्र युवा और महिला मतदाताओं को जागरूक किया जाए। साथ ही 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए फार्म-6 भरवाने की व्यवस्था की जाए, ताकि अधिक से अधिक पात्र मतदाताओं का पंजीकरण सुनिश्चित हो सके।

राशन की दुकानों से भी चिन्हित होंगे छूटे हुए मतदाता

जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देश दिए गए कि जनपद के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित सरकारी सस्ते गल्ले की दुकानों के माध्यम से भी पात्र मतदाताओं की पहचान कराई जाए। राशन दुकानों पर पंजीकृत लाभार्थियों में 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के ऐसे युवाओं और महिलाओं को चिन्हित किया जाए, जिनका नाम अभी तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं है। विशेष रूप से महिला और युवा लाभार्थियों पर ध्यान देते हुए उनसे फार्म-6 भरवाकर मतदाता सूची में नाम शामिल कराने की कार्रवाई की जाए।

पात्र मतदाताओं का शत-प्रतिशत पंजीकरण कराने पर जोर

जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ अभियान संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची को अधिक से अधिक समावेशी और त्रुटिरहित बनाने के लिए पात्र नागरिकों तक पहुंचना जरूरी है। खासकर पहली बार मतदान करने वाले युवाओं और उन महिलाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए, जिनके नाम अभी तक निर्वाचक नामावली में शामिल नहीं हो पाए हैं। बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी देश दीपक सिंह, उप मुख्य चिकित्साधिकारी महक सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुशील कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी ओम हरि उपाध्याय तथा उपायुक्त एनआरएलएम (मनरेगा) केएन पांडेय सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।



लाल लिपस्टिक लगाई हुई नज़र आती है ये अनोखी मछली, तैरती नहीं बल्कि चलती है

आपने अब तक कई तरह की मछलियां देखी होगी लेकिन ये मछली ज़रा हटकर है। इसे देखकर ऐसा लगता है मानों इसने लिपस्टिक लगा रखी है। जी हां, इस मछली के होंठ एकदम लाल होते हैं। इसे रेड लिप्ड बैट फिश के नाम से जाना जाता है। ये मछलियां गैलापागोस आईलैंड और पेरू में पाई जाती है। इतना ही नहीं, इसकी एक खासीयत यह भी है कि ये अन्य मछलियों की तरह तैरती नहीं बल्कि चलती है। ये अपने पेक्टोरल पंखों से समुद्र तल पर 'चलते' हैं। एंगलरफिश के परिवार से होने के कारण, रेड-लिप्ड बैटफिश के सिर पर एक इलिसियम यानी एक छोटा सिंग जैसा होता है जिसका उपयोग वे अपने शिकार, जैसे छोटी मछली, झींगा, कीड़े और केकड़ों को आकर्षित करने के लिए करते हैं।

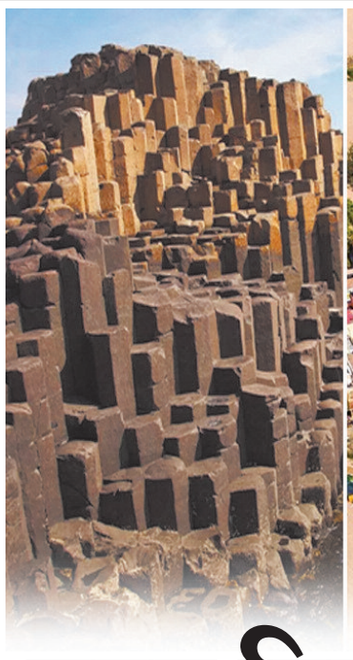


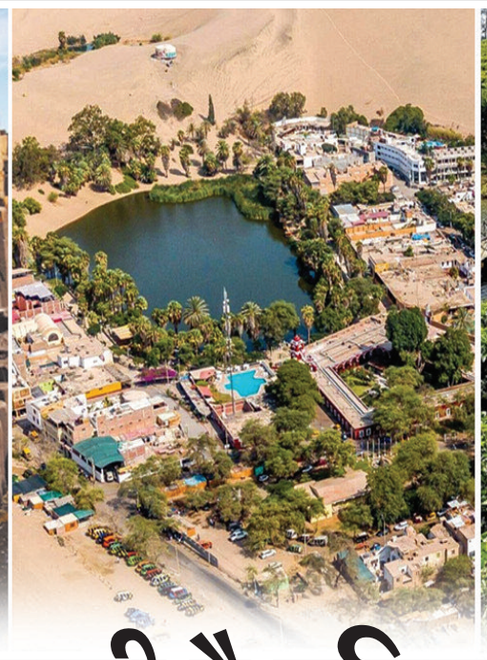
खूबसूरत लेकिन बेहद खूंखार हैं ये पक्षी, सांपों का बेरहमी से करते हैं शिकार

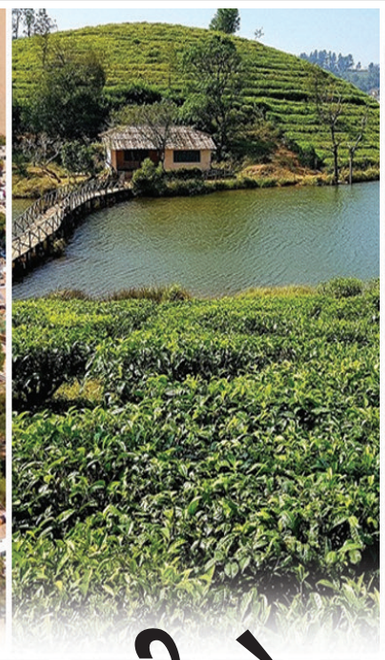
किसी पक्षी का नाम 'सेक्रेटरी बर्ड' हो, तो सुनने में थोड़ा अजीब लगेगा ही। ये पक्षी बेहद खूबसूरत हैं जो कि दुनिया के सबसे लंबे रैप्टर पक्षी हैं। अफ्रीका में पाए जाने वाले ये पक्षी जितने सुंदर हैं, उससे कहीं ज्यादा खूंखार भी हैं। ये पक्षी उन इलाकों में ज्यादा पाए जाते हैं, जहां सांप ज्यादा होते हैं। ये वास्तव में शिकारी पक्षी हैं, जो सांप का बेरहमी से शिकार करते हैं। सांपों को मारने का इनका तरीका आपको हैरान कर देगा। तरीका ऐसा है कि आपको सांपों पर ही दया आ जाए। ये पक्षी सांप के सिर पर इतनी तेजी से लात मारते हैं कि सांप पलक झपकते ही ढेर हो जाते हैं।

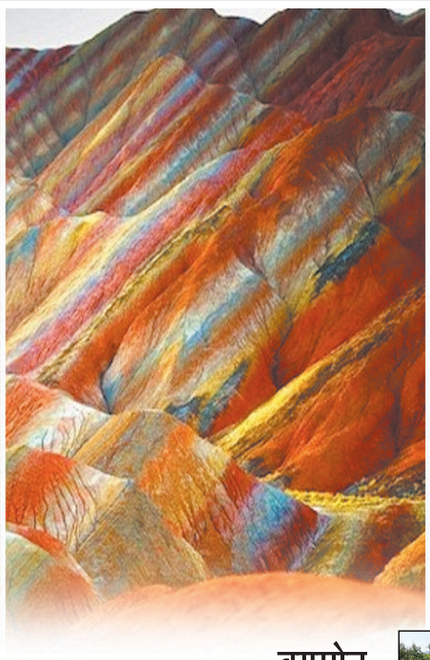
सारस और बाज की तरह है शरीर

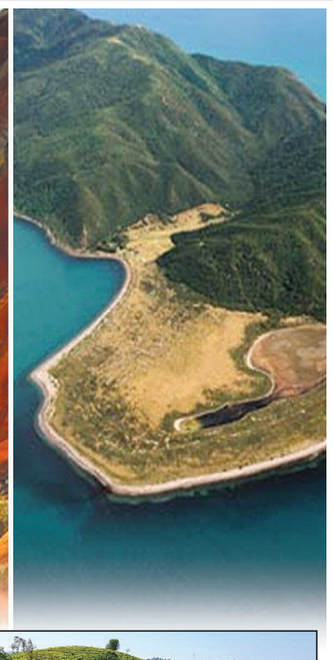
ये आधे सारस और आधे बाज की तरह दिखते हैं। जब ये उड़ान भरते हैं, तो सारस पक्षी की तरह दिखते हें और जमीन पर बाज की तरह दिखाई देते हैं। सिर पर उनके छतरी जैसी कलंगी भी नज़र आती है। इन पक्षियों की लंबाई 35 से 54 इंच के बीच होती है।











बहुत निराली है दुनिया की ये 5 जगह, इन्हें देखकर हर कोई हो जाता है हैरान

इस दुनिया में कई ऐसे स्थान मौजूद हैं, जहां घूमने फिरने के लिए भरी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। कोई स्थान प्राकृतिक सुंदरता के लिए पहचाना जाता है, तो किसी को अपने इतिहास और संस्कृति के चलते पहचाना जाता है। हर जगह की अपनी कोई ना कोई विशेषता है, जो उसे बाकी जगहों से अलग बनाती है। अपने देश दुनिया के अलग-अलग हिस्से में मौजूद कई स्थानों के बारे में सुना होगा। इन जगहों का दीदार भी कुछ लोगों ने किया ही होगा। कुछ स्थान तो ऐसे हैं जो बहुत प्रसिद्ध है और अक्सर लोग वहां पहुंचते हैं। वहीं कुछ स्थान ऐसे भी हैं, जो बहुत ही अनोखे हैं और लोग इनसे अनजान हैं।

रेनबो माउंटेन

यह बहुत ही खूबसूरत जगह है जो चीज में मौजूद है। यह पर्वत है जो पूरी तरह से इंद्रधनुष के रंगों की तरह दिखाई देता है। उत्तर पश्चिम चीन में मौजूद यह जगह गांसू प्रांत के डानक्सिया जियोपार्क में मौजूद है। इस स्थान को देखने पर ऐसा लगेगा जैसे आप किसी किताब में छपा होगा चित्र देख रहे हैं।



हुआचिना रेगिस्तान का ओएसिस

पेरू में मौजूद यह रेगिस्तान देखकर आप हैरान हो जाएंगे। यह कहने को रेगिस्तान है लेकिन यहां मौजूद ओएसिस गांव बहुत ही अद्भुत है। यहां आपको भोजनालय, होटल और स्ट्रीट वेंडर की विविधताएं देखने को मिलेगी। यह चारों तरफ से रेत के टीलों से घिरा हुआ है। यह सेंड बोर्डिंग टूर के लिए काफी प्रसिद्ध स्थान है।



कपिति द्वीप



यह न्यूजीलैंड में मौजूद एक बहुत ही सुंदर जगह है। यहां पर सुंदर और प्राचीन वन्य जीव का दीदार किया जा सकता है। हालांकि, वह लोग भाग्यशाली ही होते हैं जिन्हें जानवरों और पौधों को करीब से देखने का मौका मिलता है।

वगमोन



यह भारत के ही केरल में मौजूद एक बहुत ही शांत और खूबसूरत स्थान है। यहां की प्राकृतिक सुंदरता आपका दिल जीत लेगी। अगर आपको भागदौड़ भरी जिंदगी से सुकून चाहिए तो यह जगह बिल्कुल बेस्ट रहेगी। दूर-दूर तक पहले पहाड़ देवदार के जंगल खूबसूरत झरने आपको प्रकृति के करीब के जाएंगे।

जॉइंट्स कॉजवे

यह उत्तरी आयरलैंड में मौजूद एक तटीय सड़क है जो अपने आप में बहुत ही अनोखी है। इसे यूके के चौथे अजूबे के रूप में पहचाना जाता है। ये जगह किसी को भी आसानी से लुभा लेती है।



टकाचोरः चमकीली चीजों से घोंसला सजाता है यह पक्षी



दुनिया में विभिन्न प्रकार के जीव हैं जो अपनी अचम्भित कर देने वाली विशेषताओं के लिए जाने जाते हैं। उन्हीं में से एक है 'रूफस ट्रीपी' जो कौवे परिवार का सदस्य है। यह आमतौर पर भारत के विभिन्न क्षेत्रों के अलावा पाकिस्तान और श्रीलंका में पाया जाता है। देश में इन्हें टकाचोर नाम से जाना जाता है। इनका यह नाम चमकीले चीजें उठाकर ले जाने की वजह से पड़ी है। टकाचोर भारतीय उपमहाद्वीप में पाया जाने वाला कौवे के परिवार का एक बेहद चालाक, सुंदर और बुद्धिमान पक्षी है। वैज्ञानिक भाषा में इसे डेंड्रोसिटा वागाबुंडा कहा जाता है। हिंदी में इसे महातल या महाळत भी कहते हैं।

'टकाचोर' नाम क्यों पड़ा

मराठी और कुछ स्थानीय भाषाओं में 'टका' का मतलब सिक्का या धन होता है। इस पक्षी की एक आदत होती है कि इसे चमकीली चीजें जैसे कि सिक्के, गहने या कांच के टुकड़े बहुत पसंद आते हैं। यह अक्सर इंसानी बस्तियों के पास से ऐसी चमकीली चीजें उठाकर अपने घोंसले में छुपा देता है, इसी वजह से इसका नाम टकाचोर पड़ा है।

बाघ का डेंटिस्ट

इस पक्षी की सबसे हैरान करने वाली खूबी इसका शिकारियों के साथ तालमेल है। इसे 'बाघ का डेंटिस्ट' या 'टाइगर टूथपिक' भी कहा जाता है। यह बिना किसी डर के बाघ या तेंदुए जैसे बड़े शिकारियों के मुंह के पास बैठ जाता है और उनके दांतों में फंसे हुए मांस के टुकड़ों को निकाल कर खा जाता है। इससे बाघ के दांत साफ हो जाते हैं और टकाचोर को आसानी से पेटभर भोजन मिल जाता है।

रूप-रंग और शारीरिक बनावट

आकार: यह कौवे से थोड़ा छोटा और सडपातळ (स्लिम) होता है। इसकी कुल लंबाई लगभग 45 से 50 सेंटीमीटर होती है, जिसमें इसकी लंबी शेपटी (पूंछ) भी शामिल है।
रंग: इसका सिर, गर्दन और छाती का हिस्सा गहरा काला या गहरा भूरा होता है। पीठ और पेट का हिस्सा हल्का लाल-तपकिरी (नारंगी-भूरा) होता है। इसके पंखों पर काले और सफेद रंग की खूबसूरत पट्टियां होती हैं।
चोंच और आंखें: इसकी चोंच काफी मजबूत और आगे से थोड़ी मुड़ी हुई (हुक जैसी) होती है, जो मांस को निकालने और फल खाने में मदद करती है। इसकी आंखें चमकीली लाल-भूरी होती हैं।

स्वभाव और आवास

यह एक बेहद सामाजिक, चंचल और सर्वभक्षी पक्षी है। यह कीड़े-मकोड़े, फल, बीज, छोटे सरीसृप (छिपकली आदि) और दूसरे पक्षियों के अंडे तक खा जाता है। यह खुले जंगलों, बागों, खेतों और शहरी पार्कों में आसानी से देखने को मिल जाता है। रणथंभौर और केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान जैसे जंगलों में यह पर्यटकों के आकर्षण का मुख्य केंद्र रहता है। इसकी आवाज काफी तेज और अलग-अलग प्रकार की (संगीतमय और तीखी दोनों) होती है।

आकर्षक है इनके रंगों का मिश्रण

नारंगी, श्वेत और काले रंगों का अनोखा मिश्रण इन्हें आकर्षक बनाता है। ये मुख्यतः वृक्षवासी हैं और जंगलों में रहना पसंद करते हैं। ये शहरी पर्यावरण के साथ भी ढल चुके हैं परंतु कौवों की तुलना में ये शहरों में कम पाए जाते हैं।

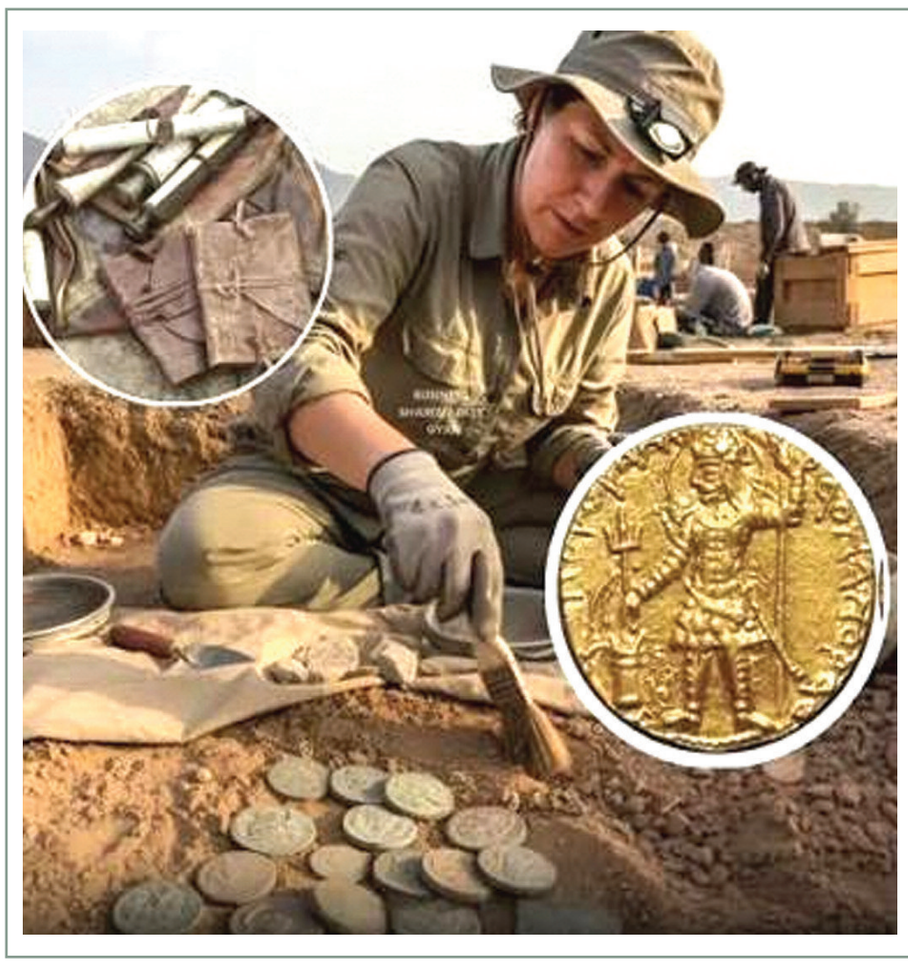
जरूरत के अनुसार बदल सकते हैं ध्वनि

टकाचोर की पूंछ तक की लंबाई 45 से 55 सेमी तक होती है। नर और मादा में बहुत अल्प अंतर होते हैं। एक टकाचोर 12 से 15 साल तक ही जीवित रहता है। इनकी बोली में भिन्न प्रकार की ध्वनि और प्रबलता होती है जो उनकी जरूरत के अनुसार कभी अत्यधिक मधुर या अत्यधिक प्रबल हो सकती है।

किसानों के लिए फायदेमंद

किसानों के लिए टकाचोर बहुत फायदेमंद होते हैं। ये फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले कीड़ों को चट कर जाते हैं। ये बाघों के दांतों में फंसे मांस के टुकड़े निकाल कर भी भोजन करते हैं।





इस बौद्ध मंदिर में मिला रहस्यमयी खजाना कितने साल है पुराना

लोगों के मुंह से कई बार आपने ऐसा सुना होगा कि उन्हें 'आज रात में एक सपना आया है, जिसमें उन्हें धरती के अंदर से ढेर सारा खजाना मिला है।' लोगों के मुंह से इस तरह की बातों को सुनकर अक्सर हम सोचते हैं कि काश ऐसा सच में होता। शायद आपके साथ ऐसा न हुआ है, लेकिन कई बार पुरातत्वविदों के साथ इस तरह की चीजें हुई हैं। उन्हें धरती में समाए कई तरह के खजाने मिले हैं। दरअसल, आर्कियोलॉजिस्ट्स को पाकिस्तान में 2000 साल पुराने सिक्कों धरती के अंदर से मिले हैं, जो एक हैरान करने वाली घटना है। यह सिक्के पाकिस्तान में स्थित प्राचीन स्थल मोहनजोदड़ो पर बने एक बौद्ध मंदिर के खंडहरों में मिला है, जिसे देखकर हर कोई हैरान हो गया है।

सिक्कों का मिला खजाना

खबरों के मुताबिक, हाल ही में पाकिस्तान के एक प्राचीन बौद्ध मंदिर से से 2000 साल पुराने सिक्कों का खजाना मिला है। यह खजाना बौद्ध स्तूप के खंडहरों के नीचे से मिला है। लाइवसाइंस की रिपोर्ट के मुताबिक, पुरातत्वविद् को यह खजाना दक्षिण-पूर्व पाकिस्तान में स्थित प्राचीन स्थल मोहनजोदड़ो पर बने एक बौद्ध मंदिर के खंडहर से मिला है, जो लगभग 2600 ईसा पूर्व बना था।

कुषाण काल का है खजाना

मोहनजोदड़ो के इस बौद्ध मंदिर में पुरातत्वविद को खुदाई के दौरान लगभग 5.5 किलोग्राम के तांबे के सिक्के मिले हैं, जिसका रंग हरा है। इन सिक्कों की संख्या लगभग 1000 से 1500 के बीच बताई जा रही है। इन सिक्कों पर एक खड़ी आकृति बनी हुई है। शोधकर्ताओं का कहना है कि यह खजाना कुषाण राजाओं की हो सकती है। दावा किया जा रहा है कि यह खजाना कुषाण काल का है। बता दें कि कुषाण काल में बौद्ध धर्म का काफी प्रसार हुआ था। आर्कियोलॉजिस्ट का कहना है कि खंडहरों पर स्तूप का निर्माण लगभग 1600 साल बाद किया गया था। अब इन सिस्कों को लेबोरेटरी ले जाया गया है, यहां इसे सावधानीपूर्वक साफ किया जाएगा।



श्रीजी गौ सदन, नोएडा में श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया गोवर्धन पूजा महोत्सव



नोएडा। श्रीजी गौ सदन, नोएडा द्वारा गोवंश संरक्षण, संवर्धन एवं गौसेवा के संकल्प को समर्पित भव्य गोवर्धन पूजा महोत्सव का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में गौमाता एवं भगवान श्रीकृष्ण के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए गौसेवा, भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं के संरक्षण का संदेश दिया गया।

इस उपलक्ष्य पर गाय स्नान घर, गोवर्धन श्री कृष्ण की प्रतिमा एवं श्री जी वाटिका का लोकार्पण हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पंकज सिंह जी, विधायक नोएडा की गरिमामयी उपस्थिति रही। विशिष्ट अतिथि के रूप में आर.एन. मिश्रा, आईपीएस एवं श्री ए.के. अरोड़ा, जीएम, नोएडा प्राधिकरण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने हेतु गरिमामयी उपस्थिति प्रदान करने वालों में गोपाल कृष्ण अग्रवाल, राष्ट्रीय प्रवक्ता, भारतीय जनता पार्टी; महेश चौहान, अध्यक्ष, महानगर नोएडा; मनोज गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष, महानगर नोएडा; विपिन मल्हन, अध्यक्ष, नोएडा एंटरप्रेन्योर्स एसोसिएशन (एन ई ए) एवं संजय बाली, सांसद प्रतिनिधि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

इस अवसर पर अतिथियों ने गोवर्धन पूजा के आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में गौमाता का स्थान अत्यंत पूजनीय है। गौवंश का संरक्षण केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, पर्यावरण एवं मानवीय संवेदनाओं से भी जुड़ा हुआ है। समाज के प्रत्येक वर्ग को गौसेवा एवं गोवंश संरक्षण के पुनीत कार्य में सक्रिय सहभागिता करनी चाहिए।

श्रीजी गौ सदन द्वारा निराश्रित, असहाय एवं जरूरतमंद गोवंश की सेवा, संरक्षण एवं देखभाल के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की गई। उपस्थित जनसमुदाय ने भी गौसेवा के इस अभियान को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के अंत में श्रीजी गौ सदन के अध्यक्ष सीए विकास अग्रवाल, महासचिव सुशील भारद्वाज, कोषाध्यक्ष संजय कुमार गुप्ता कार्यक्रम संयोजक एवं पूर्व अध्यक्ष एन के अग्रवाल, महेश चौहान तथा परिवार की ओर से सभी अतिथियों, सहयोगियों, दानदाताओं एवं उपस्थित गणमान्य नागरिकों का हृदय से आभार व्यक्त किया गया।

ताला तोड़कर जेवर और रुपये चुराने वाला गिरफ्तार



नोएडा। फेज-2 थाना पुलिस ने बंद मकान में चोरी करने वाले आरोपी चांद को गिरफ्तार किया है। आरोपी बुलंदशहर के ककोड़ का रहने वाला है। पुलिस ने उसके पास से चोरी के जेवर और 5450 रुपये बरामद किए हैं। वारदात में इस्तेमाल औजार और एक अवैध चाकू भी मिला है। 15 अगस्त की रात अक्षरधाम कॉलोनी में एक बंद मकान को निशाना बनाया गया था। चोरों ने दरवाजे की कुंडी और मुख्य ताला तोड़कर जेवर व 20 हजार रुपये चुराए थे। मंगलवार को पुलिस ने चांद को अक्षरधाम मंदिर के पास पुस्ता रोड से पकड़ लिया। पूछताछ में उसने साथी शाहरुख के साथ चोरी करना स्वीकार किया। थाना प्रभारी राघवेंद्र सिंह के अनुसार, आरोपी नशे के आदी हैं और बंद मकानों को निशाना बनाते थे। पुलिस फरार साथी शाहरुख की तलाश कर रही है।

एक्सपोर्ट कंपनी की इमारत में लगी भीषण आग, सो रहे दो कर्मचारियों को सुरक्षित निकाला

नोएडा। सेक्टर-63 स्थित ए-4 ब्लॉक में बनी एक एक्सपोर्ट कंपनी की इमारत में सोमवार देर रात अचानक भीषण आग लग गई। रात करीब 11:46 बजे जब कपड़े के निर्यात का काम करने वाली होरीशा ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की पहली मंजिल पर आग की लपटें उठीं, तो वहां हड़कंप मच गया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और वह दूसरी मंजिल तक फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही दमकल विभाग और स्थानीय पुलिस की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और राहत अभियान शुरू किया।

जानकारी के अनुसार, यह हादसा सेक्टर-63 के ए-4 ब्लॉक में स्थित होरीशा ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड की बिल्डिंग में हुआ। यह कंपनी मुख्य रूप से कपड़ों के निर्यात का काम करती है। सोमवार की रात करीब 11:46 बजे इमारत की पहली मंजिल से आग की शुरुआत हुई थी। देखते ही देखते पहली मंजिल पर भड़की आग फैलकर दूसरी मंजिल तक पहुंच गई, जहां मल्होत्रा इंडस्ट्रीज का काम होता है। लपटें उठती देख आसपास अफरा-तफरी मच गई और तुरंत अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई।

सो रहे दो कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाला: घटना की शुरुआती सूचना के दौरान इमारत के अंदर कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका जताई गई थी। सूचना मिलते ही मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार के नेतृत्व में दमकल विभाग की टीमें बचाव कार्य के लिए मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने तुरंत बिल्डिंग में प्रवेश किया और पहली मंजिल पर सो रहे दो कर्मचारियों को ढूंढ निकाला। रेस्क्यू टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए पहली मंजिल पर सो रहे 41 वर्षीय विक्की और 26 वर्षीय अरुण को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। दोनों कर्मचारियों को समय रहते बचा लिए जाने से एक बड़ा हादसा टल गया।

दमकल की छह गाड़ियों ने पाया काबू: आग पर पूरी तरह काबू पाने के लिए अग्निशमन कर्मियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार के अनुसार, दमकल की छह गाड़ियों की मदद से आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है। इस पूरी घटना में किसी भी व्यक्ति की जान नहीं गई है और कोई जनहानि नहीं हुई है। मौके पर स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौजूद हैं तथा वहां शांति व्यवस्था बनी हुई है। अग्निशमन विभाग के अनुसार फिलहाल मौके पर कूल डाउन की प्रक्रिया जारी है, वहीं आग लगने के सही कारणों और इससे हुए आर्थिक नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

मंदिरों में गोवर्धन पूजा कर गिरिराज को 56 भोग लगाया गया



नोएडा। दीपावली पर्व के बाद मंगलवार को शहर में गोवर्धन पर्व धूमधाम से मनाया गया। शहर के अलग-अलग मंदिरों और गांवों में श्रद्धालुओं ने भगवान गोवर्धन की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिरों में कहीं गोबर से गोवर्धन पर्वत बनाकर पूजा की गई तो कहीं विभिन्न खाने की सामग्रियों से गिरिराज की भव्य झांकी सजाई गई। इस दौरान भगवान को 56 भोग अर्पित किए गए और पूजा के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। सेक्टर-33 स्थित इस्कॉन मंदिर में गोवर्धन पूजा का विशेष आयोजन हुआ। यहां करीब 20 फीट लंबा, सात फीट चौड़ा और तीन फीट ऊंचा गोवर्धन पर्वत तैयार किया गया।

इसे चीनी, मिश्री, हलवा, चावल और अन्य खाद्य सामग्रियों से सजाया गया। मंदिर में कीर्तन, कथा, महाआरती और 56 भोग का आयोजन हुआ। श्रद्धालुओं ने गिरिराज के दर्शन किए और उनकी परिक्रमा की। पूजा के बाद गोवर्धन पर्वत में इस्तेमाल की गई खाद्य सामग्रियों का प्रसाद श्रद्धालुओं में वितरित किया गया। वहीं सेक्टर-19 स्थित सनातन धर्म मंदिर, सेक्टर-20 स्थित हनुमान मंदिर और सेक्टर-14 स्थित श्रीसिद्ध शनि मंदिर में भी गोवर्धन पूजा की गई। इन मंदिरों में गोबर से गोवर्धन पर्वत बनाकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। इसके अलावा शहर के विभिन्न गावों और अन्य स्थानों पर भी लोगों ने गोबर से गोवर्धन पर्वत बनाकर पूजा की। घरों और मंदिरों में श्रद्धालुओं ने भगवान गोवर्धन को भोग लगाया और परिवार की खुशहाली की कामना की। दिनभर मंदिरों में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही।

नोएडा में पटाखे फोड़ने के बहाने पहुंचे 6-7 युवक, इलेक्ट्रॉनिक दुकान का शटर तोड़कर भागे



ग्रेटर नोएडा। बिसरख थाना क्षेत्र के चक शबेरी स्थित हैबतपुर में चोरों ने एक इलेक्ट्रॉनिक दुकान को निशाना बनाने का प्रयास किया। खजूर रोड पर लश्कर वैली स्कूल के सामने स्थित गुप्ता टेलीकॉम का शटर तोड़कर 6 से 7 युवकों ने चोरी करने की कोशिश की। पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। हालांकि, कर्मचारी के शोर मचाने पर आरोपी बिना चोरी किए अपनी गाड़ी से फरार हो गए। जानकारी के अनुसार, सोमवार देर रात करीब 12:45 बजे छह से सात युवक दुकान के बाहर पहुंचे। आरोप है कि युवकों ने पहले पटाखे फोड़ने का बहाना किया और फिर दुकान का शटर तोड़ना शुरू कर दिया। इसी दौरान दुकान के अंदर सो रहे कर्मचारी संदीप पाठक को शटर टूटने की आवाज सुनाई दी। आवाज सुनकर कर्मचारी ने शोर मचाया तो आरोपी घबरा गए। इसके बाद सभी अपनी गाड़ी में बैठकर मौके से फरार हो गए। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में संदिग्ध युवकों की गतिविधियां रिकॉर्ड हो गईं।

112 पर कॉल के बाद भी कार्रवाई में देरी का आरोप: दुकान मालिक राहुल गुप्ता के अनुसार, घटना के दौरान रात करीब 12:50 बजे पुलिस हेल्पलाइन 112 पर कॉल करके सूचना दी गई थी। उन्होंने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कुछ संदिग्धों की पहचान बिहान डेरीवाला, रोहित और अनारस सिंह के पुत्र ओमेश के रूप में बताई है। पीड़ित का आरोप है कि घटना के बाद पूरा दिन बीत जाने के बावजूद न तो आरोपियों की गिरफ्तारी हुई और न ही मुकदमा दर्ज किया गया। सीसीटीवी फुटेज में संदिग्धों की पहचान सामने आने के बावजूद कार्रवाई में देरी को लेकर उन्होंने नाराजगी जताई है।

थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग: दुकान मालिक राहुल गुप्ता ने बिसरख थाने में शिकायत देकर आरोपियों की पहचान के आधार पर मुकदमा दर्ज करने और उनकी गिरफ्तारी की मांग की है। साथ ही वारदात में इस्तेमाल किए गए वाहन की जांच कर आरोपियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग उठाई है। फिलहाल पीड़ित ने पुलिस से मामले में जल्द कार्रवाई करने की अपील की है।

कार की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल

नोएडा। सेक्टर-18 में कार की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए सेक्टर-27 स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में दिल्ली के न्यू अशोक नगर निवासी सुरेंद्र चौहान ने बताया कि उनका बेटा हेमंत पांच नवंबर को अपनी बाइक से सेक्टर-18 में जिम करने गया था। वापस लौटते समय वेब मॉल के एग्जिट गेट के सामने तेज रफ्तार कार ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में हेमंत को गंभीर चोटें आईं और उसकी बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई।

कार का नंबर नोएडा का था। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। राहगीरों की मदद से घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

छठ पूजा को लेकर घाटों की सफाई के लिए विधायक से मिला अंतरराष्ट्रीय मैथिली परिषद



नोएडा। नोएडा के विभिन्न क्षेत्रों में छठ पूजा को लेकर अंतरराष्ट्रीय मैथिली परिषद् के अध्यक्ष शैलेन्द्र मिश्रा ने नोएडा के विधायक पंकज सिंह से मुलाकात कर उन्हें फूलों के बुक्का से सम्मानित किया एवं एक ज्ञापन सौंपा गया जिसमें नोएडा के विभिन्न क्षेत्रों सेक्टर 82 ,93, 110, 105, 19, 100 ,20, 17, 21, 122, 45, 74, 75, एवं सदरपुर, सलारपूर, जलपूरा, चोटपूर, छिजारसी, हिंडन नदियों के किनारे सभी घाटों की साफ़ सफ़ाई एवं पानी की व्यवस्था एवं सुरक्षा को लेकर बैठक हुआ जिस पर विधायक जी ने तुरंत संज्ञान लिया और नोएडा प्राधिकरण को इस काम को लेकर निर्देशित किया एवं पुलिस विभाग को सुरक्षा को लेकर सुनिश्चित किया एवं अध्यक्ष जी ने छठ पूजा समिति सेंट्रल पार्क पॉकेट 7 सेक्टर 82 के तरफ से विधायक जी को निमंत्रण दिया जिसपर विधायक जी ने आने का भरोसा दिया।

भाइयों के माथे पर आज सजेगा तिलक

नोएडा। दीपावली के बाद अब शबर में भाई दूज पर्व की तैयारियां शुरू हो गई है। बुधवार को मनाए जाने वाले भाई दूज को लेकर मंगलवार को शहर के बाजारों में महिलाओं ने खरीदारी की। महिलाओं ने भाइयों के लिए मिठाइयां, बर्फी, नारियल (गोला), पूजा की सामग्री और उपहार खरीदे। वहीं कई महिलाओं ने बाजारों में बाजारों में पहुंचकर हाथों पर मेहंदी भी लगवाई। भंगेल, सेक्टर-59 मामूरा, सेक्टर-27 की इंदिरा मार्केट और सेक्टर-18 की अट्टा मार्केट समेत शहर के अन्य बाजारों में दिभर खरीदारी का सिलसिला चलता रहा।

बाजारों में मिठाइयों की दुकानों पर बर्फी और अन्य मिठाइयां खरीदने के लिए महिलाओं की भीड़ रही। वहीं पूजा के लिए नीरियाल (गोला), रोली, चावल और अन्य पूजन सामग्री की भी खरीदारी की गई। बहनें भाइयों को तिलक लगाने के लिए पूजा की थाली सजाने और उनके लिए पसंदीदा पिठाइयां व उपहार खरीदने में जुटी रहीं। बाजारों में मेहंदी लगवाने के लिए भी महिलाओं की भीड़ नजर आई। घरों में भी पर्व को लेकर तैयारियां की गई। भाई दूज का पर्व भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का प्रतीक माना जाता है। इस दिन बहनें भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र, सुख-समद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करती हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, यमराज अपनी बहन यमुना के घर गए थे। युमना ने उनका स्वागत कर तिलक लगाया और भोजन कराया। इससे प्रसन्न होकर यमराज ने उन्हें वरदान दिया। तभी से कार्तिक शुक्ल पक्ष की द्वितीया को भाई दूज मनाने की परंपरा चली आ रही है। इस पर्व को यम द्वितीया भी कहा जाता है।

आचार्यों के अनुसार दोपहर में तिलक लगाना शुभ: ज्योतिषाचार्या आदित्य द्विवेदी ने बताया कि इस वर्ष भाई दूज बुधवार को कार्तिक शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि 10 नवंबर को दोपहर करीब 2 बजे से शुरू होकर 11 नवंबर को दोपहर 3:54 बजे तक रहेगी। शहर में भाई दूज पर तिलक लगाने का शुभ मुहुर्त दोपहर 1:09 बजे से 3:19 बजे तक रहेगा। इस दौरान बहनें भाइयों को तिलक लगाकर आरती उतारेंगी और मिठाई खिलाकर उनकी लंबी उम्र और सुखी जीवन की कामना करेंगी।

डीसीपी सेंट्रल ने थानों के कंप्यूटर ऑपरेटरों की ली समीक्षा बैठक, सीसीटीएनएस रैंकिंग सुधारने के दिए सख्त निर्देश



नोएडा। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में डीसीपी सेंट्रल नोएडा डॉ. प्रवीण रंजन सिंह ने एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक बुलाई। यह बैठक सेंट्रल नोएडा जोन के सभी थानों में तैनात कंप्यूटर ऑपरेटरों के साथ आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य मकसद थानों में चल रहे विभिन्न कामकाज की समीक्षा करना और क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम यानी सीसीटीएनएस की प्रगति को देखना था, ताकि मासिक रैंकिंग में सुधार लाया जा सके।

बैठक के दौरान डीसीपी डॉ. प्रवीण रंजन सिंह ने सभी थानों के कामकाज की बारीकी से जांच की। उन्होंने कंप्यूटर ऑपरेटरों को स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी थानों का दैनिक डेटा नियमित रूप से सिंक्रोनाइज किया जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि मेडिकल लीगल केस यानी एमएलसी और पोस्टमार्टम रिपोर्ट यानी पीएमआर की शत-प्रतिशत ऑनलाइन फीडिंग हर हाल में सुनिश्चित की जाए।

डीसीपी ने बैठक में मौजूद ऑपरेटरों से कहा कि सीसीटीएनएस की मासिक रैंकिंग सुधारने के लिए कई मानक तय किए गए हैं। इन निर्धारित सभी मानकों और बिंदुओं पर समय सीमा के भीतर शत-प्रतिशत काम पूरा किया जाना जरूरी है।

डीसीपी सेंट्रल नोएडा डॉ. प्रवीण रंजन सिंह ने थानों में तकनीकी काम संभालने वाले कर्मचारियों को सख्त लहजे में हिदायत दी। उन्होंने कहा कि थानों में होने वाले तमाम तकनीकी काम तय समय-सीमा के अंदर ही पूरे किए जाने चाहिए। डेटा फीडिंग करने और डेटा को सिंक्रोनाइज करने के काम में किसी भी तरह की ढिलाई या लापरवाही को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कंप्यूटर ऑपरेटरों को जिम्मेदारी का अहसास कराते हुए कहा कि सीसीटीएनएस से जुड़े जितने भी कार्य हैं, उन्हें पूरी गंभीरता, पूरी जवाबदेही और समयबद्धता के साथ ही पूरा किया जाना चाहिए।

पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर की ओर से पुलिसिंग व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है। कमिश्नरेट का उद्देश्य अपनी तकनीकी कार्यप्रणाली को पहले से अधिक प्रभावी, पारदर्शी और व्यवस्थित बनाना है।

इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए सीसीटीएनएस की कार्यक्षमता को बढ़ाने और उसकी मासिक रैंकिंग में लगातार सुधार करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। थानों के कंप्यूटर ऑपरेटरों के साथ की गई यह समीक्षा बैठक भी इसी प्रक्रिया का एक हिस्सा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address : royalnoida@gmail.com

छठ महापर्व सूर्योपासना, प्रकृति संरक्षण, स्वच्छता एवं सामाजिक सद्भाव का अनुपम पर्व है: डॉ. मुन्ना कुमार शर्मा

नोएडा। सेक्टर-75 के छठ घाट पार्क (सेंट्रल पार्क) में श्री सूर्यदेव पूजा समिति के तत्वावधान में श्री छठ पूजा महोत्सव की तैयारियाँ जोरों से चल रही हैं।छठ घाट का पुनर्निर्माण कार्य पूरा हो गया है। अब सौंदर्यीकरण का कार्य चल रहा है। श्री सूर्यदेव पूजा समिति के अध्यक्ष डॉ?मुन्ना कुमार शर्मा की अध्यक्षता में समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों की एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में तैयारियों की समीक्षा की गई और सदस्यों के बीच जिम्मेदारी का निर्धारण किया गया। यह भी तय किया गया कि समिति की ओर से छठ घाट पर आनेवाले सभी श्रद्धालुओं को छठी मैया का फल प्रसाद दिया जाएगा और सभी श्रद्धालुओं और सेक्टरवासियों को भंडारा का प्रसाद भी दिया जाएगा।।बैठक में समिति के संयोजक ओपी तिवारी, उपाध्यक्ष डॉ?शशांक शेखर, महासचिव राजीव त्यागी, कोषाध्यक्ष प्रभात कुमार, एओए के उपाध्यक्ष ब्रजेश शर्मा, कैप्टन राकेश कुमार, ज्ञानेश मिश्रा, विनोद पटेल, सहित सेक्टर के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। अखिल भारत हिन्दू महासभा एवं अखिल भारतीय प्रवासी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ?मुन्ना कुमार शर्मा ने कहा कि छठ महापर्व भारतीय संस्कृति,लोक आस्था,धार्मिक



श्रद्धा एवं प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का अद्भुत प्रतीक है। यह पर्व भगवान सूर्यदेव एवं छठी मैया की उपासना को समर्पित है।छठ महापर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं,बल्कि परिवार की स ु ख - समृद्धि,आरोग्य,अनुशासन,पवित्रता,प र्यावरण संरक्षण और सामाजिक एकता का भी संदेश देता है।डॉ?शर्मा ने बताया कि इस वर्ष चार दिवसीय छठ महापर्व 13 नवंबर से 16 नवंबर 2026 तक श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ मनाया जाएगा। छठव्रती महिलाएं एवं पुरुष अपने परिवार की सुख-समृद्धि,संतान की दीर्घायु तथा परिवार के सभी सदस्यों के उत्तम स्वास्थ्य एवं कल्याण की कामना के साथ कठिन व्रत एवं पूजा-अर्चना करेंगे।

छठ महापर्व का शुभारंभ नहाय-खाय से होगा। इस दिन व्रती प्रातः स्नान कर घर एवं पूजा स्थल की विशेष साफ-सफाई करेंगे।शुद्धता एवं पवित्रता के साथ कद्दू-भात सहित सात्विक भोजन तैयार किया जाएगा।व्रती सर्वप्रथम भगवान सूर्यदेव को भोग अर्पित कर प्रसाद ग्रहण करेंगे तथा परिवार के अन्य सदस्य भी प्रसाद ग्रहण करेंगे।दूसरे दिन छठव्रती दिनभर उपवास रखकर सायंकाल भगवान सूर्यदेव की पूजा-अर्चना करेंगे।इसके पश्चात गुड़ एवं चावल से बनी खीर,रोटी तथा अन्य सात्विक प्रसाद तैयार किया जाएगा।पूजा के बाद व्रती प्रसाद ग्रहण करेंगे तथा परिवार एवं आसपास के लोगों में प्रसाद वितरित किया जाएगा।खरना के बाद 36 घंटे का निर्जला व्रत प्रारंभ हो जाएगा।तीसरे दिन छठव्रती निर्जला उपवास रखेंगे।सायंकाल अस्ताचलगामी भगवान सूर्यदेव को नदी,नहर अथवा तालाब के किनारे जल में खड़े होकर अर्घ्य अर्पित किया जाएगा।इस अवसर पर बांस के सूप एवं डालों में विभिन्न प्रकार के फल,ठेकुआ,चावल के लड्डू,नारियल,ईख, अदरक, हल्दी, डाभ, सेब, नारंगी, अमरूद, शरीफा, शकरकंद, सुथनी,मूली तथा अन्य पूजन सामग्री सजाई जाएगी। छठी मैया के पारंपरिक लोकगीतों से वातावरण भक्तिमय हो उठेगा।परिवार के सभी सदस्य एवं श्रद्धालु इस पवित्र अनुष्ठान में सम्मिलित होंगे।छठ महापर्व के अंतिम दिन प्रातःकाल व्रती एवं उनके परिजन पुनः नदी,नहर अथवा तालाब के किनारे एकत्रित होकर उदीयमान भगवान सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करेंगे।भगवान सूर्यदेव की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि,आरोग्य,संतान की दीर्घायु एवं समस्त विश्व के कल्याण की प्रार्थना की जाएगी।इसके पश्चात छठव्रती पूजा संपन्न कर अपने व्रत का पारण करेंगे।इसी के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन होगा।

डॉ?शर्मा ने कहा कि छठ महापर्व की सबसे बड़ी विशेषता इसकी कठोर साधना, शुद्धता,स्वच्छता,सादगी एवं प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना है।इस पर्व में जाति,भाषा,क्षेत्र एवं सामाजिक भेदभाव से ऊपर उठकर सभी लोग एक साथ पूजा-अर्चना करते हैं।छठी मैया की पूजा में समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता भारतीय संस्कृति की समरसता एवं एकता का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत करती है।

उन्होंने कहा कि भगवान सूर्य समस्त संसार को ऊर्जा,प्रकाश एवं जीवन प्रदान करते हैं। सूर्योपासना के माध्यम से हम प्रकृति के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।छठ महापर्व हमें नदियों,तालाबों एवं जलस्रोतों को स्वच्छ रखने,पर्यावरण की रक्षा करने,जल संरक्षण करने तथा प्राकृतिक संसाधनों का सम्मान करने की प्रेरणा देता है।हमें छठ पूजा के अवसर पर प्लास्टिक एवं अन्य प्रदूषणकारी वस्तुओं का प्रयोग नहीं करना चाहिए तथा पूजा स्थलों एवं जलस्रोतों की स्वच्छता बनाए रखनी चाहिए।

डॉ? शर्मा ने बताया कि छठ महापर्व मुख्य रूप से बिहार,झारखंड,पूर्वी उत्तर प्रदेश,पश्चिम बंगाल एवं नेपाल के तराई क्षेत्रों में विशेष श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया जाता है।इसके अतिरिक्त दिल्ली-एनसीआर सहित देश के विभिन्न महानगरों एवं विदेशों में रहने वाले भारतीय प्रवासी भी इस महापर्व को पूरी श्रद्धा एवं भव्यता के साथ मनाते हैं।अब छठ महापर्व भारतीय संस्कृति एवं सनातन परंपरा की वैश्विक पहचान बन चुका है।

डॉ?मुन्ना कुमार शर्मा ने समस्त क्षेत्रवासियों एवं देशवासियों को छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए भगवान सूर्यदेव एवं छठी मैया से प्रार्थना की कि सभी के जीवन में सुख,शांति,समृद्धि एवं आरोग्य का प्रकाश आए तथा देश में सामाजिक सद्भाव,एकता एवं राष्ट्रकल्याण की भावना सुदृढ़ हो।

थानों का रिकॉर्ड ऑनलाइन दर्ज करने के निर्देश

नोएडा। थानों में होने वाले कामकाज का रिकॉर्ड ऑनलाइन दर्ज करने में लापरवाही नहीं चलेगी। लापरवाही मिलने पर संबंधित कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। इसको लेकर पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को बैठक की। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देश पर डीसीपी सेंट्रल नोएडा डॉ. प्रवीन रंजन सिंह ने सेंट्रल नोएडा जोन के सभी थानों के कंप्यूटर ऑपरेटरों के साथ बैठक की। इसमें थानों में होने वाले ऑनलाइन कामकाज की समीक्षा की गई। खासतौर पर क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम (सीसीटीएनएस) के काम की जानकारी ली गई। बैठक में डीसीपी ने कहा कि सभी थानों का रोजाना का डाटा समय पर ऑनलाइन अपडेट होना चाहिए।

इसके साथ ही ऑनलाइन दर्ज किए गए रिकॉर्ड को नियमित रूप से मुख्य सिस्टम से जोड़ना जरूरी है। उन्होंने सभी थानों में मेडिकल लीगल केस (एमएलसी) यानी घायल या बीमार व्यक्ति की मेडिकल जांच से जुड़ी रिपोर्ट और पोस्टमार्टम रिपोर्ट की पूरी जानकारी ऑनलाइन दर्ज करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन दोनों तरह की रिपोर्ट की जानकारी ऑनलाइन दर्ज करने में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। सीसीटीएनएस की हर महीने होने वाली रैंकिंग में बेहतर स्थान पाने के लिए तय किए गए सभी काम पूरे करने होंगे। किसी भी थाने का रिकॉर्ड अधूरा नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कंप्यूटर ऑपरेटरों को साफ निर्देश दिए कि थानों में होने वाले सभी ऑनलाइन काम तय समय में पूरे करें। डाटा दर्ज करने और उसे अपडेट करने में लापरवाही न बरतें। सभी कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी समझते हुए पूरी गंभीरता से काम करें। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि थानों के कामकाज को ऑनलाइन व्यवस्था से बेहतर और पारदर्शी बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इससे रिकॉर्ड रखने और जरूरत पड़ने पर पुरानी जानकारी निकालने में भी आसानी होगी।

स्वच्छ सर्वेक्षण का परिणाम आज आएगा

नोएडा। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-2026 का परिणाम बुधवार को घोषित किया जाएगा। केंद्रीय आवासन व शहरी कार्य मंत्रालय की ओर से देशभर के अलग-अलग शहरों को स्वच्छता के हिसाब से रैंकिंग दी जाएगी। दिल्ली में होने वाले कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्राधिकरण को आमंत्रण पत्र मिल चुका है। इस लिहाज से नोएडा को कोई न कोई रैंक मिलने की उम्मीद है। सर्वेक्षण में नोएडा का इस बार परिणाम अहम होगा। पिछले साल नोएडा सुपर स्वच्छ लीग में देश के चुनिंदा 23 शहरों के साथ शामिल हुआ था। दिल्ली के विज्ञान भवन में आज होने वाले इस समारोह की सूचना प्राधिकरण को मिल गई है। प्राधिकरण के महाप्रबंधक एसपी सिंह ने उम्मीद जताई कि नोएडा बेहतर स्थान प्राप्त करेगा।अधिकारियों ने बताया कि इस बार का स्वच्छ सर्वेक्षण 10500 नंबर का था। इसके लिए 10 मानक तय किए गए हैं। इसमें सफाई की चमक दिखने पर 1500, कूड़ा छटनी और प्रबंधन पर 1000, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट) के 1500, सफाई काम की क्षेत्र में पहुंच के 1000, एक बार उपयोग किए गए पानी के प्रबंधन पर 1000, मशीन से नालों की सफाई पर 500, स्वच्छता जागरुकता पर 1500, सफाई व्यवस्था का पूरा तंत्र मजबूत करने पर 1000, स्वच्छताकर्मियों के कल्याण पर 500 और सिटिजन फीडबैक के 1000 नंबर तय किए गए हैं। वहीं, पिछले एक साल से शहर की सफाई व्यवस्था खराब हुई है।

नुक्कड़ नाटक से गूंजी बस्ती 'दिल्ली चलो, हक लेकर रहेंगे'

नोएडा। सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन्स (सीटू) जिला कमेटी गौतम बुद्ध नगर द्वारा 1-3 दिसंबर 2026 को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली ऐतिहासिक रैली और संसद मार्च को सफल बनाने के लिए चलाए जा रहे जन जागरण अभियान के तहत सोमवार को झुग्गी बस्ती सेक्टर 8, 9, 10 में जन नाट्य मंच के कलाकारों ने कई स्थानों पर जोरदार नुक्कड़ नाटक का मंचन किया।



नाटक के माध्यम से कलाकारों ने मजदूर की मेहनत, महंगाई की मार, छीने जा रहे अधिकार और चार लेबर कोड्स के खिलाफ संघर्ष की कहानी को इस अंदाज में पेश किया कि बस्ती के लोग रुक-रुक कर ताली बजाते रहे और 'मजदूर एकता जिंदाबाद' के नारों से पूरा इलाका गूंज उठा।

नुक्कड़ नाटक के बाद हुई नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए सीटू गौतम बुद्ध नगर के जिला सचिव गंगेश्वर दत्त शर्मा ने सभी को गोवर्धन पूजा, भैया दूज और छठ पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा - 'त्योहार तभी सच्चा होगा, जब मजदूर को पूरा वेतन, बोनस, पेंशन और सम्मानजनक जीवन मिलेगा। खाली पेट त्योहार नहीं मनाया जाता, हक की लड़ाई ही असली पूजा है। 'उन्होंने दिल्ली चलो आंदोलन के मुद्दों को रेखांकित करते हुए कामगारों से आह्वान किया कि 1 दिसंबर को दिल्ली की सड़कों को मजदूरों के हुजूम से भर दो।

सभा को सीटू नेता भरत डेंजर, अरुण कुमार पटेल, पारस गुप्ता, शंभू सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने भी संबोधित किया और बस्ती-बस्ती, फैक्ट्री-फैक्ट्री जाकर आंदोलन को सफल बनाने का संकल्प लिया।

संक्षिप्त समाचार

दुकान पर बैठे युवक व उसकी मां पर हमला

नोएडा। नॉलेज पार्क क्षेत्र के गांव कोंडली बांगर में घर के सामने दुकान पर बैठे युवक को लाठी-डंडे और ईंट से पीटकर घायल करने का मामला सामने आया है। बीच-बचाव को आई उसकी मां के पैर में भी ईंट मार दी गई। पुलिस ने सोमवार को चार नामजद आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। गांव निवासी क्रिश शर्मा ने बताया कि सोमवार वह अपने घर के सामने बनी दुकान पर बैठा था। आरोप है कि इसी दौरान वंश, अंश, किशन और निक्की वहां पहुंचे। उन्होंने गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडे और ईंट से मारपीट शुरू कर दी। हमले में क्रिश को गंभीर चोटें आईं। जब उनकी मां बेटे को बचाने आईं तो आरोपियों ने उनके पैर में भी ईंट मार दी, जिससे वह भी घायल हो गईं। कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

ट्रक व बाइक की टक्कर में पति की मौत

ग्रेटर नोएडा। दादरी में बाइपास पर ट्रक व बाइक में टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार पति-पत्नी सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां बाइक चालक की मौत हो गई। प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि दिल्ली के पटपड़गंज निवासी तरुण कुमार परिवार के साथ रहते थे। जो हाल में धूम मानिकपुर गांव के समीप पीपी स्टेट कॉलोनी में रह रहे थे। वो अपनी पत्नी पूजा के साथ 28 अक्तूबर को बाइक से दादरी बाजार जा रहे थे। जब वो जीटी रोड नगर बाइपास पर पहुंचे तो ट्रक ने पीछे से बाइक में टक्कर मार दी। जिससे पति-पत्नी सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल में तरुण की मौत हो गई। इस मामले में मृतक के भाई ने ट्रक नंबर के आधार पर कोतवाली में दो सप्ताह बाद प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

ई-रिक्शा की टक्कर से पैदल जा रहे युवक की मौत

नोएडा। सेक्टर-65 में ई-रिक्शा की टक्कर से पैदल जा रहे युवक की मौत हो गई। उसके चचेरे भाई ने ई-रिक्शा चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। बिहार के जिला पूर्वी चंपारण निवासी तवारक अंसारी ने पुलिस को बताया कि उनका चचेरा भाई 39 वर्षीय गयाश अंसारी नोएडा में रहकर करता था। वह छह नवंबर की रात करीब नौ बजे सेक्टर-65 में सड़क किनारे पैदल जा रहा था। इसी दौरान एक ई-रिक्शा के चालक ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे स्थानीय लोगों ने उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां से उसे जिला अस्पताल ले जाया गया।

गंभीर हालत को देखते हुए उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल भेज दिया गया, जहां नवंबर की शाम उपचार के दौरान सात उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन को सौंप दिया। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर ई-रिक्शा चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। नंबर के आधार पर ई-रिक्शा चालक की पहचान की जा रही है।

ग्रेनो वेस्ट मेट्रो रूट की फाइल पीएमओ तक पहुंची

नोएडा। नोएडा से ग्रेनो वेस्ट रूट तक चलने वाली मेट्रो की फाइल पीएमओ के पास तक पहुंच गई है। ऐसे में उम्मीद है कि जल्द इस रूट की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) को केंद्र सरकार से मंजूरी मिल जाएगी। यह एक्वा लाइन का एक्सटेंशन रूट होगा। यह लाइन नोएडा के सेक्टर-51 से शुरू होकर ग्रेनो वेस्ट के सेक्टर-4 तक बिछेगी। करीब साढ़े सात किलोमीटर लंबा यह कॉरिडोर एलिवेटेड होगा। इस रूट पर पांच मेट्रो स्टेशन बनाए जाएंगे। पिछले दिनों केंद्र सरकार के स्तर पर इस रूट को लेकर बैठक भी हुई थी। इस मेट्रो लाइन को केंद्र में पब्लिक इनवेस्टमेंट बोर्ड (पीआईबी) की मंजूरी पहले ही मिल चुकी है।

नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एनएमआरसी) के अधिकारियों ने बताया कि इस रूट की फाइल मंजूरी के लिए पीएमओ तक पहुंच गई है। उम्मीद है कि जल्द इस रूट को केंद्र की कैबिनेट से मंजूरी मिल जाएगी। मंजूरी मिलते ही इस रूट के निर्माण के लए टेंडर जारी कर दिया जाएगा। इस रूट पर सेक्टर-61, 70, 122, 123 और ग्रेटर नोएडा सेक्टर-4 (किसान चौक के पास) में मेट्रो स्टेशन बनाए जाएंगे।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दो दोस्तों की मौत

नोएडा। ग्रेनो वेस्ट में बेकाबू ट्रक ने बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दो दोस्तों की मौत हो गई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी चालक को हिरासत में लिया है। ट्रक भी कब्जे में लिया गया है। सेक्टर ईकोटेक-3 कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक नोएडा के याकूबपुर गांव में 35 वर्षीय अजीत और 36 वर्षीय संतोष दोनों दोस्त परिवार के साथ रहते थे। परिजनों के मुताबिक शनिवार को छोटी दीवाली के दिन दोनों दोस्त याकूबपुर से बाइक पर ग्रेनो वेस्ट की तरफ जा रहे थे। जब वे न्यू हॉलैंड कंपनी के समीप पहुंचे तो एक बेकाबू ट्रक ने उनकी बाइक में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी।

हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी और दोनों घायलों को नजदीक के एक अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। अब इस मामले में अजीत के पिता नरेंद्र ने ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ट्रक को कब्जे में लिया है। आरोपी चालक को हिरासत में लिया गया है। मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

छठ महापर्व की तैयारियाँ जोरों पर, घाटों की साफ-सफाई का काम तेज

नोएडा। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर श्री सहयोग छठ पूजा समिति के सेक्टर-71 स्थित छठ घाट पर तैयारियाँ जोरों पर हैं। छठ घाट पर साफ-सफाई, रंग-रोगन और पूजा स्थल को व्यवस्थित करने का काम तेजी से किया जा रहा है। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए घाटों को तैयार किया जा रहा है, ताकि व्रती और श्रद्धालु सुरक्षित एवं सुविधाजनक तरीके से पूजा-अर्चना कर सकें।

पिछले करीब 26 सालों से श्री सहयोग छठ पूजा समिति द्वारा नोएडा के सेक्टर-71 में छठ महापर्व का आयोजन किया जाता रहा है।

चार दिवसीय छठ महापर्व की शुरुआत 13 नवंबर को नहाय-खाय के साथ होगी। इसके बाद 14 नवंबर को खरना का पावन अनुष्ठान किया जाएगा। 15 नवंबर को अस्ताचलगामी सूर्यदेव को अर्घ्य दिया जाएगा, जबकि 16 नवंबर को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ महापर्व का समापन होगा।

घाट पर तैयारियों के साथ ही श्रद्धालुओं में भी छठ को लेकर उत्साह



दिखाई दे रहा है। बड़ी संख्या में व्रती परिवारों के साथ यहाँ श्री सहयोग छठ पूजा समिति के द्वारा निर्मित घाट पर पहुंचकर सूर्योपासना करेंगे। आयोजन समिति एवं स्थानीय लोगों द्वारा घाट की स्वच्छता और व्यवस्था को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

समिति के अध्यक्ष श्री नीरज सिंह के मुताबिक इस कार्य में उन्हें कार्यकारिणी अध्यक्ष-राजीव रंजन, कोषाध्यक्ष बालानंद झा, सहकोषाध्यक्ष-राजेश कुमार, महासचिव विजेंद्र राय, उपाध्यक्ष-विनोद ठाकुर, संरक्षक-निलेश चंद्रा, बिपिन कर्ण, खेलन झा के साथ समिति की पूरी टीम का सहयोग प्राप्त होता है। घाट निर्माण के कार्य में नोएडा अथार्टी का सहयोग भी प्राप्त होता है।

छठ महापर्व आस्था, शुद्धता और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का पर्व है, जिसमें व्रती भगवान सूर्य और छठी मैया की आराधना कर परिवार की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और मंगल की कामना करते हैं।

जिले के दो फीडरों पर सबसे ज्यादा लाइन लॉस

नोएडा। जिले के दो फीडरों पर सबसे ज्यादा लाइन लॉस आ रहा है। यह दोनों फीडर दादरी क्षेत्र के बिशनुली और दुजाना गांव के हैं। अब इन दोनों फीडरों पर लाइन लॉस को कम करने के लिए विद्युत निगम द्वारा तैयारी शुरू कर दी गई है। ताकि इन दोनों फीडरों के लाइन लॉस को कम किया जा सके। विद्युत निगम के अधिकारियों के अनुसार जिले में विद्युत निगम के करीब 110 बिजली उपकेंद्र है। इन उपकेंद्रों पर करीब 850 फीडर लगे हुए है। इन फीडर लाइनों से ही सेक्टर, सोसाइटी, गांव व कस्बे आदि को सप्लाई दी जाती है। इन फीडरों पर औसतन लाइन लॉस दस से 15 फीसदी रहता हैं। जबकि शहरी क्षेत्र में बिजली फीडरों का लाइन लॉस पांच से सात प्रतिशत ही है।

वहीं देहात क्षेत्र में लाइन लॉस 20 से 25 फीसदी भी है। हालांकि जिले में दो फीडरों पर सबसे ज्यादा लाइन लॉस आ रहा है, जिस पर मेरठ मुख्यालय द्वारा भी संज्ञान लिया गया है। यह दोनों फीडर दादरी क्षेत्र के बिशनुली गांव और दुजाना गांव के बिजली फीडर है। इन दोनों फीडरों पर लाइन लॉस 40 से 45 फीसदी है। इसके साथ ही बिलिंग का प्रतिशत भी कम है। जिन उपभोक्ताओं के बिल तैयार हो भी रहे हैं, इनमें बिल जमा करने वाले उपभोक्ताओं की संख्या भी सीमित है। इन दोनों गांवों में 20 से 25 प्रतिशत उपभोक्ता ही बिल जमा कर रहे हैं। दोनों गांवों में बकायेदारों की संख्या और धनराशि लगातार बढ़ती जा रही है। इससे विद्युत निगम के अधिकारियों को अब मेरठ मुख्यालय से फटकार लगी है। इसके साथ ही कार्रवाई करने के लिए निर्देश दिए गए है। अब विद्युत निगम प्रवर्तन दल के साथ ही स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर लाइन लॉस को कम करने के लिए कार्य करेगी। इसके साथ ही बकायेदारों से बिल वसूली के लिए भी अभियान चलाया जाएगा। ताकि लाइन लॉस को कम करने के साथ ही बकाया बिल को जमा कराया जा सके।

उत्तराखंड समाज नोएडा ने मनाया राज्य स्थापना दिवस

नोएडा। आज उत्तराखंड स्थापना दिवस के पावन अवसर पर एफ ब्लॉक बारात घर, सेक्टर-22, नोएडा में सल्ट विधानसभा-49, से भाजपा प्रत्याशी के प्रबल दावेदार गिरीश कोटनाला के नेतृत्व में उत्तराखंड समाज नोएडा द्वारा राज्य स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित उत्तराखंडवासियों ने अपने विचार साझा किए तथा उत्तराखंड के विकास, भविष्य एवं जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा की। एवं उत्तराखंड आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। गिरीश कोटनाला ने उत्तराखंड की प्रमुख चुनौतियों पलायन, शिक्षा, चिकित्सा, व्यवसाय एवं रोजगार पर गंभीर चिंतन व्यक्त करते हुए इनके समाधान एवं सुधार के लिए अपने महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए। जिसमें पहाड़ में चकबन्दी को आवश्यक बताया उन्होंने बताया की चकबंदी के बाद



निश्चित ही रिवर्स प्लान होगा और लोग अपने-अपने चेक की तार बाउंड्री कर उसे पर फलदार वृक्ष लगाकर तथा अन्य कृषि उपज उगाकर स्वरोजगार आसानी से कर सकते हैंअपना स्वयं का घर, गौशाला आदि का निर्माण बहुत आसान हो जाएगा क्योंकि बिखरी हुई खेती के कारण लोग वहां पर कृषि पर आधारित कोई भी व्यवसाय नहीं कर पा रहे हैं मेरा सरकार से व उत्तराखंड वासियों से निवेदन है कि वह अपने ग्राम सभा में चकबंदी का प्रस्ताव लाकर सरकार के सहयोग से शीघ्र से शीघ्र चकबंदी करवा दें निश्चित ही इसे पलायन रुकेगा और स्वरोजगार के बहुत सारे अवसर लोगों को मिलेंगे उन्होंने भाजपा सरकार के तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई जी का आभार व्यक्त किया जिन्होंने इस राज्य का निर्माण कर उत्तराखंड वासियों को नई पहचान दी उन्होंने उत्तराखंड राज्य आंदोलन के गौरवशाली इतिहास को स्मरण करते हुए आंदोलनकारियों के संघर्ष, त्याग एवं बलिदान की गाथा साझा की। जिन वीर आंदोलनकारियों ने अनेक यातनाएं एवं कठिनाइयां सहन करके उत्तराखंड राज्य निर्माण का सपना साकार किया, उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

आज आवश्यकता है एकजुट होकर उत्तराखंड के विकास, युवाओं के भविष्य, रोजगार के अवसरों एवं पलायन रोकने के लिए सकारात्मक संकल्प लेने की।

उत्तराखंड की संस्कृति हमारा गौरव है। उत्तराखंड की पहचान हमारा स्वाभिमान है।उत्तराखंड का विकास हमारा संकल्प इस दौरान, भाजपा नेता गोविन्द कोरंगा, पुष्पा रावत, प्रयाग दत्त, भैरव दत्त सुनीति थपलियाल शंभू प्रसाद कोटनाला, महेश डंडरियाल, पार सिंह नेगी, सुशील राणा, मंजू वर्थवाल,सुनीता नयाल ,शीला पंत संगीता भोज संतोष देवरानी, हरिदत्त भारद्वाज आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

राजस्थान को जेडएलडी संयंत्र उद्योगों को वित्तीय सहायता देने की बनेगी नीति, सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

जयपुर, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार को जीरो लिक्विड डिस्चार्ज (जेडएलडी) संयंत्र लगाने की इच्छुक औद्योगिक इकाइयों को वित्तीय सहायता देने के लिए व्यापक नीति बनाने का निर्देश दिया है। इस मामले में अगली सुनवाई 27 नवंबर को होगी। जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि जोजरी-लूनी-बांडी नदी तंत्र में औद्योगिक प्रदूषण से निपटने की जिम्मेदारी राज्य को भी साझा करनी होगी। पीठ ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि प्रस्तावित नीति बनने तक जेडएलडी संयंत्र और उनसे जुड़ा पाइपलाइन नेटवर्क लगाने के लिए वित्तीय सहायता मांगने वाली औद्योगिक इकाइयों के आवेदनों पर हर मामले के आधार पर विचार किया जाए। कोर्ट ने आगे कहा कि ऐसे आवेदनों की उचित तकनीकी जांच और सत्यापन किया जाना चाहिए व उन पर जल्द निर्णय लिया जाए। पीठ ने जोजरी-लूनी-बांडी नदी तंत्र में प्रदूषण से जुड़ी स्वतः संज्ञान कार्यवाही की सुनवाई के दौरान ये निर्देश दिए। इस प्रदूषण से पर्यावरण व 20 लाख लोगों का जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। पीठ ने निर्देश दिया, 'राजस्थान राज्य जेडएलडी संयंत्र लगाने की इच्छुक औद्योगिक इकाइयों को वित्तीय सहायता देने के लिए व्यापक नीति बनाए।' नीति बनने तक वित्तीय सहायता के आवेदनों पर उचित तकनीकी जांच व सत्यापन के बाद विचार होना चाहिए।

6 महीने में 17 गैंगस्टर्स डिपोर्ट, पंजाब मंत्री हरपाल चीमा बोले- कहीं भी छिप जाए अपराधी

चंडीगढ़, एजेंसी। कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने स्पष्ट किया है कि राज्य सरकार पंजाब को गैंगस्टर मुक्त बनाने के लिए दृढ़ संकल्प है। पंजाब में अपराध कर गैंगस्टर दुनिया में कहीं भी छिप जाए, उसे वहां से पकड़कर वापस लाया जाएगा। राज्य सरकार की इसी नीति का परिणाम है कि मात्र छह महीने में ही पंजाब पुलिस विदेश से 17 गैंगस्टर्स को वापस लाने में सफल हुई है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने वाली आम आदमी पार्टी की सरकार पहली है। इससे पहले पूर्व की सरकारों ने कभी ऐसा नहीं किया। चीमा ने कहा कि राज्य में पुलिस की ओर से शुरू की गई 'गैंग्सटरां ते वार' मुहिम के तहत 1.61 लाख रेड कर 2,162 भगोड़ों को गिरफ्तार किया गया है। हाल ही में पुलिस को कामयाबी इथियोपिया से पांच लाख रुपये के इनामी गैंग्सटर गुरविंदर सिंह उर्फ अफरीदी को डिपोर्ट करना है। उस पर 30 से ज्यादा आपराधिक केस चल रहे थे। पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए चीमा ने आरोप लगाया कि अकाली-भाजपा सरकार के दौरान गैंग्सटर पैदा हुए और पले-बढ़े। इनको कांग्रेस राज में फलने-फूलने का मौका मिला लेकिन आप सरकार में इनको पकड़ कर जेलों में डाला जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में पंजाब ने गैंगस्टर्स और असामाजिक तत्वों के खिलाफ एक ऐसी लड़ाई छेड़ी है जो पहले कभी नहीं हुई। सरकार ने पुलिस को हर अपराधी तत्व के खिलाफ ठोस कार्रवाई करने के साफ निर्देश दिए हैं, चाहे वे कहीं भी बैठे हों। इसी का परिणाम है कि पुलिस अलग-अलग देशों से गैंग्सटरों को सफलतापूर्वक भारत लाई है।

उत्तराखंड ट्रेड महोत्सव में उमड़ा जनसैलाब, पहाड़ी उत्पादों और पारंपरिक व्यंजनों की मांग

देहरादून, एजेंसी। त्योहारी सीजन में पहाड़ी उत्पादों की खरीदारी करने लोग उमड़ रहे हैं। मेले में लगे विभिन्न स्टाल पर लोग मिलेट्स, हस्तशिल्प, हथकरघा व अन्य उत्पादों की खरीदारी कर रहे हैं। वहीं, उत्तराखंड के विशेष व्यंजनों का लुफ्त लेने के लिए भी लोग मेले में पहुंच रहे हैं। भाजपा प्रदेश कार्यालय के प्रांगण में सोमवार को आयोजित उत्तराखंड ट्रेड महोत्सव में हर दिन खरीदारी बढ़ रही है। ट्रेड महोत्सव के आयोजक सुनील रावत ने कहा कि मेले की लोकप्रियता के कारण इसे 15 नवंबर तक संचालित करने का फैसला लिया गया है। वहीं, स्थानीय व्यापारियों, उद्यमियों, वेंडर्स और स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों को लोगों का अच्छा समर्थन मिल रहा है। मिलेट्स, स्वयं सहायता समूहों, हस्तशिल्प, हथकरघा, कश्मीरी शाल-सूट, जयपुरी चूरन सुपारी, खुर्जा की क्राकरी, भदोही के कालीन, ज्वैलरी, प्लास्टिक सामान व खेल सामग्री की खूब बिक्री हो रही है। वहीं, प्रत्येक दिन सांस्कृतिक संध्या के अलावा बच्चों व स्थानीय कलाकारों को भी प्रतिभा दिखाने के लिए मंच उपलब्ध कराया जा रहा है।

महाराष्ट्र में प्रमुख पार्टियों के विलय की अटकलें

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में प्रमुख पार्टियों के विलय की संभावना - जो सत्ता की लड़ाई की वजह से अलग हो गई थीं - राजनीतिक गलियारों में एक हॉट टॉपिक बन गई है. जहां नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (ह्रष्टक्क) के दो गुटों के संभावित विलय ने पहले ही राजनीतिक माहौल को गर्म कर दिया है, वहीं सांसद ओमराजे निंबालकर की शिवसेना के दो गुटों को भी एक साथ आने की अपील ने नए राजनीतिक समीकरण के बारे में चर्चा शुरू कर दी है. हाल के वर्षों में सत्ता की लड़ाई की वजह से बिखरीं दो बड़ी क्षेत्रीय पार्टियों के बीच सुलह के संकेत मिलने के साथ, महाराष्ट्र की राजनीति में एक बड़े बदलाव की अटकलें लगाई जा रही हैं. ह्रष्टक्क के बढ़ते राजनीतिक दबदबे, उसके सहयोगियों के बीच बढ़ती बेचैनी और आने वाले चुनावों से पहले क्षेत्रीय पार्टियों के सामने आने वाली अस्तित्व की चुनौतियों के पृष्ठभूमि में इन घटनाक्रमों को अहम माना जा रहा है. हालांकि, मुख्य सवाल यह है: क्या फिर से एक होने की यह मांग सिर्फ पार्टी कार्यकर्ताओं की भावनाओं को दर्शाता है, या भविष्य की सत्ता गतिशीलता को लेकर इसके पीछे कोई राजनीतिक समीकरण है?

महाराष्ट्र की राजनीति में सत्ता में बंटवारा और बदलाव कोई नई बात नहीं है. लेकिन,



हाल के वर्षों में शिवसेना और एनसीपी के टूटने से राज्य की राजनीतिक स्थिति पूरी तरह बदल गई है. ये पार्टियां, जो कभी राज्य की राजनीति में अहम भूमिका निभाती थीं, अब अलग-अलग ग्रुप में बंट गई हैं. विधायकों की खरीद-फरोख्त, सरकार बदलने और पार्टी के नाम और चुनाव निशान को लेकर चल रही कानूनी लड़ाइयों की वजह से राजनीतिक लड़ाई और तेज हो गई है.

इस टूट से दोनों पार्टियों की संगठनात्मक ताकत कम हो गई है. उनके नेताओं ने भले ही सत्ता का रास्ता चुन लिया हो, लेकिन जमीनी स्तर के कार्यकर्ता असमंजस में हैं. अब इन्हीं कार्यकर्ताओं की भावनाएं ही एक होने की मांग को हवा दे रही हैं.

2 जुलाई, 2023 को, अजित पवार की बगावत से शरद पवार की एनसीपी दो धड़ों में बंट गई थी. इसके बाद, फरवरी 2024 में, चुनाव आयोग ने अजित पवार के गुट को 'नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी' नाम और 'घड़ी' चुनाव चिन्ह दिया था.

वहीं, शरद पवार के गुट को 'नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) नाम और 'तुतारी बजाता आदमी' चुनाव चिन्ह दिया गया. दोनों गुटों ने पार्टी का नाम और चुनाव चिन्ह पाने की लड़ाई के दौरान अपनी-अपनी राजनीतिक ताकत दिखाने की कोशिश की.

जब अजित पवार जिंदा थे, तब एनसीपी के दोनों गुटों के फिर से एक होने की अटकलें थीं; शरद पवार और अजित पवार के बीच बैठक की तस्वीरें भी सामने आई थीं. हालांकि, 28 जनवरी, 2026 को एक प्लेन क्रैश में अजित पवार की मौत के बाद, एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने विलय की किसी भी बात को खारिज कर दिया. हाल ही में, एनसीपी के अंदर लीडरशिप का मुद्दा सामने आया. एनसीपी के कुछ नेताओं ने दिल्ली में केंद्रीय मंत्री अमित शाह से शिकायत की थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि फैसले लेने की प्रक्रिया में वरिष्ठ सदस्यों को नजरअंदाज किया जा रहा है. इससे पार्टी के अंदर की खींचतान खुलकर सामने आ गई.

इस बीच, वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल और शरद पवार के बीच एक बैठक –और पटेल ने महीने की 10 तारीख के बारे में जो खास जिक्र किया–गहरी चर्चा का विषय बन गया. इस बीच, 6 नवंबर को सुनील तटकरे ने कहा कि अजित पवार गठबंधन बनाए रखने को लेकर पक्के थे, और कहा कि अगर 'दादा' (अजित पवार) जिंदा होते, तो एनसीपी के दोनों गुट 12 फरवरी तक फिर से एक हो सकते थे.

बालिका आश्रय गृह की चार छात्राओं और वार्डन की झील में डूबने से मौत

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के तिरुवन्नामलाई जिले में सोमवार को पेरुमबक्कम के पास समुद्रम झील में पांच लोगों की डूबने से मौत हो गई। मरने वालों में सरकारी बालिका संरक्षण गृह की चार लड़कियां और उनकी हास्टल वार्डन शामिल हैं। यह घटना तब हुई, जब दीपावली की छुट्टियों के दौरान, लड़कियां अपनी वार्डन के साथ नहाने के लिए झील पर गई थीं। मरने वालों की पहचान शेल्टर होम की वार्डन थेनमोझी, और चार लड़कियों विजयलक्ष्मी, अल्ली, भूमिका और वल्लियाम्मल के रूप में हुई है। ये चारों लड़कियां तिरुवन्नामलाई के पास पेरुमबक्कम में स्थित एक सरकारी बालिका संरक्षण गृह में रहती थीं। जब सभी पानी में थे तभी एक लड़की डूबने लगी। इसके बाद बाकी लड़कियां भी पानी में फंस गईं, जिससे पांचों की जान चली गई। यह ठीक-ठीक पता नहीं चल पाया है और क्या किसी ने दूसरों को बचाने की कोशिश की।

तमिलनाडुः होसुर में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्लांट में हादसा, ईटीपी टैंक की सफाई के दौरान दम घुटने से तीन मजदूरों की मौत

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के होसुर में एप्पल के आईफोन के पुर्जे बनाने वाली टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड की फैक्ट्री में सोमवार शाम एक बड़ा हादसा हो गया। वेस्टवाटर यानी एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट के टैंक की सफाई के दौरान दम घुटने से तीन कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों की जान चली गई। यह घटना सोमवार शाम को कृष्णागिरी जिले के होसुर स्थित टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स परिसर में हुई। तीनों मजदूर ईटीपी टैंक के भीतर जमा कीचड़ और गाद साफ करने के लिए उतरे थे। सफाई के दौरान जहरीली गैस के संपर्क में आने और ऑक्सीजन की कमी के चलते तीनों का दम घुट गया



और वे बेहोश हो गए। हादसे में जान गंवाने वाले तीनों मजदूरों की पहचान होसुर निवासी 30 वर्षीय कावेरी, धर्मपुरी जिला निवासी 28 वर्षीय बी. अकमल, धर्मपुरी जिला निवासी 28 वर्षीयएम. सारथी कुमार के रूप में की गई है

हादसे के तुरंत बाद तीनों को होसुर के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए कृष्णागिरी के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया है। ये तीनों कर्मचारी टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स द्वारा सीधे तौर पर नहीं, बल्कि नाल्को कंपनी के माध्यम से कॉन्ट्रैक्ट पर टैंक की सफाई के काम में लगाए गए थे। कृष्णागिरी के जिला कलेक्टर सी. दिनेश कुमार ने घटनास्थल का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने पुष्टि की कि तीनों मजदूरों की मौत ईटीपी टैंक से गाद हटाते समय दम घुटने से हुई है। कलेक्टर ने बताया कि मामले की पूरी जांच के आदेश दे दिए गए हैं और सुरक्षा मानकों की पड़ताल की जा रही है।

कोलाबा में दो बसों के बीच चकनाचूर हुई 2 गाड़ियां, पांच लोग गंभीर रूप से घायल

मुंबई, एजेंसी। मुंबई के कोलाबा में एक ट्रैफिक सिग्नल पर बड़ा हादसा हो गया। दो बसों के बीच दो कारें बुरी तरह कुचल गईं, जिससे पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा सोमवार रात करीब 9:00 बजे भक्ति पार्क ट्रैफिक सिग्नल के पास हुआ।



घायलों की पहचान शिवानी पाल (65), प्रनिश पाल (74), मधुपर्ण पाल (28), हशरत शेख (34) और बालाजी पांडुरंग जाधव (35) के रूप में हुई है। वडाला के न्यू कफ परेड इलाके में लोढ़ा जंक्शन पर ट्रैफिक सिग्नल पर एक बस रुकी हुई थी। बस के ठीक पीछे दो कारें खड़ी थीं। कुछ ही सेकंड बाद, एक प्राइवेट बस ने पीछे से गाड़ियों को टक्कर मार दी। इस टक्कर की वजह से के ठीक पीछे खड़ी कार बस के पिछले हिस्से के नीचे फंस गई। बस की टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों गाड़ियों में सवार लोग अंदर ही फंस गए। पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की मदद से अंदर फंसे लोगों को बाहर निकाला, फिर क्षतिग्रस्त कारों और बसों को सड़क से हटाया। इस हादसे को लेकर पुलिस ने एक बयान में कहा, 'हमें कंट्रोल से सूचना मिली कि वडाला के न्यू कफ परेड इलाके में लोढ़ा जंक्शन पर दो बसों और एक कार के बीच हादसा हुआ है।

हिमाचल में पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से बारिश और हिमपात के बने आसार, 4 जिलों में दिखेगा असर

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में दीवाली के बाद मौसम मेहरबान हो सकता है। प्रदेश में आज मंगलवार से वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के एक्टिव होने के आसार बन रहे हैं। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला की ओर से जारी किए गए ताजा पूर्वानुमान के अनुसार प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से प्रदेश के ऊंचे क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर हिमपात और वर्षा का अनुमान है। ऐसे में तापमान में गिरावट की संभावना जताई गई है।



मौसम विज्ञान केंद्र शिमला की ओर से जारी किए गए ताजा पूर्वानुमान के अनुसार 10 नवंबर से पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से इसका ज्यादा असर 12 और 13 नवंबर को रहने का अनुमान है। इस कारण 12 नवंबर को चंबा, कांगड़ा, मंडी और कुल्लू में आंधी और वर्षा को लेकर चेतावनी जारी की गई है। प्रदेश में सोमवार को बादल छाने से दिन के तापमान में दो डिग्री तक गिरावट दर्ज की गई है। न्यूनतम तापमान में भी दो डिग्री तक की गिरावट आई है। अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 6 डिग्री सेल्सियस तक ऊपर दर्ज किया जा रहा है। ऊना में पारा 32 डिग्री दर्ज किया गया। इसके विपरीत, जनजातीय क्षेत्रों और ऊंचे इलाकों में रातें भयंकर ठंडी हो चुकी हैं। लाहुल-स्पीति का कुकुमसेरी राज्य में सबसे ठंडा रहा।मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर हरियाणा और उसके आसपास बने चक्रवाती परिसंचरण और 10 नवंबर से उत्तर-पश्चिम हिमालयी क्षेत्र में सक्रिय होने वाले एक नए पश्चिमी विक्षोभ के कारण बारिश के आसार बन रहे हैं। आने वाले दिनों में राज्य के कुछ हिस्सों में गरज के साथ बिजली चमकने की चेतावनी भी जारी की है।

चित्रकूट के गधा मेले में छाया 'चंकी पांडे', 72 हजार की सबसे ऊंची बोली लगी; पीछे छूटे अमिताभ, शाहरुख और मिथुन

भोपाल, एजेंसी। मंदाकिनी नदी के किनारे लगने वाले चित्रकूट के सदियों पुराने गधा मेले में सोमवार को गधों की बोली लगी। इस मेले में 'चंकी पांडे' (बॉलीवुड अभिनेता नहीं, बल्कि एक गधा) आकर्षण का केंद्र बन गया। चित्रकूट में दीवाली के दौरान हर साल यह 'गधा मेला' लगता है। इस मेले में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पंजाब और राजस्थान से लगभग 350 गधे और खच्चर लाए गए। चित्रकूट नगर परिषद के मुख्य नगर अधिकारी अंकित सोनी ने बताया कि इस साल करीब 80 जानवरों की खरीद-बिक्री हुई।

चित्रकूट में लगने वाले इस गधे मेले का बॉलीवुड से गहरा नाता है। गधों की तरफ व्यापारियों का ध्यान खींचने के लिए जानवरों का नाम फिल्मी सितारों के नाम पर रखा जाता हैं। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के पड़ोसी जिलों से भी व्यापारी और खरीदार यहां सौदेबाजी के लिए आते हैं। मुख्य नगर अधिकारी अंकित सोनी ने बताया, 'ये फिल्मी नाम केवल मेले तक ही सीमित रहते हैं। इन जानवरों का उन मशहूर हस्तियों से कोई स्थायी संबंध नहीं होता। गधों का नाम फिल्मी सितारों के नाम पर इसलिए रख देते हैं ताकि मेले का माहौल दिलचस्प हो जाए।'

इस साल के मेले में अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, मिथुन चक्रवर्ती और चंकी पांडे के नाम के गधे शामिल थे, जिसमें 'चंकी पांडे' नाम के गधे की सबसे ज्यादा बोली लगी। यह गधा 72,000 रुपये में बिका। फिल्मी सितारों के नाम की वजह से भले ही मेले की तरफ लोगों को आकर्षण बढ़ जाता है, लेकिन खरीदार असल में काम की चीजों पर ही ज्यादा ध्यान देते हैं। जानवर की नस्ल, कद-काठी, बनावट और ताकत ही उसकी कीमत तय करती है। मुगलकाल से हो रहा मेले का आयोजन माना जाता है कि यह मेला मुगल काल से चला आ रहा है। इसके पीछे एक स्थानीय कहानी है कि मुगल सेना के एक



सैन्य अभियान के दौरान, उनके जानवरों की तबीयत खराब हो गई थी। कहा जाता है कि इसी घटना के बाद जानवरों की खरीद-बिक्री के लिए इस बाजार की शुरुआत हुई। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है, लेकिन इसका भविष्य अब उतना पक्का नहीं है। आयोजकों का मानना है कि नई पीढ़ी के इससे दूर होने के कारण, इस मेले का आकर्षण धीरे-धीरे कम होता जा रहा है। हो सकता है कि इसका पुराना आकर्षण फीका पड़ रहा हो, लेकिन फिल्मी सितारों के नाम की वजह से इसकी अहमियत अभी भी बरकरार है।

दुष्कर्म मामले में टीएमसी विधायक परेश राम दास गिरफ्तार, पुलिस ने कोलकाता एयरपोर्ट से दबोचा

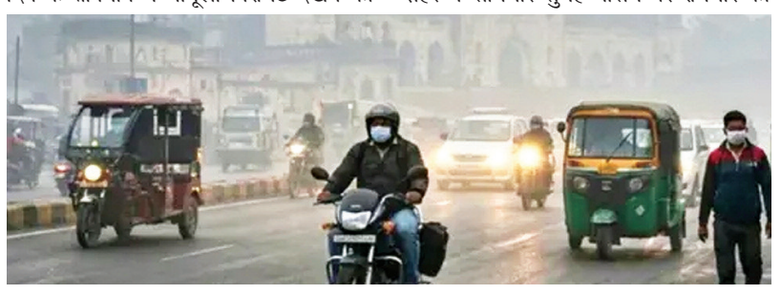
कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल पुलिस ने टीएमसी विधायक परेश राम दास को सोमवार को कोलकाता एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया. दास पर दुष्कर्म, जबरन वसूली और चुनाव के बाद हुई हिंसा से जुड़े कई मामले दर्ज हैं. पुलिस ने बताया कि बरुईपुर पुलिस थाने की एक विशेष टीम ने कैनिंग पश्चिम के फरार विधायक को दोपहर में पकड़ा. परेश राम दास को दक्षिण 24 परगना जिले के बरुईपुर लाया जाएगा और मंगलवार को अदालत में पेश किया जाएगा. टीएमसी विधायक दास को मुंबई के लिए उड़ान पकड़नी थी. सोमवार शाम को, जब वे मुंबई जा रहे थे, तब बरुईपुर जिला पुलिस ने उन्हें एयरपोर्ट पर गिरफ्तार कर लिया. दास लगभग 17 दिनों से फरार थे. उनकी गिरफ्तारी से राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में खलबली मच गई है. पुलिस सूत्रों के अनुसार, जांच अधिकारी दुष्कर्म के एक मामले के सिलसिले में कुछ समय से परेश राम दास की भूमिका की जांच कर रहे थे. इसके चलते, सीआईडी ने उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया था. जांचकर्ताओं ने मामले की जांच के सिलसिले में उनसे कई विषयों पर जानकारी मांगी थी.

सूत्रों के मुताबिक, हालांकि विधायक दास शुरुआत में सीआईडी के सामने पूछताछ के लिए पेश हुए थे, लेकिन बाद में जांच अधिकारियों के साथ बातचीत और आगे पेश होने को लेकर कुछ दिक्कतें आ गईं. इसके बाद, विधायक एक तरह से भूमिगत हो गए. लगभग 17 दिनों तक जांच अधिकारी उन्हें ढूंढ नहीं पाए. पुलिस ने उन्हें ट्रैक करने के लिए कई सुरागों पर नजर रखी और उनके ठिकाने तथा गतिविधियों के बारे में जानकारी जुटाई.

जांच अधिकारियों का मानना है कि विधायक ने सीआईडी की पूछताछ से बचने के लिए मुंबई जाने की योजना बनाई थी. इसी इरादे से दास सोमवार शाम हवाई अड्डे पहुंचे. हालांकि, मुंबई की उड़ान में सवार होने से पहले ही उनकी गतिविधियों की खबर पुलिस को मिल गई. इसके बाद, बरुईपुर जिला पुलिस के अधिकारी एयरपोर्ट पहुंचे और उन्हें गिरफ्तार कर लिया.

बदल गया मौसम का मिजाज, सुबह छाएगी धुंध, तापमान में नहीं होगा बदलाव

लखनऊ, एजेंसी। दीपावली के बाद अब मौसम में बदलाव शुरू हो गया है। यूपी के कई जिलों में सुबह खुले क्षेत्रों में हल्की धुंध छाई रही। राजधानी लखनऊ में दीपावली के दौरान हवा काफी खराब हो गई। लालबाग और तालकटोरा अलीगंज जैसे इलाकों की हवा बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गई है। यहां वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 300 के पार हो गया। बात अगर आगरा की करें तो यहां सोमवार को सुबह धुंध छाई रही और करीब आठ बजे धूप निकलने से धुंध छंट गई। मौसम विज्ञानी अतुल कुमार सिंह ने बताया कि वायुमंडलीय स्थिरता के चलते आगामी दो-तीन दिनों में सुबह हल्की धुंध देखने को मिल सकती है। तापमान में विशेष परिवर्तन देखने को नहीं मिलेगा। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि यूपी के तापमान में अब अंतर आने लगेगा। रात के तापमान में मामूली वृद्धि और दिन के तापमान में मामूली गिरावट देखने को



मिलेगी। मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार मंगलवार सुबह खुले क्षेत्रों में हल्की धुंध देखने को मिल सकती है। दिन में धूप निकलेगी। आगामी सप्ताह में तापमान में विशेष बदलाव देखने को नहीं मिलेगा और यह 16 से 30 डिग्री सेल्सियस के मध्य रहेगा। आगरा शहर में सोमवार सुबह मौसम पर रविवार को दीपावली पर हुई आतिशबाजी का असर नजर आया। सुबह खुले क्षेत्रों, पार्कों, मैदानों और हाईवे पर धुंध छाई रही। आठ बजे तक यह स्थिति रही। इसके बाद धूप निकलने पर धुंध छंट गई। दिन में धूप निकली।

गुवाहाटी में शादीशुदा महिला के टुकड़े-टुकड़े कर नाले में फेंका

दिसपुर, एजेंसी। असम के गुवाहाटी में एक विवाहित महिला की हत्या के आरोप में पुलिस ने रविवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी और मृतका के बीच पिछले लगभग 10 वर्षों से अफेयर चल रहा था। महिला की हत्या 1 नवंबर को की गई थी और वारदात के छह दिन बाद उसका शव बरामद हुआ। आरोपी की पहचान धेमाजी निवासी प्रदीप ताये के रूप में हुई है, जो गुवाहाटी के खानापारा इलाके में ड्राइवर का काम करता था। पुलिस के अनुसार, प्रदीप का 35 वर्षीय जीना बैश्य के साथ करीब एक दशक से संबंध था।

दोनों एक ही आवासीय परिसर में किराएदार के रूप में रह रहे थे। हाल के दिनों में दोनों के बीच आपसी विवाद बढ़ने लगे थे, जिसके चलते दोनों के परिवारों के बीच भी तनाव पैदा हो गया था। जांच अधिकारियों के मुताबिक,



प्रदीप 1 नवंबर को जीना को अपनी गाड़ी में बाहर ले गया था। उसने उसी दिन बेलटोला इलाके से एक दाव खरीदा था और उसे गाड़ी में छिपाकर रखा हुआ था। रात करीब 8 बजे वह महिला को खानापारा स्थित गणेश मंदिर के पास एक सुनसान जगह पर ले गया।

वहां उसने हथियार से महिला पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इसके बाद उसने शव को पास के नाले में फेंक दिया और वहां से फरार हो गया। घटना के छह दिन बाद, यानी 7 नवंबर को पुलिस ने खानापारा के नाले से अज्ञात शव बरामद किया। शिनाख्त के बाद मृतका के पति जीतू भुइया ने उसी रात वशिष्ठ पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई।

ऑस्ट्रेलियाई टीम में मेरी वापसी का रास्ता अपने आप बन जाएगा: लाबुशेन

नई दिल्ली । मार्नस लाबुशेन ने एक साल से ज्यादा समय में दूसरी बार टेस्ट टीम से बाहर किए जाने पर अपनी राय रखी है। उन्होंने कहा कि वह नेशनल टेस्ट टीम में वापस आएंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापसी का उनका रास्ता अपने आप बन जाएगा। लाबुशेन को 17 महीने के अंदर दूसरी बार टेस्ट टीम से बाहर कर दिया गया। मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा है कि लाबुशेन को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम में जगह नहीं मिलेगी। क्रिकेट.कॉम.एयू के हवाले से



लाबुशेन ने मंगलवार को कहा, 'एक क्रिकेटर के तौर पर आप काफी जागरूक होते हैं। आप इसे जांच से पीछे हटने और शायद दो साल से दबाव में रहने के मौके के तौर पर इस्तेमाल करते हैं।'

लाबुशेन को उनके खराब फॉर्म की वजह से बाहर किया गया। उनकी खराब फॉर्म का सिलसिला 2023 एशेज से शुरू हुआ था। यह आखिरी सीरीज थी जिसमें उन्होंने सेंचुरी बनाई थी। पिछले साल वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की तीन टेस्ट मैचों की सीरीज से बाहर होने के बाद से, उन्होंने 10 टेस्ट मैचों की 19 पारियों में दो अर्धशतक लगाए हैं। 32 साल के इस खिलाड़ी ने अपनी पिछली 16 पारियों में कोई अर्धशतक नहीं लगाया है।

दाएं हाथ का यह खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट में वापसी करेगा और क्वींसलैंड की कप्तानी करेगा, जिसका अगला शेफील्ड शील्ड राउंड बुधवार से शुरू होगा।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापसी का मेरा रास्ता अपने आप बन जाएगा। मैंने पहले भी ऐसा किया है, और मुझे कोई शक नहीं है कि मैं वहां वापस आऊंगा। कब? कौन जानता है, लेकिन यही तो मेरी ख्वाहिश और इच्छा है। अभी, मेरे पैर क्वींसलैंड के साथ मजबूती से जमे हुए हैं और एक कप्तान, बल्लेबाज, फील्ड में और गेंद के साथ मैं जो कुछ भी कर सकता हूं, वह कर रहा हूं ताकि हम मैच जीत सकें।'

मैनचेस्टर के हेड कोच के तौर पर माइकल कैरिक के भविष्य को खतरा: रिपोर्ट

नई दिल्ली । मैनचेस्टर यूनाइटेड के हेड कोच के तौर पर माइकल कैरिक के भविष्य को झटका लग सकता है। प्रीमियर लीग क्लब उनके विकल्प की तलाश कर रहा है। पिछले शनिवार को मैनचेस्टर सिटी पर नॉटिंघम फॉरेस्ट की 3-1 की जीत के बाद रेलीगेशन जोन में जाने के बाद, मैनचेस्टर यूनाइटेड रविवार को एस्टन विला के साथ 4-4 के रोमांचक ड्रॉ के बाद सबसे नीचे के क्लब क्रिस्टल पैलेस से एक पॉइंट ऊपर 18वें स्थान पर है। हालांकि मैन यूनाइटेड इस बात पर जोर दे रहा है कि अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। द एथलेटिक की रिपोर्ट के मुताबिक, 'संभावित रिप्लेसमेंट पर काम शुरू हो



गया है और 13 दिनों में लिवरपूल का सामना करने के लिए एनफील्ड जाने से पहले बदलाव किया जाएगा।'

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि कैरिक के भविष्य पर आखिरी फैसला को-ओनर सर जिम रैटक्लिफ और क्लब के मेजोरिटी ओनर्स, ग्लेजर फैमिली से मंजूरी की जरूरत होगी। यूनाइटेड स्टेट्स के हेड कोच मौरिसियो पोचेतीनो के कैंडिडेट्स में काफी नाम आने की उम्मीद है, जबकि न्यूकैसल यूनाइटेड के पूर्व हेड कोच एडी होवे और जर्मनी के पूर्व कोच जूलियन नेगल्समैन कैरिक की जगह लेने की रेस में हैं। पोचेतीनो ने अगस्त में यूएसए कोच के तौर पर अपने अनुबंध को बढ़ाने के लिए साइन किया था। हालांकि, माना जा रहा है कि इस डील में ऐसे क्लॉज हैं जो उन्हें खास हाई-प्रोफाइल जॉब्स के लिए जाने की इजाजत देंगे। कैरिक को मई में दो साल के अनुबंध पर मैनचेस्टर यूनाइटेड का परमानेंट हेड कोच नियुक्त किया गया था। जब वह जनवरी में हेड कोच के तौर पर यूनाइटेड लौटे थे, तब उन्होंने एक सफल अंतरिम चार्ज दिया था।

बारिश के कारण न्यूजीलैंड और भारत के बीच

तीसरा वनडे रद्द



हैमिल्टन । न्यूजीलैंड और भारत के बीच मंगलवार को सेडन पार्क में खेला जाने वाला तीसरा वनडे बारिश की वजह से एक भी गेंद फेंके बिना रद्द कर दिया गया। पांच मैचों की सीरीज में भारत 2-0 से आगे है। चौथा और पांचवां वनडे क्रमशः शुक्रवार और रविवार को खेला जाएगा। पिछले 12 घंटों से शहर में भारी बारिश होने के कारण मैच पर पहले से ही संकट के बादल छाए हुए थे। हालांकि बारिश थोड़ी देर के लिए रुकी थी और ग्राउंड स्टाफ खेलने की जगह तैयार करने में लगे थे, लेकिन फिर से बारिश की वजह से कवर्स को वापस मैदान पर रखना पड़ा।

बारिश और गीली आउटफील्ड की वजह से दो घंटे की देरी के बाद टॉस हुआ। भारत ने लगातार तीसरी बार टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया था। टॉस के कुछ ही मिनट बाद बारिश फिर आ गई और पिच को ढक दिया गया। लंबे इंतजार के बाद भी मैच को रद्द करने का फैसला किया। पिछले दो वनडे बारिश से प्रभावित हुए थे, और दोनों टीमों को अब तक पूरी सीरीज में निराशा के पल देखने को मिले हैं। मेन इन ब्लू ने ऑकलैंड में पहला वनडे डीएलएस नियम के तहत पांच विकेट से जीता था। वेलिंगटन में दूसरे वनडे में, बारिश के कारण मैच खत्म होने के बाद भारत को डीएलएस मेथड के तहत विजेता घोषित किया गया। मेहमान टीम 135 रन का पीछा करते हुए 113/7 पर थी, और डीएलएस पार ??स्कोर से चार रन आगे थी।

टीम इंडिया आखिरी दो वनडे में अलग तरह की टीम के साथ उतरेगी, जिसमें श्रेयस अय्यर, शुभमन गिल की जगह कप्तानी की जिम्मेदारी संभालेंगे, जो अब टीम के दूसरे रेड-बॉल खिलाड़ियों के साथ दो मैचों की टेस्ट सीरीज की तैयारी करेंगे। दोनों टीमें अगला मुकाबला शुक्रवार को माउंट माउंगानुई के बे ओवल में करेंगी।

नेशनल टीम के लिए खेलना हर खिलाड़ी का सपना मैं बहुत खुश हूं'

हैमिल्टन । भारतीय टीम के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज ने कहा है कि राष्ट्रीय टीम का हिस्सा बनना हर खिलाड़ी का सपना होता है। मैं भारतीय क्रिकेट टीम के लिए खेल रहा हूं। यह काफी उत्साहजनक है। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे से पहले ब्रॉडकास्टर्स से अंशुल कंबोज ने कहा, 'मैंने 13 साल की उम्र में खेलना शुरू किया था। मैं हरियाणा के लिए खेलता हूं। तो यह हरियाणा में भी, जैसा मैं कह सकता हूं, मौसम और विकेट कुछ वैसे ही हैं।' भारतीय टीम के लिए खेलने की खुशी से जुड़े सवाल पर कंबोज ने कहा, 'मैं उत्साहित और बहुत खुश भी हूं, क्योंकि मैं अपनी नेशनल टीम के लिए खेल रहा हूं। अपनी नेशनल टीम के लिए खेलना



हर किसी का सपना होता है, इसलिए यह काफी उत्साहजनक है।' कंबोज आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का हिस्सा हैं। इस टीम के साथ उन्हें एमएस धोनी और स्टीफन फ्लेमिंग के साथ काम करने का अवसर पर मिला है। इस पर उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए सीखने का एक अच्छा अनुभव था। मैं अभी भी बहुत कुछ सीख रहा हूं। मैं बस यह पक्का कर रहा हूं कि मैं सही तरीके से सीख रहा हूं। परिणाम के बारे में ज्यादा नहीं सोच रहा हूं, बल्कि इस बात पर फोकस कर रहा हूं कि मुझे क्या करना है और फील्ड पर भी क्या करना है।'

कंबोज ने इंडिया ए के साथ खेलने पर मिले अनुभव पर कहा, 'यह बस मौसम के हिसाब से ढलने के बारे में था। विकेट थोड़ा ठंडा था, और मैं बस सही लेंथ और सही एरिया समझना चाहता था जहां मुझे गेंदबाजी करनी है। मैं बस उसी पर फोकस कर रहा हूं। यह विकेट और सिचुएशन के हिसाब से परफेक्ट लाइन और लेंथ के बारे में है।



टी20 विश्व कप 2026 में खत्म हुई पिछले 11 साल की तलाश

नई दिल्ली । संजू सैमसन भारतीय क्रिकेट के मौजूदा दौर के सर्वाधिक लोकप्रिय नाम हैं। सैमसन ने अपनी दमदार बल्लेबाजी से न सिर्फ भारत में बल्कि पूरी दुनिया में अपना बड़ा फैन बेस बनाया है जिसकी हालिया झलक हमें न्यूजीलैंड दौर पर टी20 सीरीज के दौरान मिली। बुधवार को 32 साल के हो रहे विकेटकीपर बल्लेबाज सैमसन का करियर बेहद उतार-चढ़ाव भरा रहा है। उन्होंने मौजूदा सफलता और लोकप्रिया के लिए संघर्ष का एक लंबा दौर देखा है। सैमसन का जन्म 11 नवंबर, 1994 को, पुल्लुविला, विझिंजम, त्रिवेंद्रम (अब तिरुवनंतपुरम) में हुआ था। उनके जीवन के शुरुआती कुछ वर्ष दिल्ली में बीते। दिल्ली में ही उन्होंने क्रिकेट को समझा और सीखा। सैमसन बचपन से ही बेहद प्रतिभाशाली थे। उनकी टाइमिंग और शॉट्स ने उनके पिता को बेहद प्रभावित किया और उन्हें अपने बेटे में एक बड़ा क्रिकेटर दिखा। सैमसन के पिता ने दिल्ली छोड़कर केरल का रुख किया। विकेटकीपर और दाएं हाथ के विस्फोटक बल्लेबाज सैमसन ने केरल में स्थानीय स्तर पर क्रिकेट खेलना शुरू किया। 2011 में अक्टूबर में उन्होंने केरल की तरफ से टी20 में और इसी साल नवंबर में प्रथम श्रेणी में डेब्यू किया। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन की वजह से उन्हें आईपीएल 2013 में राजस्थान रॉयल्स ने साइन किया। उस सीजन उन्होंने 11 मैचों में 206 रन बनाए। 2015 तक वह राजस्थान का हिस्सा रहे और हर साल अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया। सैमसन के शॉट्स और टाइमिंग और छक्के लगाने की क्षमता देख उन्हें भारतीय क्रिकेट का अगला बड़ा सितारा माना गया।

सैमसन को आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन का इनाम बीसीसीआई ने 2015 में दिया, जब उन्हें भारतीय टीम में जिम्बाब्वे दौरे के लिए शामिल किया गया। सैमसन ने 19 जुलाई 2015 को जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 से अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का आगाज किया था। लेकिन इसके बाद का दौर सैमसन के लिए बेहद मुश्किल भरा रहा। आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन और असाधारण बल्लेबाजी क्षमता के बावजूद वह भारतीय टीम से लगातार अंदर-बाहर होते रहे। साल-दर-साल बीतते गए। ईशान, पंत, हार्दिक और गिल जैसे जूनियर क्रिकेटर भारतीय टीम का बड़ा चेहरा बन गए, लेकिन सैमसन अपनी जगह बनाने के लिए संघर्ष करते रहे।

मिचेल स्टार्क ने उस्मान ख्वाजा के

दावों को किया खारिज

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने उस्मान ख्वाजा के उन दावों को खारिज कर दिया कि 2018 में दक्षिण अफ्रीका में केपटाउन टेस्ट के दौरान पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को सैंडपेपरगेट के बारे में पता था। समर ऑफ द सेंचुरी के लिए कायो स्पोर्ट्स और फॉक्स क्रिकेट के लॉन्च इवेंट में मीडिया से बात करते हुए स्टार्क ने कहा कि वह 2021 में साथी गेंदबाजों पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और नाथन लियोन के साथ जारी किए गए संयुक्त बयान पर कायम हैं, जिसमें इस बात से इनकार किया गया था कि गेंदबाजों को मैदान पर सैंडपेपरगेट के बारे में कुछ भी पता था और केप टाउन टेस्ट के दौरान गेंद से छेड़छाड़ की गई थी। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड के हवाले से स्टार्क ने कहा, 'मुझे लगा कि हम यहां क्रिकेट की गर्मियों के लिए आए हैं। मैंने सच में इस पर (ख्वाजा के दावों की कवरेज) ज्यादा ध्यान नहीं दिया है। जाहिर है, लगभग आठ साल पहले इस पर अलग-अलग राय थी।

उस समय से हमें इस प्रक्रिया के बारे में बहुत ज्यादा समझाया गया था। अब, मुझे लगता है, मैं गेंदबाज की तरफ से नहीं बोलूंगा, लेकिन जहां मैं खड़ा हूं, मेरी राय नहीं बदली है। 2021 में हमने जो कहा था, उससे मेरी याददाश्त नहीं बदली है।'



ख्वाजा के इस दावे के बारे में पूछे जाने पर कि स्कैंडल के बारे में 'सबको पता था', स्टार्क ने कहा कि वह उस बयान पर कायम हैं जो गेंदबाजों ने 2021 में जारी किया था।

उन्होंने कहा, 'यह जाहिर है एक किताब में है। यह किसी को और समझाना है। जहां तक ??हमारे बयान में कहा गया है (2021 में), हमें इस बात की जानकारी नहीं थी कि इसे मैदान पर लिया जा रहा है। मैं इसे यहीं छोड़ता हूं। हमें नहीं पता था कि इसे छेड़छाड़ करने के लिए मैदान पर लिया गया था। हमने इसे केपटाउन में (पहली बार) बड़ी स्क्रीन पर देखा था। जहां तक ??किताब की बात है, मैंने इसे नहीं पढ़ा है और शायद आगे भी नहीं पढ़ूंगा, इसलिए इस पर उस्मान को विस्तार में बताना है।' तेज गेंदबाज ने पोर्ट एलिजाबेथ में दूसरे टेस्ट के दौरान बैनक्रॉफ्ट के उस चीज का इस्तेमाल करने की जानकारी होने से भी इनकार किया, जिसका दावा ख्वाजा ने किया था।

हार्दिक का ट्रेड होगा

एमआई को बोल्ट को रिलीज कर देना चाहिए: आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज और मशहूर कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि आईपीएल 2027 की नीलामी से पहले मुंबई इंडियंस के रिटेंशन और रिलीज के फैसले हार्दिक पांड्या के संभावित ट्रेड के आस-पास घूमेंगे। हार्दिक को पंजाब किंग्स में अर्शदीप सिंह के बदले ट्रेड किए जाने की सबसे ज्यादा संभावना है, क्योंकि यह ऑलराउंडर 2024 से फ्रेंचाइजी के साथ अपने दूसरे कार्यकाल में बतौर कप्तान मुंबई इंडियंस को फाइनल तक पहुंचाने में नाकाम रहा है। आकाश चोपड़ा ने जियोस्टार से बात करते हुए कहा, 'अगर पिछले सीजन में सब कुछ ठीक रहा होता, तो उनकी टीम को देखकर आपको लगता है, 'कुछ भी बदलने की क्या जरूरत है?' उनके पास संतुलन है, उनके पास अनुभव है, और उनमें जबरदस्त क्षमता है। तो बदलाव क्यों?'

उन्होंने कहा, 'शायद उन्हें एक भारतीय स्पिनर या एक भारतीय तेज गेंदबाज की जरूरत है, जो उन्हें मिल जाएगा। लेकिन उन्हें बस इतना ही करना था। लेकिन फिर शहर में सबसे ज्यादा चर्चा हार्दिक पांड्या के ट्रेड की है। यहीं से एमआई के लिए रिटेंशन और रिलीज पर फैसले



लेने का सिलसिला शुरू होगा क्योंकि आपको आमतौर पर ऐसा खिलाड़ी नहीं मिलता। लेकिन क्या होगा अगर उसकी जगह आपको दो मिल जाएं?'

हॉकी इंडिया ने विमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए

सलीमा की कप्तानी में टीम घोषित की

नई दिल्ली । हॉकी इंडिया ने मंगलवार को सलीमा टेटे की कप्तानी में विमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 के लिए भारतीय टीम की घोषणा की। टूर्नामेंट का आयोजन 19 से 28 नवंबर तक भोपाल के नाथू बरखेड़ा में नए बने इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होगा। मिडफील्डर सलीमा टेटे पिछले महीने जापान में एशियन गेम्स में ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीतने के बाद अपना पहला इंटरनेशनल टूर्नामेंट खेलने वाली भारतीय टीम की कप्तान होंगी। वरिष्ठ गोलकीपर सविता पुनिया, जिन्होंने 2026 एशियन गेम्स में भारत की कप्तानी की थी और भारत को ऐतिहासिक गोल्ड मेडल दिलाया था, टीम का हिस्सा नहीं हैं। उनकी जगह बंसरी सोलंकी और बिचू देवी खारिबाम गोलकीपिंग करेंगी।

मेजबान टीम इस टूर्नामेंट में डिफेंडिंग चैंपियन और तीन बार की विजेता के तौर पर उतरेगी, जिसने 2016, 2023 और 2024 में खिताब जीता है। भारत का मकसद अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखना और एशियन गेम्स में मिली सफलता से मिले आत्मविश्वास को बनाए रखते हुए टाइटल्स की हैट्रिक पूरी करना होगा।

टूर्नामेंट में भारत के अलावा चीन, जापान, मलेशिया, थाईलैंड और साउथ कोरिया शामिल होंगे। इंडिया की तरह, साउथ कोरिया ने भी विमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी तीन बार जीती है।

टूर्नामेंट राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में होगा, जिसमें हर टीम दूसरी पांच टीमों से एक बार खेलेगी। लीग स्टेज के आखिर में टॉप चार टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी।



भारतीय महिला हॉकी टीम

गोलकीपर : बंसरी सोलंकी, बीचू देवी खारीबाम
डिफेंडर : निक्की प्रधान, ज्योति, ज्योति सिंह, सुशीला चानू लालथंतलुआंगी, पूजा साहू
मिडफील्डर : रुतुजा दादासो पिसल, सुनीता टोप्पो, सलीमा टेटे (कप्तान), नेहा, साक्षी राणा, बलजीत कौर, इशिका
फॉरवर्ड : नवनीत कौर, दीपिका, ब्यूटी डुंगडुंग, लालरेमसियामी, मुमताज खान

सेमीफाइनल 27 नवंबर को और फाइनल 28 नवंबर को खेला जाएगा।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, 'मध्य प्रदेश महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी भोपाल 2026 हमारी टीम के लिए अपनी ऐतिहासिक एशियन गेम्स जीत की लय को आगे बढ़ाने का एक अहम मौका है। घरेलू सपोर्टर्स के सामने खेलना एक बड़ा मोटिवेशन होगा, और मुझे यकीन है कि खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करेंगे और देश को गर्व महसूस कराएंगे।'